सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य

निदर्शिका

भाग—५

नियमावली—पाठ्यग्रन्थावलीसु

संशोधनम्

(१९८३ वर्षीयपरीक्षातः)

दिसम्बर १९८३]

[मूल्यम् ७—००

(डाक्व्यय एतदतिरिक्तः)

सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्व-विद्यालय, वाराणसी

प्रथमा परीक्षा

अनिवार्य विषय–हिन्दी

पंचम प्रश्नपत्रम्–१०० अंक

प्रष्टव्य—पाठ्यग्रन्थों से गद्यांश एवं पद्यांश की व्याख्या तथा पाठसारांश पूछे जायेंगे—

(क) पाठ्यपुस्तक—१. नव-भारती (राजकीय-प्रकाशन)
१-३ भाग ४० अंक

(ख) द्रुतपाठ—रेल की सीटी : ले० श्रीप्रसाद २० ,,
प्रकाशक—लोकभारती, इलाहाबाद ।

(ग) व्याकरण—
व्याकरण का महत्व, वर्णभेद, लिपि, शब्दभेद, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, वचन तथा पुरुष ।

पाठ्यग्रन्थ—व्याकरणज्योत्स्ना—भाग १
लेखक—पं० करुणापति त्रिपाठी
प्रकाशक—हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी ।

(घ) निबन्ध—

१—निबंधसुधा—पं० कपिलदेव त्रिपाठी

पूर्वमध्यमा प्रथम खण्ड

अनिवार्य हिन्दी

तृतीय प्रश्नपत्र : गद्यनिबन्धानुवादानाम्— ५०

पाठ्यपुस्तक : १—निबंधसौरभ—सम्पादक—डॉ० श्रीप्रसाद, डा० विश्वम्भरनाथ, प्र० विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी १५

(ख) द्रुतपाठ—चतुर्युग—कौशाम्बी प्रकाशन—प्रयाग ८

(ग) व्याकरण—मुहावरों का प्रयोग ज्ञान ५

सहायक पुस्तक—सुगम हिन्दी व्याकरण—जीवनाथ शास्त्री

प्रकाशक—राजपाल एण्ड सन्स।

(घ) अनुवाद— १०

१—संस्कृत से हिन्दी

२—हिन्दी से संस्कृत

सहायक पुस्तक—सुन्दरकाण्डम् (सर्ग १ से ३ तक)

सम्पादक—श्रीनारायण चतुर्वेदी।

(ङ) निबन्ध— १२

सहायक पुस्तकें—

१—नवीन हिन्दी निबंध—डा० राजकिशोर त्रिपाठी—चौखम्बा ओरिएण्टालिया, चौक, वाराणसी।

२—अच्छी हिन्दी—श्री रामचन्द्र वर्मा।

पूर्वमध्यमा प्रथम खण्ड

वैकल्पिक हिन्दी : ख वर्ग

पञ्चम पत्र ५० अंक

द्रष्टव्य :

पाठ्यपुस्तक से सन्दर्भ सहित व्याख्या, पूरकपाठ्यपुस्तक से सामान्य विवेचनात्मक प्रश्न, कवियों का परिचय, छन्द और अलंकार।

(क) पाठ्यपुस्तकें—

१—हाईस्कूल काव्य संकलन (राजकीय प्रकाशन उ० प्र०)

सन्दर्भ व्याख्या— २०

कविपरिचय १०

(ख) द्रुतपाठ— १२

१—हिन्दी की चुनी हुई कहानियां

सम्पादक—डा० उमाकान्त त्रिपाठी

प्रकाशक—चौखम्भा विश्वभारती, वाराणसी।

(ग) छन्द और अलंकार— ८

१—छन्द—दोहा, चौपाई, सोरठा, हरिगीतिका, कवित्त, छप्पय, रोला, कुण्डलियां।

२—अलंकार—यमक, अनुप्रास, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, दृष्टान्त, अर्थान्तरन्यास।

सहायक ग्रन्थ :

१—काव्यांग कौमुदी—भाग-२

लेखक—पं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

प्रकाशक—वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।

पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष

अनिवार्य संस्कृतकाव्यम्-प्रश्नपत्र

(क) शिवराजविजयम्—प्रथम विराम १५
लेखक—अम्बिकादत्त व्यास

(ख) द्वासुपर्णा—डा० रामजी उपाध्याय १५

(ग) हिन्दीतः संस्कृतेऽनुवादः १०

संस्कृतात्, हिन्दीन्द्यामनुवादः १०

अनिवार्य हिन्दी—तृतीय पत्र

गद्यानुवादव्याकरणनिबन्धानाम् पूर्णाङ्क ५०

पाठ्यपुस्तक के अंशों का सामान्य अर्थ
पाठसारांश, व्याकरण, भाषाप्रयोग एवं निबन्ध

(क) पाठ्यपुस्तक—

१ – आधुनिक निबन्ध—लेखक—रामअवध शास्त्री
प्रकाशक—चौखम्भा ओरिएन्टालिया, वाराणसी।

(ख) दुतपाठ—

१ – कथासरिता—रूपान्तरकार श्रीद्विजेन्द्रनाथ मिश्र निर्गुण
प्रकाशक—भारतीय बुक कारपोरेशन, दिल्ली।

(ग) अनुवाद—१–संस्कृत से हिन्दी
२-हिन्दी से संस्कृत १०

सहायक पुस्तक—सुन्दरकाण्डम् (सर्ग ४ से ६ तक)
सं०—पं० श्रीनारायण चतुर्वेदी

(घ) व्याकरण—

वाक्यविचार व वाक्य विश्लेषण ५
सहायक पुस्तक—हिन्दी रचना और अनुवाद—लेखक

श्रीप्रसाद तथा रामअवध शास्त्री
प्रकाशक—मोतीलाल बनारसीदास।

(ङ) निबन्ध— १२

सहायक पुस्तकें—

१—सांस्कृतिक एवं साहित्यिक निबन्ध
ले० वेदकुमारी तथा डा० रामप्रताप त्रिपाठी

२—निबन्धसुधा—ले० कपिलदेव त्रिपाठी

(क) पाठ्यपुस्तक—हाईस्कूल गद्य संकलन (हाईस्कूल परीक्षा में निर्धारित) राजकीय प्रकाशन उ० प्र०

ससन्दर्भ व्याख्या— २०

लेखक परिचय और भाषा शैली १०

(ख) दुतपाठ—

१—रक्तरेखा—लेखक—हरिकृष्ण प्रेमी (कौशाम्बी प्रकाशन, इलाहाबाद)

(ग) आधुनिक हिन्दी साहित्य का परिचय— ८
गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं तथा लेखकों का सामान्य परिचय।

उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष

अनिवार्य हिन्दी—तृतीय पत्र

हिन्दी गद्यानुवाद, व्याकरणनिबन्धानाम् ५०

प्रष्टव्य—पाठ्यपुस्तक के अंशों का सामान्य अर्थ, पाठ सारांश, व्याकरण भाषा सम्बन्धी प्रयोग एवं निबन्ध।

(क) पाठ्यपुस्तक—

१—नये निबन्ध (पाठ १ से १० तक) वैदिक दर्शन समग्र जीवन दृष्टि की छोड़कर सम्पादक—माणिकलाल चतुर्वेदी व पद्मधर त्रिपाठी ।

२—पांच लघु नाटक—सं०—कुंवर जी अग्रवाल
प्र०—चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी ।

(ख) दुतपाठ— ८ अक

१—संस्कृत नाटक और नाटककार
लेखक—डा० रामअवध पाण्डेय, तथा रविनाथ मिश्र
भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी ।

(ग) अनुवाद—

१—संस्कृत से हिन्दी ५
२—हिन्दी से संस्कृत ५

सहायक ग्रन्थ—सुन्दरकाण्डम् (सर्ग ७ से ६ तक)
सम्पादक—पं० श्रीनारायण चतुर्वेदी

(घ) व्याकरण—भाषाप्रयोग तथा मुहावरे ५
सहायक पुस्तकें—

१—हिन्दी प्रयोग—रामचन्द्र वर्मा

(ङ) निबन्ध— १२ अंक

सहायक पुस्तक—१—हिन्दी रचना और अनुवाद
लेखक—रामअवध शास्त्री तथा डा० श्री प्रसाद
प्रकाशक—मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी ।

उत्तरमध्यमा प्रथमखण्ड

वैकल्पिक विषय (ख) वर्ग हिन्दी

षष्ठपत्र—५० अंक

प्रष्टव्य—पाठ्यपुस्तक से ससन्दर्भ व्याख्या, कवि और काव्य-समीक्षा, द्रुतपाठ से विवेचनात्मक प्रश्न और रस अलंकार, छन्द ।

(क) पाठ्यपुस्तक :

१—इण्टरमीडिएट काव्यांजलि (उ० माध्यमिक शिक्षा-परिषद् द्वारा निर्धारित) ससन्दर्भ व्याख्या २० अंक
कवि और काव्य समीक्षा १० अंक

(ख) दुतपाठ— १२ अंक

१—रश्मिरथी—दिनकर (छात्रोपयोगी संस्करण)

(ग) रस, अलंकार और छन्द ८ अंक

१—अलंकार—श्लेष, अप्रस्तुत प्रशंसा, समासोक्ति, वक्रोक्ति, परिसंख्या तथा संदेह ।

२—छन्द—बरवै, वीर, त्रिभंगी, द्रुतविलम्बित, भुजंगप्रयात, मन्दाक्रान्ता, गीतिका ।

२—रस—

सहायक पुस्तकें—१—काव्यप्रदीप—पं० रामबहोरी शुक्ल

२—काव्यांगकौमुदी-तृतीयकला-पं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्रा

उत्तरमध्यमा द्वितीयखण्ड

अनिवार्यहिन्दी—तृतीय पत्र पूर्णांक ५०

प्रष्टव्य—पाठ्यपुस्तकों के अंशों का सामान्य अर्थ, पाठ का सारांश, व्याकरण-भाषा सम्बन्धी प्रयोग एवं निबन्ध।

(क) पाठ्यपुस्तक

१—हिन्दी निबन्ध—लेखक डा० विसम्भरनाथ
प्रकाशक—हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, पिशाचमोचन, वाराणसी।

२—नव एकांकी (सं० १, ४ ५, ८, ६ एकांकी) सं० देवेन्द्रनाथ शर्मा, विश्वनाथ तिवारी, प्र० विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक, वाराणसी।

(ख) दुतपाठ— ८ अंक

१—चाँद बोला—ले० द्विजेन्द्रनाथ मिश्र—निर्गुण
प्रकाशक—चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, गोपालमंदिर, वाराणसी।

(ग) अनुवाद— १०
संस्कृत से हिन्दी ५
हिन्दी से संस्कृत ५

सहायक पुस्तक—सुन्दरकाण्डम् (सर्ग १० से १२ तक)
सम्पादक—पं० श्रीनारायण चतुर्वेदी

(घ) व्याकरण—
सहायक पुस्तक—सुगम हिन्दी, व्याकरण
लेखक—जीवनाथ शास्त्री

(ङ) निबन्ध : १२

सहायक पुस्तक—हिन्दी रचना और अनुवाद—ले० श्रीप्रसाद एवं पं० रामअवध शास्त्री

उत्तरमध्यमा द्वितीय वर्ष

वैकल्पिक हिन्दी—षष्ठ पत्र पूर्णांक ५०

प्रष्टव्य—पाठ्यपुस्तक से ससन्दर्भ व्याख्या, पाठसारांश, लेखक—परिचय, दुतपाठ से विवेचचात्मक प्रश्न और गद्य साहित्य का सामान्य परिचय।

(क पाठ्यपुस्तक— ३०
इण्टरमीडिएट गद्यगरिमा—(उ० प्र० माध्यमिक शिक्षा-परिषद् द्वारा इण्टरमीडिएट के लिए निर्धारित)
ससन्दर्भ व्याख्या एवं पाठ सारांश २०
लेखक परिचय और समीक्षा १०

(ख) दुतपाठ : १२

१—रूपकरत्न—(राज्यश्री और स्ट्राइक को छोड़कर)
डा० श्रीपति शर्मा

२—कथा भारती (इण्टरमीडिएट के लिए निर्धारित)
माध्यमिक शिक्षापरिषद् उ० प्र०, इलाहाबाद

(ग) गद्य साहित्य का परिचय— ८

सहायक पुस्तक—
हिन्दी साहित्य का इतिहास एक परिचय—ले० डा० त्रिभुवन सिंह
प्रकाशक—हिन्दी प्रचारक, वाराणसी।

शास्त्री प्रथम वर्ष

अनिवार्य हिन्दी—तृतीय प्रश्नपत्र १०० अंक

प्रष्टव्य—पाठ्यपुस्तकों से संक्षेपीकरण, विशदीकरण, पाठ-सारांश, द्रुतपाठ से विवेचनात्मक प्रश्न, भाषाप्रयोग, अनुवाद एवं निबन्ध रचना।

(क) पाठ्यपुस्तक—

१—मेरे निबन्ध मेरी पसन्द के (प्रारम्भ के सात निबन्ध) ले० डा० विद्यानिवास मिश्र

२—साहित्यिक निबन्ध—संम्पा० बद्रीनाथ तिवारी आरम्भ के तीन और अन्त के चार निबन्ध तथा 'कुटज' को छोड़कर) साहित्य भवन प्रा० लि०, इलाहाबाद।

(ख) द्रुतपाठ— १५
बहती गंगा—शिवप्रसाद मिश्ररुद्र

(ग) अनुवाद—संस्कृत से हिन्दी १०
हिन्दी से संस्कृत १०

(घ) भाषा प्रयोग— ५
सहायक पुस्तकें—

१—अच्छी हिन्दी—लेखक—रामचन्द्र वर्मा

२—संक्षेपण कैसे करें—लेखक—शैलेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, भारतीभवन, पटना प्रकाशन

(ङ) निबन्ध २०

अथवा

(केवलं विदेशिच्छात्राणां कृते)

(क) संक्षेपीकरणं— २०

(ख) अनुवाद—१—संस्कृत भाषातः हिन्दी भाषायाम् १५

२—हिन्दीभाषातः संस्कृत भाषायाम् १५

(ग) विशदीकरणम् २०

(घ निबन्ध—भारतीय संस्कृति विषयक या साहित्यिक निबन्ध

सहायक पुस्तक—

१—संक्षेपण कैसे करें, लेखक—शैलेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, पटना प्रकाशन

२—हिन्दी रचना और अनुवाद ले० डा० श्रीप्रसाद तथा रामअवध शास्त्री

शास्त्री प्रथमवर्ष

वैकल्पिक हिन्दी (ख) वर्ग ५० अंक

सप्तम पत्रम्—प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

प्रष्टव्य—(क) भाग से पद्यार्थ, कवि और काव्य समीक्षा

(ख) भाग से मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास

(ग) भाग से प्राचीन काव्यशास्त्र—रस, अलंकार और शब्दशक्ति संबंधी प्रश्न।

(क) पाठ्यपुस्तक

रसलोक—सं० डा० श्रीप्रसाद २५ अंक

प्रकाशक—शारदा प्रकाशन संस्थान, ४४ अगस्तकुण्ड, वाराणसी।

(ख) मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास १५ अंक

(ग) प्राचीन काव्यशास्त्र—रस, अलंकार और शब्दशक्तियों से सम्बद्ध विवेचनात्मक प्रश्न १० अंक

सहायक पुस्तक—

१—हिन्दी साहित्य का इतिहास—आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

२—काव्य प्रदीप—पं० रामविहारी शुक्ल

३—हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास—ले० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

४—तुलसी के रामकथा काव्य—
डा० विजयनारायण सिंह संजय प्रकाशन बुलानाला, वाराणसी।

५—साहित्यालोक—राजवंश सहाय—हीरा—
चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

अष्टमपत्रम्— ५०
नाटक और कथासाहित्य—

प्रष्टव्य—व्याख्या, नाटक और कथा साहित्य के सम्बन्ध में भारतीय और पाश्चात्य दृष्टिकोण, मूल्यांकन और आलोचना सम्बन्धी प्रश्न २५

(क) पाठ्यपुस्तकें—

१—स्कन्दगुप्त—जयशंकर प्रसाद

२—नये एकांकी—अज्ञेय

(ख) द्रुतपाठ—अमिता—(ले० यशपाल) १०
लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

(ग) हिन्दी नाटक तथा साहित्य का इतिहास १५

सहायक पुस्तकें—

१—हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास—
डा० लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

२—प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन—
डा० जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

३—हिन्दी उपन्यास—ले० शिवनारायण श्रीवास्तव—
नन्दकिशोर एण्ड संस

४—हिन्दी उपन्यास और यथार्थवाद—डा० त्रिभुवन सिंह।

५—आधुनिक नाटक का अन्वेषण—ले० कुँवरजी अग्रवाल।
प्र० चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

शास्त्री द्वितीय वर्ष

अनिवार्य हिन्दी—तृतीय पत्र पूर्णांक १००

प्रष्टव्य—पाठ्यपुस्तक से संक्षेपीकरण, विशदीकरण तथा पाठ-सारांश द्रुतपाठ से विवेचन संबंधी प्रश्न, भाषाप्रयोग, अनुवाद एवं निबन्धरचना।

(क) पाठ्यपुस्तक—

हिन्दी निबंध एक यात्रा (निबन्ध सं० ६,११,१३ को छोड़कर)

सम्पादक—डा. विश्वम्भरनाथ—सिद्धिनाथ श्रीवास्तव

प्रकाशक—लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संक्षेपीकरण तथा विशदीकरण— २० अंक

पाठसारांश— १० ,,

(ख) द्रुतपाठः—

१—वाणभट्ट की आत्मकथा, ले० हजारीप्रसाद द्विवेदी १५ अंक

२—अतीत का अभिनवालोक—ले० मायाप्रसाद त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

(ग) अनुवाद—

१—संस्कृत से हिन्दी १० अंक

२—हिन्दी से संस्कृत १० अंक

(घ) भाषाप्रयोग ५ अंक

(ङ) निबन्ध २० अंक

सहायक पुस्तक—

१ सांस्कृतिक और साहित्यिक निबन्ध-ले० वेद कुमारी तथा रामप्रताप त्रिपाठी

२ संक्षेपण कैसे करें-ले० शैलेन्द्रनाथ श्रीवास्तव, पटना प्रकाशन

३ साहित्यक निबन्ध–डा० त्रिभुवन सिंह, प्रचारक पुस्तकालय प्रकाशन।

४ उपन्यासकार–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–ले० डा० त्रिभुवन सिंह प्रका० संजय प्रकाशन, बुलानाला, वाराणसी।

(केवल विदेशीच्छात्राणां कृते)

(क) संक्षेपीकरणम् २० अंक

(ख) विदेशीकरणम् २० ,,

(ग) अनुवाद – १ हिन्दी भाषातः संस्कृते – १५ ,,

२ संस्कृतभाषातः हिन्दीभाषायाम् १५ ,,

(घ) निबन्ध

सहायक पुस्तक—निबन्ध कला—ले० शिवशंकर, संचय बुकसेंटर, गोलघर, वाराणसी।

व्यावहारिक हिन्दी, ले० रमापति शुक्ल—विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी।

शास्त्री द्वितीय वर्ष

वैकल्पिक ख वर्ग हिन्दी

१ – सप्तमपत्रम्—आधुनिक हिन्दी काव्य पूर्णाङ्क ५०

द्रष्टव्य—क भाग से पद्यार्थ, कवि और काव्य-समीक्षा 'ख' भाग से आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास और आलोचना

पाठ्यपुस्तक—आधुनिक हिन्दी कविता एक संकलन, सम्पादक—सिद्धिनाथ श्रीवास्तव ३६ (असाध्य वीणा तथा चांद का मुंह टेढ़ा है को छोड़कर)
प्रकाशन—चौखम्भा ओरिएन्टालिया, वाराणसी

(ख) आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास १४ अंक

सहायक पुस्तक—१—आधुनिक हिन्दी साहित्य—सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन

२—छायावाद का पुनर्मूल्यांकन—सुमित्रानन्दन पन्त

३—छायावादी काव्यः एकदृष्टि—चौथीराम यादव प्रकाशन—किताब महल, इलाहाबाद।

४ विवेक के रंग सम्पादक देवीशरण अवस्थी।

५ अज्ञेय और नयी कविता डा० चन्द्रकला त्रिपाठी संजय प्रकाशन, बुलानाला, वाराणसी।

२ अष्टमपत्रम्—हिन्दी गद्य साहित्य ५० अंक

प्रष्टव्य—गद्यार्थ-गद्य लेखकों की समीक्षा -हिन्दी गद्य का इतिहास के विवेचन, मूल्यांकन तथा आधुनिक आलोचना पद्धति।

क—पाठ्य पुस्तकें—ललित निबन्ध प्रकाशक केन्द्रीय हिन्दी, संस्थान, आगरा २० अंक

(एक जमाना था, समय का सीढ़ियों पर, हुकरियाँ पुराण, बाजार दर्शन, रजिया तथा रद्दी को टोकरी और आगे के सभी निबन्धों को छोड़कर)

अथवा

गद्य विविधा, सं० डा० ब्रजविलास, संजय प्रकाशन, बुलानाला, वाराणसी।

द्रुतपाठ—ख अच्छी कहानियाँ, सम्पादक—वाचस्पति पाठक, प्रकाशक—लोकभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।

अथवा

प्रतिनिधि कहानियाँ सं० डा० बच्चन सिंह प्र० विश्व विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

ग—हिन्दी गद्य का इतिहास १५ अंक

सहायक पुस्तकें—१—हिन्दी गद्य का इतिहास—डा० रामचन्द्र तिवारी

२—हिन्दी गद्य शैली का विकास, डा० जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

३—हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

४—आधुनिक हिन्दी साहित्य, अज्ञेय।

आचार्य द्वितीय वर्ष

(क) तृतीय प्रश्नपत्र में "दशरूपकम्" २५ अंक

(नान्दीटीकासहितम्)

लेखक—डा० रामजी उपाध्याय

प्रकाशक—भारतीय संस्कृति संस्थान, नारी-बारी—इलाहाबाद

१०—दशरूपकतत्वदर्शनम्— २५ अंक

लेखक—डा० रामजी उपाध्याय

प्रकाशक—भारतीय संस्कृति संस्थान महामनापुरी, वाराणसी-५

सीमान्तप्रदेशीय परीक्षा

पाठ्यक्रम में संशोधन, परिवर्धन।

१—पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष चतुर्थ पत्र (भोटागम) में निर्धारित मूल ग्रन्थ निम्नलिखित टीका के साथ—

स्योद-हजुग् - हेतु-लड-प-बर - ग्यि-ह्ग्रेल-द-ग्यल्-स्रस्-थोगस्-शेद्।

२—उत्तरमध्यमा प्रथमवर्ष चतुर्थ प्रश्नपत्र (भोटागम) में निर्धारित मूलग्रन्थ निम्न टीका के साथ—

दबु-म-हजुग्-पहि-हग्रेल्-प-दबु-म-स्प्यि-दोन् (जे-सोद्-नम्-सिगे प्रणीत)

३—शास्त्री प्रथमवर्ष चतुर्थ प्रश्न पत्र भोटागम में निर्धारित मूल ग्रन्थ निम्न टीका के साथ—

नंम्-हग्रेल-लेहु-ग्जिस्-पहि-हग्रेल्-प-थर-लम्-ग्सल्-ब्येद् (ग्रल् छब् जे-प्रणीत)

४—(क) शास्त्री द्वितीय वर्ष तृतीय प्रश्नपत्र (भोटागम) में निर्धारित मूलग्रन्थ निम्न टीका के साथ—

म्जोद्-ग्नस्-ल्ङ-प-दङ्-दुग्-पहि-हग्रेल्-प-थर-लम्-ग्सल्-ब्येद् (गेदुन् डुब्-कृत)।

(ख) चतुर्थप्रश्न पत्र (भोटागम) में निर्धारित ग्रन्थ निम्न टीका के साथ—

स्प्योद्-हजुग् - लेहु-डुग्-प - नस्-हजुग् - वर - ग्यि-हग्रेल्-प (ग्रलछब् मेद्)

५—(क) आचार्य प्रथमवर्ष प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित ग्रन्थ निम्न टीका के साथ—

नंम्-हग्रेल्-लेहु-दङ्-पोहि-हग्रेल्-प-थर-लम्-गसल्-ब्येद् (ग्रल छब् जे-कृत)

(ख) आचार्य प्रथम वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित ग्रन्थ निम्न टीका के साथ-दबु-म-हजुग्-प-सेम्स्-ब्-स्क्येद्-द्रुग्-प-नस्-हजुग्-वर-ग्यि-हग्रेल्-प-स्प्यि-दोन्-ङे-स्-दोन्-रब्-ग्सल (जे सोद नम सिङ् गे-कृत)।

(ग) आचार्य प्रथम वर्ष तृतीय प्रश्न पत्र में निर्धारित मूल ग्रन्थ निम्न टीका के साथ—म्ङोन्-र्तोग्स्-र्ग्यन्-स्कब्स्-ग्जिस्-प-दङ्-गसुम्-पहि-हग्रेल-प-(बु-तोन् रिन् छेन डुब्-कृत)।

६—(क) आचार्य द्वितीय वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित ग्रन्थ निम्न टीका के साथ—नंम्-हग्रेल-लेहु-ग्सुम्-पहि-हग्रेल्-प-थर-लम्-ग्सल्-ब्येद् (ग्रल्-छब्-जे कृत)।

(ख) आचार्य द्वितीय वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित ग्रन्थ निम्न टीका के साथ—दबु-म-र्ग्यन्-ग्यि-हग्रेल्-प, हजम्-दब्यङ्-स्-द्-ग्येस्-पहि-ज्यल्-लुङ् (जुमिफम-कृत)।

(ग) आचार्य द्वितीय वर्ष तृतीय प्रश्न-पत्र में निर्धारित ग्रन्थ निम्न टीका के साथ—

म्ङोन्-र्तोग्स्-र्ग्यन्-स्कब्स्-ज्यि-पहि-हग्रेल् - प - प्यि • दोन् (जे-सोद्-नम्-डग्-प-कृत)।

(घ) आचार्य द्वितीय वर्ष चतुर्थ प्रश्न पत्र में निर्धारित ग्रन्थ निम्न टीका के साथ—

म्दो-स्दे-र्ग्यन्-ग्यि-हग्रेल्-न-ग्रलसस्-थोगस्-मेद्।

७—(क) आचार्य तृतीय वर्ष प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित ग्रन्थ निम्न टीका के साथ—

नंम्-हग्रेल्-लेहु-ज्यि-पहि-हग्रेल्-न-द्गोङ्स्-प - रब् - ग्सल् (जेसोद् नम् डग् पा-कृत)।

(ख) आचार्य तृतीय वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित ग्रन्थ निम्न टीका के साथ—

द्बु-म-व्जिय-ज्ञ-पहि-हग्रेल् - प (जेचुन्-रेदावा प्रणीत)। चं-शोस्-हग्रेल्-प-चं-शोस्-टोक्-छन् (जे चोंखापा-प्रणीत)।

(ग) आचार्य तृतीय वर्ष तृतीय प्रश्नपत्र में निर्धारित ग्रन्थ निम्न टीका के साथ—

मृङोन्-र्तोग्स्-ग्यन्-स्कबस्-ल्ह-प-नस्-दुग् - प - वर - ग्यि - हग्रेल्-प । लुङ्गि-स्त्रेम् । जेबु तोन्-रिन्-ग्रुब ।

विशेषः—शास्त्री क वर्गे एवं आचार्य की भोटागम विषयक परीक्षा में तिब्बती पाठ्यक्रम निर्धारित है। प्रत्येक खण्ड में एक प्रश्न पत्र के विकल्प में संस्कृत बौद्ध ग्रन्थ निम्न प्रकार होगा।

(१) शास्त्री प्रथम वर्ष प्रथम पत्र का विकल्प—

अथवा

अभिधर्मकोशः—२, ३ कोशस्थाने ।

(२) शास्त्री द्वितीय वर्ष द्वितीय पत्र का विकल्प—

अथवा

बोधिचर्यावतारः—८, ९ परिच्छेदौ ।

(३) आचार्य प्रथम वर्ष प्रथम पत्र का विकल्प—

अथवा

प्रमाणवार्तिकम् धर्मकीर्तिकृतम् स्वार्थानुमानपरिच्छेदः (मूलमात्रम्)

४—आचार्य द्वितीय वर्ष चतुर्थ पत्र का विकल्प—

अथवा

महायानसूत्रालंकारः असंगकृतः सम्पूर्णः ।

५—आचार्य तृतीय वर्ष तृतीय पत्र का विकल्प—

अथवा

मूलमाध्यमिककारिका नागार्जुनकृता, प्रत्यय-आत्म-निर्वाण आर्यसत्य-तथागतपरीक्षाः ।

पुनश्च—

उत्तर मध्यमा प्रथम वर्ष द्वितीय प्रश्नपत्र में निर्धारित हिन्दी ग्रन्थ प्रतिनिधि एकांकी" का विकल्प ।

अथवा

'पाँच लघु नाटक" चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी ।

(१) शास्त्री प्रथम वर्ष अनिवार्य हिन्दी

परिवर्तन—(१) निबन्धश्री एवं (२) मेरे निबन्ध मेरे पसन्द के इन दो के स्थान पर—

(क) हिन्दी गद्यगरिमा (निबन्ध सं० ६, १०, १२, १५, १६, १७, २१ को छोड़कर)

लेखक—डा०भोलानाथ तिवारी, प्रकाशक—साहित्य-भवन, प्रा०लि०, इलाहाबाद ।

परिवर्तन—बहती गंगा नामक उपन्यास के स्थान पर

(ख) चित्रलेखा ।

लेखक—श्री भगवतीचरण वर्मा । प्रकाशक—भारतीय भण्डार, इलाहाबाद ।

(ग) भाषा रचना एवं व्याकरण

सहायक ग्रन्थ—हिन्दी रचना एवं अनुवाद

लेखक—श्री रामअवध पाण्डेय एवं डा॰ श्री प्रसाद

प्रकाशक—मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।

(२) शास्त्री द्वितीय वर्ष अनिवार्य हिन्दी

(क) हिन्दी निबन्ध एक यात्रा (निबन्ध सं॰ ३, ४, ५, ६ को छोड़कर)

(ख) बाणभट्ट की आत्मकथा के स्थान पर अमिता
लेखक—यशपाल। प्रकाश—लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।

(३) शास्त्री प्रथम वर्ष ७-८ पत्र

भोटसाहित्य

(१) स्नन्-ग्र-ङग्-मोहि-ग्यंन् नस्-मृजुग्-वर
आचार्य दण्डी ··· ···· २५

(२) कलु-कुत-नु-द्गह्-वहि-ज्लोस्-गर्
श्री हर्षदेव ··········· २५

(४) पूर्वमध्यमा प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में

तुलनात्मक दर्शन विषय का पाठ्यक्रम सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के तुलनात्मक दर्शन विषय के पूर्वमध्यमा प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के समान ही होगा।

(५) उत्तर मध्यमा प्रथम वर्ष

भोटागम विषय में प्रज्ञापारमिता के स्थान पर 'दोन-दुन्-नु' (सत्तर पदार्थ) ग्रन्थ होगा।

(६) **शास्त्री द्वितीय वर्ष**

राजनीति शास्त्र विषय में ब्रिटेन के संविधान के स्थान पर "भारत का संविधान" होगा तथा—

१. भारत का संविधान

२. सोवियत संघ का संविधान

३. संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान
—इन तीनों के लिये २० अंक होंगे।

सहायक ग्रन्थ—

भारत का संविधान—पुखराज जैन
आधुनिक विश्व की प्रमुख शासन प्रणालियां—गैंड एवं शर्मा

विदेशी छात्रों के लिए उपाध्युत्तर भारतीय विद्या संस्कृति परीक्षा

यह परीक्षा दो वर्ष और छह पत्रों में पूर्ण होगी। प्रथम वर्ष में तीन तथा द्वितीय वर्ष में तीन प्रश्नपत्र होंगे। सभी पत्र सौ-सौ पूर्णांक के होंगे।

प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र—संस्कृत भाषा ६० अंक तथा पालि या प्राकृत भाषा ४० अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र—भारतीय दर्शनों का परिचय १०० अंक

तृतीय प्रश्नपत्र—गद्य काव्य २५ अंक, पद्य काव्य ३५ अंक, एवं नाटक ३० अंक

द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र—संस्कृत भाषा ६० अंक तथा पालि या प्राकृत भाषा ४० अंक

द्वितीय प्रश्नपत्र—धर्म एवं दर्शन-बौद्ध-दर्शन २५ अंक वेदान्त २५ अंक एवं सांख्य-योग अथवा न्यायवैशेषिक अथवा जैनदर्शन अथवा मीमांसादर्शन ३० अंक

तृतीय प्रश्नपत्र—संस्कृत साहित्य का इतिहास ७५ अंक एवं निबन्ध २५ अंक

प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र—(क) संस्कृत भाषा – सुप्, तिङ० कृत् तद्धित एवं स्त्रीप्रत्ययों का ज्ञान, अव्यय, उपसर्ग, सन्धि, वाक्यरचना एवं वाक्यविन्यास

(ख) पालि या प्राकृतभाषा–सुप्, तिङ् कृत्, तद्धित एवं स्त्रीप्रत्ययों का ज्ञान अव्यय, उपसर्ग, सन्धि, वाक्यरचना एवं वाक्य-विन्यास

द्वितीय प्रश्नपत्र—उपनिषद्, बौद्ध, जैन, सांख्ययोग, एवं वेदान्त दर्शन का सामान्य परिचय

तृतीय प्रश्नपत्र—(क) गद्यकाव्य–पंचतन्त्र का अपरीक्षित कारक (पद्यांशवर्जित)

(ख) पद्यकाव्य–सौन्दरानन्द, अश्वघोषकृत द्वितीयसर्ग

(ग) नाटक–अभिज्ञानशाकुन्तलम् कालिदास-कृत, प्रथम एवं द्वितीय अंक

द्वितीय वर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र—(क) संस्कृत भाषा—कारक, समास, णिच्, सन्, यङ्, यङ्लुक्, नामधातु, आत्मने-पद, परस्मैपद, लकारार्थ, वाच्यपरिवर्तन

(ख) पालि या प्राकृत भाषा - कारक, समास, णिक्, सन्, यङ्, यङ्लुक्, नामधातु, ककारार्थ एवं वाच्यपरिवर्तन

द्वितीय प्रश्नपत्र –(क) बौद्धदर्शन—१. त्रिंशिका विज्ञप्तिमात्रता-सिद्धि (मूलमात्र)

२. माध्यमिककारिका में प्रत्यय आत्म एवं निर्वाण परीक्षा (मूलमात्र)

(ख) वेदान्त – ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य के साथ चतुः सूत्री पर्यन्त

(ग) सांख्ययोग – सांख्यकारिका एवं योगसूत्र (मूलमात्र) । अथवा

(घ) न्यायवैशेषिक – तर्कभाषा, केशवमिश्रकृत (सम्पूर्ण) अथवा

(ङ) जैनदर्शन – जैन तर्कभाषा (सम्पूर्ण)

अथवा

(च) मीमांसादर्शन – मानमेयोदय ।

तृतीय प्रश्नपत्र—संस्कृत साहित्य का इतिहास – गद्य, पद्य, नाटक का विकास, वेद साहित्य का संक्षिप्त परिचय, संस्कृत साहित्य के प्रसिद्ध कवि

और उनकी कृतियों का संक्षिप्त परिचय ७५ अंक निबन्ध—संस्कृत भाषा में निबन्ध २५ अंक

प्रवेश नियम :

इस परीक्षा में वे ही विदेशी छात्र एवं सीमान्त प्रदेशीय छात्र प्रविष्ट हो सकेंगे जो अपने देश के विश्वविद्यालयों अथवा अपने देश के शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से उपाधि परीक्षा उत्तीर्ण होंगे। अथवा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय की अथवा मान्यता प्राप्त किसी अन्य विश्वविद्यालय की उपाधि परीक्षा उत्तीर्ण होंगे।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी

संस्कृतप्रमाणपत्रीय परीक्षा

अस्य विश्वविद्यालयस्य संस्कृतप्रमाणपत्रीय परीक्षायाः प्रथमवर्षस्य द्वितीयप्रश्नपत्रम्, द्वितीय वर्षस्य द्वितीय प्रश्नपत्रम्, तृतीयवर्षस्य च द्वितीयप्रश्नपत्रम् (काव्य विषयस्य) निम्नलिखितानुसारं भविष्यन्ति।

प्रथम वर्षे—द्वितीयप्रश्नपत्रम् १००

(क) मूलरामायणम् ३०

(ख) हितोपदेशस्य कथामुख मित्रलाभस्य अश्लीलाश्च रहितः ६०
(अश्लीलकथा—५ चन्दनदास कथा—६ वीरसेनकथा)
इत्यस्य स्थाने निम्नरूपेण भवतु—

(क) मूलरामायणम् ३०

(ख) पंचतंत्र-अपरीक्षितकारकस्य १-५ कथा श्लोकवर्जिताः ५०

(ग) इन्द्रवज्रा उपेन्द्रवज्रा, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, स्रग्धरा, भुजंगप्रयातम्, रथोद्धता, अनुष्टुभ, शार्दुलविक्रीडितम्, द्रुतविलम्बितम्, आर्या छन्दानां सोदाहरणज्ञानम्। २०

सहायक ग्रन्थ—(१) हितोपदेश (२) छन्दोमंजरी, वृत्तरत्नाकर—

द्वितीय वर्षे—द्वितीय प्रश्नपत्रम् १००

(क) पंचतंत्रस्य अपरीक्षितकारकम् ६०

(ख) षोडशालङ्काराणां सोदाहरणज्ञानम् ३०
इत्यस्य स्थाने निम्नरूपेण भविष्यन्ति—

(क) बुद्धचरितस्य १-३ सर्गाः ४०

(ख) कर्णभारम् ४०

(ग) संस्कृतसाहित्यस्य सामान्येतिहासः २०

सहायक ग्रन्थ—(१) हिस्ट्री आफ संस्कृत लिटरेचर—मैकडोनाल
(२) संस्कृत साहित्य का इतिहास—
वाचस्पति गैरोला
(३) संस्कृत शास्त्रों का इतिहास—
बलदेव उपाध्याय

तृतीय वर्षे—द्वितीय प्रश्नपत्रम् १००

(क) बुद्धचरितस्य १-३ सर्गाः (ख) स्वप्नवासवदत्तम्

(ग) अनुवादः—(१) संस्कृतम हिन्दी भाषः, पालिभाषाया, आंग्ल भाषायां वा। (२) हिन्दीभाषातः पालिभाषातः आङ्गल भाषातो वा संस्कृते।
इत्यस्य स्थाने निम्नरूपेण भवतुः—

(क) काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तेः १-६ अध्यायाः ६०

(ख) पोडशालङ्काराणां सोदाहरण ज्ञानम् २०
अलंकारसारमंजरी माधारीकृत्य पोडश अलङ्काराः यथा— अनुप्रासः, यमकम्, श्लेषः, उपमा, रूपकम्, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्तिः, दृष्टान्तः विशेधाभासः काव्यलिङ्गम्, विभावना, विशेषोक्तिः, स्वभावोक्तिः अर्थानन्तरन्यासः, संसृष्टिः शंकरश्चेति ।

(ग) व्याघ्रीजातकः २०

प्राकृत एवं जैनागमः

प्राकृत एवं जैनागमविषये पूर्वमध्यमायाः प्रथमद्वितीयखण्डयोः, उत्तरमध्यमायाः प्रथमद्वितीयखण्डयोः, शास्त्रीप्रथमद्वितीयखण्डयोः, आचार्यप्रथमद्वितीयतृतीयखण्डानां परीक्षाः स्नातकोत्तरप्राकृतप्रमाणपत्रीयपरीक्षा च निम्नलिखितपाठ्यक्रमानुसारं निर्दिष्टनियमानुसार च भविष्यन्ति । अयं पाठ्यक्रमः नियमावलि च १९८३ वर्षीयपरीक्षातः प्रभावी भविष्यति ।

१. शास्त्रिप्रथमखण्डे द्वितीयखण्डे च 'क' वर्गे '२६–जैनागमः' इत्यस्य स्थाने '२६–प्राकृत एवं जैनागमः' इति पठितव्यम् ।

२. आचार्यपरीक्षायां '३२–प्राकृतम्' इत्यस्य स्थाने '३२–प्राकृत एवं जैनागमः इति पठितव्यम् ।

३. पूर्वमध्यमायाः उत्तरमध्यमायाश्च 'क' वर्गे अग्राकितपाठ्यक्रमस्य समावेशः करणीयः ।

पूर्वमध्यमा प्रथमखण्डम्

वैकल्पिको विषयः 'क' वर्गः

१४. प्राकृत एवं जैनागमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५०

दव्वसगहो नेमिचन्द्राचार्यकृतः
(शब्दार्थसहिता व्याख्याः ३० अंकाः, संस्कृत अथवा हिन्दीभाषया अनुवादः २० अंकाः)

ग्रन्थप्राप्ति—

१. श्रीगणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला, नरिया, वाराणसी ।

२. परमश्रुतप्रभावक मण्डल, राजचन्द्र आश्रम, आगास (गुजरात)

वैकल्पिको विषयः 'ख' वर्गः

१०. प्राकृतम्

पंचमप्रश्नपत्रम् ५०

(क) रचनानुवादः व्याकरणं च ३० अंकाः

(प्राकृत काव्यमंजरी १–४ पाठाः)

(ख) प्राकृतगद्यपाठाः २० अंकाः

(प्राकृत काव्यमंजरी ५–१० पाठाः)

ग्रन्थप्राप्ति

१. प्राकृत काव्यमंजरी—डा० प्रेमसुमन जैन ।
प्रकाशक—राजस्थान प्राकृत भारती संस्थान.
मोतीसिंह भोमियों का रास्ता, जयपुर (राजस्थान)

सहायक ग्रन्थ

१. पाइअविन्नाणकहा—श्री विजयकस्तूर सूरीश्वर ।
प्रकाशक—मास्टर जसवंतलाल गीरधरलाल, अहमदाबाद ।

पूर्वमध्यमा द्वितीयखण्डम्

वैकल्पिको विषयः 'क' वर्गः

१४. प्राकृत एवं जैनागमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५०

नायाधम्मकहाओ
(प्रथमश्रुतस्कन्ध सप्तमअध्ययनम्)
अथवा—पाइय गज्जसंगहो बीयो भाओ (कथा १–१०)
(शब्दार्थ सहिता व्याख्या ३० अंकाः, संस्कृत अथवा हिन्दीभाषया अनुवादः २० अंकाः)

ग्रन्थप्राप्ति—

१. ज्ञाताधर्मकथा—स० मुनि घासीलाल,
प्रकाशक—जैन शास्त्रोद्धार समिति, राजकोट (गुजरात)

२. ज्ञाताधर्मकथा—स० अमोलक ऋषि, हैदराबाद ।

३. पाइय गज्जसंगहो बीयो भाओ—डा० राजाराम जैन,
ह० द० जैन कालेज, आरा (बिहार)

वैकल्पिको विषयः 'ख' वर्गः

१०. प्राकृतम्

पंचमप्रश्नपत्रम्

(क) रचनानुवादः व्याकरणं च ३० अंकाः

(ख) प्राकृतगद्यपाठाः २० अंकाः

(प्राकृत स्वयं शिक्षक २३–४३ पाठाः तथा च गज्जसंगहो १, ५, ९, १०)

सहायक ग्रन्थः—

१. प्राकृत स्वय शिक्षक—राजस्थान प्राकृत भारती संस्थान, मातीसिंह भोमियों का रास्ता, जयपुर ।

२. श्री प्राकृत विज्ञान पाठमाला—सरस्वती पुस्तक भण्डार, रतनपोल, हाथीखाना, अहमदाबाद ।

उत्तरमध्यमा प्रथमखण्डम्

वैकल्पिको विषयः "क" वर्गः

१४. प्राकृत एवं जैनागमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

उत्तरज्झयणं (केसिगोयमिज्जं अध्ययनम् २३)
(व्याख्या १० अंकाः, व्याकरणात्मकटिप्पणयः २० अंकाः)

ग्रन्थ प्राप्ति—

उत्तराध्ययन सूत्र—प्रकाशक— १. सन्मति ज्ञानपीठ, आगरा।
२. जैन विश्वभारती लाडनूं।

पंचमप्रश्नपत्रम् ५०

कत्तिगेयाणुवेक्खा (गाथा १—१०१)
(व्याख्या ३० अंकाः, व्याकरणात्मकटिप्पणयः २० अंकाः)

ग्रन्थप्राप्ति—

कार्तिकेयानुप्रेक्षा, परमश्रुतप्रभावक मण्डल, अगास।

वैकल्पिको विषयः "ख" वर्गः

१०. प्राकृतम्

षष्ठप्रश्नपत्रम् ५०

(क) रचनानुवादः व्याकरणं च ३० अंकाः
(प्राकृत स्वयं शिक्षक ४४-६३ पाठाः

(ख) प्राकृतपद्यपाठाः २० अंकाः
(प्राकृतप्रवेशिका—डा० कोमलचन्द्र जैन—सुभाषितानि, सज्जन-दुर्जनचर्चा, धर्ममाहात्म्यम् शीर्षकपाठाः)

ग्रन्थप्राप्ति—

प्राकृत प्रवेशिका—डा० कोमलचन्द्र जैन,
प्रकाशक—तारा पब्लिकेशन्स, वाराणसी।

उत्तरमध्यमा द्वितीयखण्डम्

वैकल्पिको विषयः "क" वर्गः

१४. प्राकृत एवं जैनागमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५०

रयणसारो (व्याख्या ३० अंकाः
व्याकरणात्मकटिप्पणयः २० अंकाः)

ग्रन्थप्राप्ति—

रयणसार—सम्पादक डा० देवेन्द्रकुमार शास्त्री।

प्रकाशक—कुन्दकुन्द भारती, दिल्ली।

सम्पादक—पं० बलभद्र जैन, जयपुर।

पंचमप्रश्नपत्रम्

दसवेआलियं (दशवैकालिक वर्गीकृत १-१५ पाठाः)
अथवा-पाइय पज्जसंगहो बीयो भाओ (पाठाः १-५)
(व्याख्या ३० अंकाः, व्याकरणात्मकटिप्पणयः २० अंकाः)

ग्रन्थप्राप्ति—

१. धर्मप्रज्ञप्ति खण्ड १. दशवैकालिक वर्गीकृतः। प्रकाशक-जैन-श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा, पोर्चुगीज चर्च स्ट्रीट, कलकत्ता।
२. पाइय-पज्जसंगहो बीयो भागो—डा० नेमिचन्द्र शास्त्री, ह० द० जैन कालेज आरा (बिहार)

वैकल्पिको विषयः "ख" वर्गः

१०. प्राकृतम्

षष्ठप्रश्नपत्रम् ५०

(क) रचनानुवादः व्याकरणं च ३० अंकाः
(प्राकृत स्वयं शिक्षक ६४-८६ पाठाः)

(ख) प्राकृतगद्यपद्यपाठाः २० अंकाः
(प्राकृत-प्रवेशिका-बूल्नर, भाग २ पाठ १, २, ९)

ग्रन्थप्राप्ति—

मुन्शीराम मनोहरलाल, दिल्ली

शास्त्रिप्रथमखण्डम्

२६. प्राकृत एवं जैनागमः

वैकल्पिको विषयः "क" वर्गः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ७०

पंचत्थिकायसंगहसुत्तं कुन्दकुन्दाचार्यकृतम्
(ससन्दर्भव्याख्या ३५ अंकाः, ग्रन्थस्य विषयाणां ग्रन्थकारस्य च परिचयः १५ अंकाः, पारिभाषिकशब्दानां व्याख्या, व्याकरणात्मकटिप्पणयः २० अंकाः)

ग्रन्थप्राप्ति—

पंचास्तिकाय— १. रायचन्द्र जैन ग्रन्थमाला, परमश्रुत प्रभावक-मण्डल, अगास (गुजरात)

२. कुन्दकुन्दभारती के अन्तर्गत प्रकाशित।

पंचमप्रश्नपत्रम् ७०

सूयगडो (प्रथमश्रुतस्कन्धस्य अध्ययन ६ तथा ९)
अथवा-पाइय पज्जसंगहो बीयो भाओ (पाठाः ८-१२)
(ससन्दर्भव्याख्या ३५ अंकाः, ग्रन्थस्य विषयाणां परिचयः १५ अंकाः, पारिभाषिकशब्दानां व्याख्या, व्याकरणात्मक-टिप्पणयः २० अंकाः)

ग्रन्थप्राप्ति—

१. सूयगडो—प्रकाशक-जैन विश्वभारती, लाडनूं (राजस्थान)

२. सूत्रकृतांग—आगमोदय समिति, बम्बई।

३. पाइय पज्जसंगहो बीयो भाओ, डा० नेमिचन्द्र शास्त्री ह०द० जैन कालेज, आरा (बिहार)

षष्ठप्रश्नपत्रम् ६०

णियमसारसुत्तं (ससन्दर्भव्याख्या ३० अंकाः, ग्रन्थस्य विषयाणां ग्रन्थकारस्य च परिचयः १५ अंकाः
पारिभाषिकशब्दानां व्याख्या, व्याकरणात्मकटिप्पणयः १५ अंकाः)

ग्रन्थप्राप्ति— नियमसार, १. जैनग्रन्थ रत्नाकर, कार्यालय, बम्बई।

२. कुन्दकुन्द भारती के अंतर्गत प्रकाशित।

शास्त्रिप्रथमखण्डम्

वैकल्पिको विषयः "ख" वर्गः

प्राकृतम्

सप्तमप्रश्नपत्रम् ५०

(क) प्राकृतव्याकरणम् ३० अंकाः

(मागधी, अर्धमागधी-शौरसेनी-महाराष्ट्रीप्राकृतानां व्याकरणम्)
निम्नांकितेषु कमप्येकग्रन्थानुसारम्
हेमचन्द्रकृतम् प्राकृतव्याकरणम् (हेमशब्दानुशासनान्तर्गतम्), वररुचिकृतः प्राकृतप्रकाशः, त्रिविक्रमकृतम् प्राकृतव्याकरणम्।

(ख) रचनानुवादः २० अंकाः

सहायकग्रन्थः १. प्राकृत प्रबोध—डा० नेमिचन्द्र शास्त्री
प्रकाशक— चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।

२. अभिनव प्राकृत व्याकरण—डा० नेमिचन्द्र शास्त्री।
प्रकाशक—तारा पब्लिकेशन्स, वाराणसी।

अष्टमप्रश्नपत्रम् ५०

(क) प्राकृतपद्यपाठाः ३० अंकाः

आयारो (उवहानसुयं १-६),
उत्तरज्झयणं (विनयसुयं)
पवयणसारो (णाणाहियारो)

(प्राकृत काव्य सौरभ—सम्पादक डा०प्रेमसुमन जैन, में संकलित)

प्रकाशक – श्री तारक गुरु जैन ग्रन्थालय, उदयपुर [राजस्थान]

(ख) पठितग्रन्थांशानां भाषागतमूल्याङ्कनम् १० अंकाः

(ग) पठितग्रन्थांशानां छन्दज्ञानम् १० अंकाः

शास्त्रिद्वितीयखण्डम्

वैकल्पिको विषयः "क" वर्गः

२६. प्राकृत एवं जैनागमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ७०

(क) नयचक्रम्—देवसेनसूरिकृतम् २५ अंकाः

(ख) उवासगदसाओ (प्रथमाध्ययनम्) २५ अंकाः

(ग) पठितग्रन्थांशानां पारिभाषिकशब्दानां
व्याख्या व्याकरणात्मकटिप्पणयश्च २० अंकाः
(ससन्दर्भव्याख्या, ग्रन्थस्य विषयाणां परिचयः)

ग्रन्थप्राप्तिः नयचक्र प्रकाशक—भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
उवासगदशांकसूत्र, श्री आगमप्रकाशन समिति, ब्यावर [राज]

पंचमप्रश्नपत्रम् ७०

[क] उवासयाज्झयणं—वसुनन्दिकृतम् २५ अंकाः
(गाथा १—१००)

[ख] नन्दीसुत्तं (ज्ञानमीमांसा) २५ अंकाः

[ग] पठितग्रन्थांशानां पारिभाषिकशब्दानां
व्याख्या व्याकरणात्मकटिप्पणयश्च २० अंकाः
(ससन्दर्भव्याख्या, ग्रन्थस्य विषयाणां ग्रन्थकारस्य च परिचयः)

ग्रन्थप्राप्तिः

१. वसुनन्दि श्रावकाचार—भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी।
२. नन्दीसूत्र—प्राकृत टेक्स्ट सोसाइटी, अहमदाबाद।

षष्ठप्रश्नपत्रम्

प्राकृतभाषा-साहित्यस्येतिहासः
(प्राकृतभाषेतिहासः २०, प्राकृतसाहित्येतिहासः ३०)

सहायक ग्रन्थाः

१. प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास डा० नेमिचन्द्र शास्त्री, तारा पब्लिकेशन्स, वाराणसी।

२. प्राकृतसाहित्य का इतिहास—डा० जगदीशचन्द्र जैन, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।

३. जैन आगम साहित्य—देवेन्द्रमुनि, श्री तारक गुरु जैन ग्रन्थालय, उदयपुर।

४. जैन साहित्य का इतिहास, भाग १, २ —पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री —श्री गणेशप्रसाद वर्णी जैन ग्रन्थमाला, वाराणसी।

५. तुलनात्मक भाषा विज्ञान—डा. पी. डी. गुणे

६. भारतीय संस्कृति के विकास में जैन वाङ्मय का अवदान —डा० नेमिचन्द्र शास्त्री, प्रकाशक—अ०भा० जैन विद्वत् परिषद्, सागर (म. प्र.)

शास्त्रिद्वितीयखण्डम्

वैकल्पिको विषयः "ख" वर्गः

प्राकृतम् ५०

सप्तमप्रश्नपत्रम्

[क] समणसुत्तं (सुत्तं १, २, ५, ७, ९) २०

[ख] पाहुडदोहा (दोहा १—५० पर्यन्तं) २०

[ग] पठितांशानां भाषागतमूल्याङ्कनम् १०

ससन्दर्भव्याख्याः ३० अंकाः, पारिभाषिकशब्दानां व्याख्या १० अंकाः, व्याकरणात्मकविश्लेषणम् १० अंकाः)

ग्रन्थप्राप्ति—समणसुत्तं, सर्वसेवासंघ प्रकाशन, वाराणसी।
पाहुडदोहा, कारंजा जैन पब्लिकेशन सोसाइटी, कारंजा।

अष्टमप्रश्नपत्रम् ५०

[क] प्राकृतगद्यपद्यपाठाः ३०

प्राकृतविज्ञानपाठशाला—गज्ज-पज्जमाला

अथवा

प्राकृत प्रवेशिका—बुल्नर, भाग, २, पाठाः १–२२

(ख) पठितांशानां व्याकरणात्मक-भाषागतवैशिष्ट्यम् २०

प्राकृत प्रवेशिका—बुल्नर भाग १

सहायक ग्रन्थाः १. प्राकृत प्रवेशिका—डा० कोमलचन्द्र जैन
२. प्राकृत मार्गोपदेशिका—पं० वेचरदास दोशी
३. अभिनव प्राकृत व्याकरण—डा० नेमिचन्द्र शास्त्री

आचार्यपरीक्षा

२२. प्राकृत एवं जैनागमः

आचार्य परीक्षायां प्रतिखण्डं द्वे-अनिवार्यपत्रे भविष्यतः।

अन्य पत्राणां कृते निम्नाङ्कितेषु विकल्पेषुऽकोऽप्येको विकल्पः। प्रतिखण्ड ग्राह्यो भविष्यति। प्रथमखण्डे यः विकल्पः गृहीतः स एव द्वितीयखण्डे ग्रहीतव्यः। तृतीयखण्डे तृतीयपत्रमप्यनिवार्यम्।

वैकल्पिकाः वर्गाः

वर्गः "क" — अर्धमागधीप्राकृतागमाः।
वर्गः "ख" — शौरसेनीप्राकृतागमाः।
वर्गः "ग" — महाराष्ट्रीप्राकृतं अपभ्रंशसाहित्यं च।
वर्गः "घ" — प्राकृतागम-पालिपिटकानि च।

आचार्यप्रथमखण्डम्

अनिवार्यविषये

प्रथमप्रश्नपत्रम् ५०

(क) प्राकृतभाषाविज्ञानम् २५ अंकाः

(ख) अभिलेखीयप्राकृतम् २५ अंकाः
(खारवेलस्य हाथीगुंफाभिलेखः अशोकस्य गिरनाराभिलेखा : १-५, एतेषां सटिप्पणव्याख्या अभिलेखीयप्राकृतानां परिचयश्च)

सहायकग्रन्थाः—

१. डा० नेमिचन्द्र शास्त्री—प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास,
तारा-पब्लिकेशंस, वाराणसी

२. डा० राजवली पाण्डेय—अशोक के शिलालेख,
ज्ञानमण्डल लिमिटेड वाराणसी

३. डा० डी०सी०सरकार—सिलेक्टेड इन्स्क्रपशन्स आव इण्डिया

४. डा० भोलानाथ तिवारी—भाषा विज्ञान

५. डा० देवेन्द्रकुमार शास्त्री—भाषाशास्त्र तथा हिन्दी भाषा की रूपरेखा,
विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

द्वितीयप्रश्नपत्रम् ५०

(क) प्राकृतव्याकरणम् ३० अंकाः

(ख) निबन्धरचनाभ्यासः २० अंकाः

ग्रन्थाः प्राकृतव्याकरम्—हेमचन्द्रकृतम्, अथवा
प्राकृतप्रकाशः —वररुचिकृतः, अथवा
प्राकृतव्याकरणम्—त्रिविक्रमकृतम्

सहायक ग्रन्थाः १. पिशेल–प्राकृत भाषाओं का व्याकरण
(अनुवाद हेमचन्द जोशी)

२. नेमिचन्द्र शास्त्री —अभिनव प्राकृत व्याकरण

३. बुल्नर—इन्ट्रोडक्शन टू प्राकृत

४. डा० सत्यस्वरूप मिश्रा तथा डा० हांरप्रिया मिश्रा —ए हिस्टोरिकल ग्रामर आव अर्धमागधी

वैकल्पिक विषये

वर्गः 'क' अर्धभागधीप्राकृतागमाः

तृतीयप्रश्नपत्रम् ५०

१. आयारो (प्रथमश्रुतस्कन्ध-नवम् अध्ययनम्) २५ अंकाः

२. सूयगडो (द्वितीयश्रुतस्कन्ध-नालन्दीय-अध्ययनम्) २५ अंकाः
(ससन्दर्भा व्याख्या, पारिभाषिकशब्दानां व्याख्या, विषयाणां सम्यक्परिचयः व्याकरणात्मकटिप्पणयः)

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५०

१. आवश्यकसुत्तं (चूर्णिसहितं सामयिकाध्ययनम्) २५ अंकाः

२. उवासगदसाओ (प्रथमाध्ययनम्) २५ अंकाः
(ससन्दर्भा व्याख्या, पारिभाषिकशब्दानां व्याख्या, विषयाणां सम्यक्परिचयः, व्याकरणात्मकटिप्पणयः)

वर्गः 'ख' शौरसेनी प्राकृतागमाः

तृतीयप्रश्नपत्रम् ५

समयपाहुडसुत्तं कुन्दकुन्दाचार्यकृतम् (अधिकाराः १, ३, ८, ६)

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५

छक्खंडागमसुत्तं (मूलमात्रम्)—जीवट्ठाणे संतपरूवणाणु-योगद्दारे गुणट्ठाणवण्णणापर्यन्तम् (पृ० १-२० पर्यन्तम्)

ग्रन्थप्राप्ति—जैन संस्कृति संरक्षक संघ संतोष-भवन, फलटण गली सोलापुर--२

वर्गः 'ग' महाराष्ट्रीप्राकृतम् अपभ्रंशसाहित्यं च

तृतीयप्रश्नपत्रम् ५०

१. समराइच्चकहा (१ २ भव) २० अंकाः
२. कुवलयमालाकहा (२४२-२६२ अनुच्छेदाः २४५-२४७ वर्जिताः) २० अंकाः
३. गाहासत्तसई (गाथा १-५०) १० अंकाः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५०

१. णायकुमारचरिउ (सन्धि १-२) २० अंकाः
२. जंबूसामिचरिउ (संधि १-२) १० अंकाः
३. सुक्कोसलचरिउ (संधि १-२) १५ अंकाः

वर्गः 'घ' प्राकृतागम-पालिपिटकानि च

तृतीयप्रश्नपत्रम् ५०

१. मूलाचारः (अधिकाराः १, ४, ६, ७) २५ अंकाः
२. णिसीहसुत्तं २५ अंकाः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५०

१. भिक्खुपातिमोक्खं २५ अंकाः
२. महावग्गे चुल्लवग्गो २५ अंकाः

आचार्यद्वितीयखण्डम्

अनिवार्यविषये

प्रथमप्रश्नपत्रम् ५०

(क) पउमचरियं विमलसूरिकृतम् (१-५ सन्धि) २५ अंकाः
(ख) भासकालिदासयोर्नाटकानां प्राकृतांशाः १५ अंकाः
(ग) कर्पूरमंजरी (तृतीयजवनिका) १० अंकाः

द्वितीयप्रश्नपत्रम् ५०

(क) पवयणसारसुत्तं—कुन्दकुन्दाचार्यकृतम् (णाणाहियारो) २५ अंकाः
(ख) सम्मइसुत्तं-सिद्धसेनकृतम् (काण्डं १-२) २५ अंकाः

वैकल्पिके विषये

वर्गः 'क' अर्धमागधीप्राकृतागमाः

तृतीयप्रश्नपत्रम् ५०

(क) भगवई (प्रथमशतकम्) २५ अंकाः
(ख) कल्पसुत्तं (पूर्वपीठिका) २५ अंकाः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५०

(क) विशेषावश्यकभाष्यम् (१-१०० गाथा) २५ अंकाः
(ख) पण्हवागरणाइ (प्रथमश्रुतस्कन्ध-अध्ययनं १-५) २५ अंकाः

वर्गः 'ख' शौरसेनीप्राकृतागमाः

तृतीयप्रश्नपत्रम् ५०

(क) कसायपाहुडसुत्तं (मूलमात्रम्) ३० अंकाः

(ख) परमप्पपयासु-जोगीन्दु (दोहा १-९२) २० अंकाः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५०

(क) गोम्मटसारजीवकाण्डम् (गाथा १-१००) २५ अंकाः

(ख) झाणज्झयणं (ध्यानशतकम्) २५ अंकाः

वर्गः "ग" महाराष्ट्रीप्राकृतम् अपभ्रंशसाहित्यं च

तृतीयप्रश्नपत्रम् ५०

(क) वसुदेवहिंडी (लम्भक ५) २० अंकाः

(ख) वृहत्कथाकोश (कथा १-५) १५ अंकाः

(ग) वज्जालग्गं (वज्जा १-८) १५ अंकाः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५०

(क) पउमचरिउ-स्वयंभूकृतम् (संधि १-२) २० अंकाः

(ख) सुदंसणचरिउ (प्रथम संधि) १५ अंकाः

(ग) धण्णकुमारचरिउ (संधि १-२) १५ अंकाः

वर्गः "घ" प्राकृतागम-पालिपिटकानि च

तृतीयप्रश्नपत्रम् ५०

(क) उत्तराज्झयणं (१-५ अध्ययनानि) २५ अंकाः

(ख) उवासयाज्झयणः वसुनन्दि (गाथा १-१००) २५ अंकाः

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५० अंकाः

(क) दीघनिकाये सामञ्ञफलसुत्तं २५ अंकाः

(ख) भिक्खुणी पातिमोक्खं २५ अंकाः

आचार्यतृतीयखण्डम्

अनिवार्यविषये

प्रथमप्रश्नपत्रम् ५०

(क) समणसुत्तं (सूत्र २, ७, ६, १२) २५ अंकाः

(ख) धम्मपद (गाथा १-१००) २५ अंकाः

द्वितीयप्रश्नपत्रम् ५०

(क) भगवतीशतक (गाथा १-१००) २५ अंकाः

(ख) मूलाचारः (अधिकाराः २,३,५ च) २५ अंकाः

तृतीयप्रश्नपत्रम् ५०

(क) तरंगवई (तरंगलोला) २५ अंकाः

(ख) पाणपंचमीकहा २५ अंकाः

वैकल्पिके विषये

चतुर्थप्रश्नपत्रम् ५०

स्वशास्त्रीयेतिहासः

सहायक-ग्रन्थाः

१. प्राकृत साहित्य का इतिहास—डा० जगदीशचन्द्र जैन

२. जैन आगम साहित्य—देवेन्द्रमुनि शास्त्री

३. जैन साहित्य का वृहद् इतिहास भाग १-२
४. भारतीय संस्कृति के विकास में जैन वाङ्मय का अवदान
—डा० नेमिचन्द्र शास्त्री

पंचमप्रश्नपत्रम् ५०

स्वशास्त्रीयव्युत्पत्तिः

सहायक-ग्रन्थाः

१. तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य परम्परा
—डा० नेमिचन्द्र जैन
२. भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान
—डा० हीरालाल जैन
३. श्रमण ट्रेडीशन —डा० गोविन्दचन्द्र पाण्डेय

चतुर्थ-पंचमप्रश्नपत्रयोः विकल्पे १०० अंकानां लघुशोधनिबन्धः (टंकित १०० पृष्ठेभ्यः अन्यूनः) भविष्यति यस्य विषयः विभागाध्यक्षस्य सम्मत्या निश्चितो भविष्यति।

स्नातकोत्तर प्राकृत प्रमाणपत्रीय परीक्षा नियमावली एवं पाठ्यक्रम

नियमावली

१. प्राकृत प्रमाणपत्रीय इस परीक्षा का नाम स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र (पोस्ट ग्रेजूएट डिप्लोमा इन प्राकृत) होगा।

२. प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम का शिक्षण श्रमणविद्या संकाय के प्राकृत एवं जैनागम विभाग में होगा। इस पाठ्यक्रम में व्यक्तिगत परीक्षार्थी विभागाध्यक्ष की संस्तुति पर ही परीक्षा के लिये अनुमत होंगे।

३. शास्त्री (सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय) अथवा समकक्ष परीक्षोत्तीर्ण विद्यार्थी वरीयता क्रम से प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम में प्रवेश ले सकेगा। स्थान रिक्त होने पर विभागाध्यक्ष की संस्तुति पर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय के किसी भी विषय की स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थी को प्रवेश लेने की अनुमति होगी।

४. यह पाठ्यक्रम एक शिक्षा सत्र का होगा जिसमें ६० से ८० तक पीरियड्स होंगे।

५. इस पाठ्यक्रम की वार्षिक परीक्षा के लिये नियमानुसार आवेदन-पत्र भरना होगा। परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तिथियों एवं कार्यक्रम के अनुसार होगी।

६. इस पाठ्यक्रम का शिक्षण, प्रश्नपत्र एवं परीक्षा का माध्यम हिन्दी होगा। किन्तु परीक्षार्थी संस्कृत अथवा अंग्रेजी में भी उत्तर लिख सकेंगे।

७ इस पाठ्यक्रम में ५०-५० अंकों के कुल चार लिखित प्रश्नपत्र होंगे। परीक्षा में ६०% अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने पर प्रथम श्रेणी तथा ४६% से ५९% तक अंक प्राप्त करने पर द्वितीय श्रेणी दी जायेगी।

८. इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी से शिक्षण-शुल्क नहीं लिया जायेगा, किन्तु प्रवेश शुल्क ५ रु० प्रति छात्र तथा परीक्षा शुल्क ३० रु० प्रति छात्र देय होगा।

पाठ्यक्रम

प्रथमप्रश्नपत्र—प्राकृत भाषा, साहित्य और संस्कृति ५० अंक

(क) प्राकृत भाषाओं का सामान्य परिचय (मागधी, शौरसेनी, महाराष्ट्री) १० अंक

(ख) प्राकृत साहित्य का सामान्य परिचय (आगम, कथा, चरित्र, काव्य, सट्टक) १० अंक

(ग) प्राकृत की परम्परा, इतिहास एव संस्कृति (जनभाषा, महावीर और बुद्ध के उपदेशों की भाषा शिलालेख तथा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मूल्यांकन) १० अंक

(घ) अशोक के गिरनार शिलालेख (१–५) अथवा खारवेल का हाथी गुंफा अभिलेख (सटिप्पण अनुवाद) २० अंक

सहायक पुस्तकें—१. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास—डा० नेमिचन्द्र शास्त्री, प्रकाशक—तारा पब्लिकेशन, कमच्छा वाराणसी।

२. भारतीय संस्कृति में जैनधर्म का योगदान—डा० हीरालाल जैन, मध्य-प्रदेश शासन साहित्य परिषद्, भोपाल।

३. अशोक के शिलालेख—डा० राजबली पाण्डेय, प्र० ज्ञानमण्डल लि०, वाराणसी

४. खारवेल का शिलालेख–डा० क०प्र० जायसवाल नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

द्वितीय प्रश्नपत्र – आगम साहित्य (अर्धमागधी, शौरसेनी) ५० अंक

१. समणसुत्तं (सूत्र नं० १०, १२, १३, १४) १५ अंक

२. अर्हतप्रवचन (पाठ ६, १०, ११, १२) १५ अंक

३. भाषागत विशेषताएं १० अंक

४. पठित ग्रन्थों का मूल्यांकन १० अंक

सहायक पुस्तकें—१. प्राकृत मार्गोपदेशिका – पं० बेचरदास दोशी

२. जैन साहित्य का वृहद इतिहास, भाग–१ – पं० दलसुख मालवणिया

तृतीयप्रश्नपत्र—काव्य, व्याकरण और अनुवाद ५० अंक

(क) काव्य –पउमचरियं – विमलसूरि (१६ वां अध्ययन) १५ अंक
सिरिसिरिवालकहा—रत्नशेखर (३७-१२६ गाथा)

(ख) कथाएं (प्राकृत स्वयं शिक्षक, कथा २, ५, ६, ८, १०) १० अंक

(ग) व्याकरण (शब्द, सर्वनाम, क्रियारूप, कृदन्त, कर्मणि-प्रयोग) १५ अंक

(घ) अनुवाद (हिन्दी से प्राकृत में) १० अंक

सहायक पुस्तकें—१. प्राकृत स्वयं शिक्षक – डा० प्रेमसुमन जैन प्रकाशक—प्राकृत ग्रन्थ भारती, जयपुर

२. प्राकृत प्रबोध—डा० नेमिचन्द्र शास्त्री

३. हेमशब्दानुशासन (प्राकृत व्याकरण—तृतीयपाद)

४. प्राकृत प्रवेशिका—डा० कोमलचन्द्र जैन
प्रकाशक—तारा पब्लिकेशन्स, वाराणसी।

चतुर्थपत्र—नाटक, अपभ्रंशकाव्य एवं लघुनिबन्ध ५० अंक

(क) १. नाटकों के प्राकृत अंश २० अंक

२. मृच्छकटिकम् (अंक ६ प्रवेशक)

३. कर्पूरमंजरी (जवनिका तृतीय)
(सटिप्पण, व्याख्या)

(ख) पउमचरिउ—स्वयंभू (२१, २२ सन्धि) १० अंक

(ग) पठित ग्रन्थ और ग्रन्थकारों का सामान्य परिचय १० अंक

(घ) लघुनिबन्ध (१५-२० पंक्तियों तक का प्राकृत में परिचयात्मक निबन्ध) १० अंक

सहायक पुस्तकें

१. पालि-प्राकृत-अपभ्रंश संग्रह – रामअवध पाण्डे
(विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)

२. अपभ्रंश काव्य धारा – डा० जैन एवं शर्मा
(सरस्वती पुस्तक भण्डार अहमदाबाद)

जैनदर्शनम्

पाठ्यक्रमः

१९८४ वर्षीयपरीक्षातः अस्य विश्वविद्याल स्य जैनदर्शनविषयक-पूर्वमध्यमायाः प्रथमद्वितीयखण्डयोः उत्तरमध्यमायाश्च प्रथमद्वितीयखण्डयोः "क" वर्गीयपरीक्षाः—निम्नलिखितपाठ्यक्रमानुसारं भविष्यन्ति।

पूर्वमध्यमापरीक्षा

वैकल्पिक विषयः "क" वर्गान्तर्गतस्य विषयाणां चतुर्दश (१४) क्रमे "जैनदर्शनम्" इति विषयस्य समायोजनं भविष्यति।

पूर्वमध्यमाप्रथमखण्डम्

वैकल्पिकविषयः ("क" वर्गः)

जैनदर्शनम्

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

रत्नकरण्डकम् (स्वामीसमन्तभद्रकृतः)

व्याख्या २०

विषयपरिचयः २०

ग्रन्थकर्तुः परिचयः १०

ग्रन्थप्राप्तिः १. वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट, डुमरावबाग कालोनी, अस्सी, वाराणसी।

२. सरल जैन ग्रन्थमाला, जवाहरगंज जबलपुर (म. प्र.)।

पूर्वमध्यमाद्वितीयखण्डम्

वैकल्पिकविषयः ("क" वर्गः)

जैनदर्शनम्

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

परीक्षामुखसत्रम् (माणिक्यनन्दिप्रणीतम्)

व्याख्या २०

विषयपरिचयः २०

ग्रन्थकर्तुः परिचयः १०

उत्तरमध्यमा परीक्षा

उत्तरमध्यमाप्रथमखण्डम्

वैकल्पिक विषयः ("क" वर्गः)

जैनदर्शनम्

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

वृहद्द्रव्यसंग्रहः (नेमिचन्द्राचार्यविरचितः) ब्रह्मदेवविनिर्मितवृत्ति-सहितः

ग्रन्थप्राप्तिः—परमश्रुत प्रभावक मण्डल, अगास, पोस्ट बोरीआ (आणंद-गुजरात)

अथवा

चरित्तपाहुड (कुन्दकुन्दाचार्यविरचितः)

व्याख्या २०

विषयपरिचयः २०

ग्रन्थकर्तुः परिचयः १०

पंचमं प्रश्नपत्रम् ५०

न्यायदीपिका (धर्मभूषणयतिविरचिता)

ग्रन्थप्राप्तिः—वीर सेवा मंदिर, २१ दरियागंज, दिल्ली–२

व्याख्या— २०

विषयपरिचयः २०

ग्रन्थकर्तुः परिचयः १०

उत्तरमध्यमाद्वितीयखण्डम्

वैकल्पिकविषयः ("क" वर्गः)

जैनदर्शनम्

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) प्रमेयकण्ठिका (शान्तिवर्णी विरचिता) ३०

ग्रन्थप्राप्तिः—वीर सेवा मंदिर ट्रस्ट, डुमरावबाग

(ख) भिक्षुन्यायकर्णिका २०

ग्रन्थप्राप्तिः—आदर्श साहित्य संघ, चुरू (राजस्थान)

व्याख्या २०

विषयपरिचयः ३०

पंचमं प्रश्नपत्रम् ५०

तत्त्वार्थसूत्रम् मूलमात्रम् (उमास्वामिकृतम्)

व्याख्या २०

विषयपरिचयः २०

ग्रन्थकर्तुः परिचयः १०

१९८४ वर्षीयपरीक्षातः अस्यविश्वविद्यालयस्य जैनदर्शनविषयक शास्त्रिप्रथमद्वितीयखण्डयोः आचार्यप्रथमद्वितीयतृतीयखण्डानां च परीक्षाः निम्नलिखितपाठ्यक्रमानुसारं भविष्यन्ति ।

शास्त्रिपरीक्षा

वैकल्पिको विषयः "क" वर्गः

जैनदर्शनम्

शास्त्रिपरीक्षाप्रथमखण्डम्

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ७०

(क) प्रमेयरत्नमाला—लघु अनन्तवीर्य विरचिता ४०

प्रकाशकः—चौखम्बा विश्व भारती, चौक, वाराणसी

(ख) प्रमाणमीमांसा प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निकमात्रम् ३०

प्रकाशकः (१) त्रिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षाबोर्ड, बुरुडगांव रोड, अहमदनगर ।

(२) सिन्घी जैन ग्रन्थमाला, अहमदाबाद ।

पंचमं प्रश्नपत्रम् : ७०

पुरुषार्थसिद्ध्युपायः—अमृतचन्द्राचार्यः;

प्रकाशकः—परमश्रुत प्रभाव मण्डल, अगास, बोरिया, वाया–आणंद (गुजरात)

षष्ठं प्रश्नपत्रम् : ६०

सर्वार्थसिद्धिः सत्संख्यासूत्रवर्जिता, १, २, ५ अध्यायाः;

प्रकाशकः—भारतीय ज्ञानपीठ, बी० ४५–४७ कनाट प्लेस, नयी दिल्ली-१

सहायकग्रन्थाः १. तत्त्वार्थसूत्र—सं० पं० सुखलाल संघवी

२. तत्त्वार्थाधिगमभाष्य—सं० पं० खूबचन्द जैन

३. तत्त्वार्थसूत्र—सं० पं० कैलाशचन्द शास्त्री

४. तत्त्वार्थसूत्र—सं० पं० फूलचन्द शास्त्री

५. सर्वार्थसिद्धिः (संक्षिप्ता) सं० पं० चैनसुखदास

शास्त्रिपरीक्षायाः द्वितीयखण्डम्

वैकल्पिको विषयः "क" वर्गः

जैनदर्शनम्

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ७०

आप्तपरीक्षा—आचार्यः विद्यानन्दः

प्रकाशकः—श्री वीर सेवा मन्दिर, २१ दरियागंज, नई दिल्ली-२.

अथवा

सत्यशासन-परीक्षा

प्रकाशकः—भारतीय ज्ञानपीठ, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-१

पंचमं प्रश्नपत्रम् ७०

स्याद्वाद मंजरी—मल्लिषेण सूरिः

प्रकाशकः—परमश्रुत प्रभावक मण्डल, श्रीमद्राजचन्द्र आश्रम, अगास, पोस्ट बोरिया, आणंद (गुजरात)

षष्ठं प्रश्नपत्रम् ६०

जैनदर्शनेतिहासः

सहायकग्रन्थाः—

१. जैन दर्शन—डा० महेन्द्रकुमार जैन, प्रकाशक—वर्णी ग्रन्थमाला सन्मति जैन निकेतन, नरिया, वाराणसी—५.
२. जैन धर्म—पं० कैलाशचन्द्र शास्त्री
प्रकाशक—दि० जैन संघ, चौरासी, मथुरा (उ०प्र०)
३. अकलङ्कग्रन्थत्रयाः प्रस्तावना—डा० महेन्द्रकुमार जैन
प्रकाशकः—सिंघी जैन ग्रन्थमाला, अहमदाबाद ।
४. न्यायावतारवार्तिकवृत्तेः प्रस्तावना—पं० दलसुख मालवणिया
५. जैनदर्शन और प्रमाणशास्त्रपरिशीलन—डा० दरबारीलाल कोठिया
प्रकाशक—वीर सेवा मन्दिर ट्रस्ट डुमराव बाग, अस्सो, वाराणसी—५.
६. भारतीय संस्कृति के विकास में जैन धर्म का योगदान
—डा० हीरालाल जैन, प्रकाशक—मध्यप्रदेश शासन साहित्य परिषद्, भोपाल (म० प्र०)

आचार्यपरीक्षा

जैनदर्शनम्

विशेष—अस्यां जैनदर्शनाचार्यपरीक्षायां विषयाणां द्विविधो विभागो वर्तते, यथा १—अनिवार्यविषयः, २—वैकल्पिकविषयश्च । तत्र षट् पत्राण्यनिवार्यविषयस्य भविष्यन्ति । अवशिष्टेषु निम्नांकिताः चतुः वैकल्पिकवर्गाः भविष्यन्ति । परीक्षार्थिभिस्तत्रैको वर्गो ग्राह्यः । यथा—

वैकल्पिकवर्गाः

१. जैनदर्शनम् (जैनतत्त्वज्ञानम्—जैन मेटाफिजिक्स)
२. जैनन्यायः (जैनज्ञान-प्रमाण-मीमांसा—जैन एपिस्टिमोलॉजी एण्ड लॉजिक)
३. जैन-आचारशास्त्रम् (जैन एथिक्स)
४. तुलनात्मकमध्ययनम् (जैन-बौद्धदर्शनयोः तुलनात्मकमध्ययनम्)

आचार्यपरीक्षाप्रथमखण्डम्

जैनदर्शनम्

अनिवार्यविषये—

प्रथमं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) सन्मतितर्कः प्रथमद्वितीयकाण्डम्,
प्रकाशकः—१. डा० देवेन्द्रकुमार जैन, २४३ शिक्षक कालोनी, नीमच (म. प्र.)
२. ज्ञानोदय ट्रस्ट, अहमदाबाद ।

(ख) तत्त्वार्थवार्तिकस्य चतुर्थाध्यायस्य अंतिमं सूत्रम् ।
प्रकाशक—भारतीय ज्ञानपीठ, कनाटप्लेस, नई दिल्ली-१

द्वितीयं प्रश्नपत्रम् ५०

प्रमेयकमलमार्तण्डस्य प्रथमपरिच्छेदः
प्रकाशकः—१. निर्णय सागर प्रेस, २६-२८, कालगढ़ स्ट्रीट, बम्बई
२. जैन टेरीटेबुल ट्रस्ट, २१४ अन्सारी रोड, दरियागंज दिल्ली-६

वैकल्पिकविषये

वर्गः—१-जैनदर्शनम् (जैन तत्त्वज्ञानम्—जैन मेटाफिजिक्स)

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) समयसारः कुन्दकुन्दाचार्यकृतः ३०

(अधिकाराः १, ३, ८) ग्रन्थप्राप्तिः—दि० जैन स्वाध्याय मंदिर ट्रस्ट, सोनगढ़ (सौराष्ट्र) एवं श्री गणेश वर्णी दि० जैन संस्थान नरिया, वाराणसी ५.

(ख) परमात्मप्रकाशः—योगीन्दुदेवविरचितः (दोहा १-६२) २०

प्रकाशकः—परमश्रुत प्रभावक मण्डल, श्रीमद्राजचन्द्र आश्रम, स्टेशन अगास व्हाया आणंद (गुजरात)

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

शास्त्रवार्तासमुच्चयः हरिभद्रसूरिविरचितः

प्रकाशक— १. लालभाई, दलपतभाई संस्कृति विद्या मंदिर, अहमदाबाद-९.

२. दिव्य दर्शन ट्रस्ट, ६८, गुलालवाड़ी, बम्बई-४.

३. श्री विजयलावण्यसूरीश्वर ज्ञान मंदिर, पो० आ० बोटाद (सौराष्ट्र)

वर्गः २ जैनन्यायः (जैनज्ञान-प्रमाण-मीमांसा, जैन एपिस्टिमोलॉजी एण्ड लॉजिक)

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

विश्वतत्त्वप्रकाशः—भावसेन त्रैविद्यदेव विरचितः

प्रकाशकः—जैन संस्कृति संरक्षक संघ, संतोष-भवन, सोलापुर-२

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

न्यायावतारः—प्रकाशकः— १. श्रीमद् राजचंद्र जैन आश्रम, अगास, पोस्ट बोरिया, वाया आणंद (गुजरात)

२. प्राकृत शोध संस्थान, वैशाली (बिहार) का बुलेटिन सं० १,

३. जैन साहित्य विकास मण्डल ११२, स्वामी विवेकानन्द रोड, विले पारले, बम्बई-५६.

अथवा

जैनतर्कभाषा—यशोविजयविरचिता,

प्रकाशकः—सिंघी जैन ग्रन्थमाला अहमदाबाद।

२. मोतीलाल बनारसीदास, चौक, वाराणसी

वर्गः ३-जैन-आचारशास्त्रम् (जैन एथिक्स)

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) उपासकाध्ययनम्-सोमदेवसूरिकृतकथांशवर्जिता १-४ तथा २१-४६ कल्पपर्यन्तम् ३०

प्रकाशकः—भारतीय ज्ञानपीठ, बी ४५-४७ कनाटप्लेस, नई दिल्ली-१.

(ख) उवासगदसाओ (प्रथमाध्ययनमात्रम्) २०

प्रकाशकः—श्री आगमप्रकाशन समिति जैन स्थानक, पीपलिया बाजार, ब्यावर (राजस्थान)

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) अनगारधर्मामृतम् पं० आशाधरकृतम् (४, ५, ८, ९ अध्यायाः) २५

(ख) उत्तराध्ययनसूत्रम् (१, २, ४, ६, अध्ययनानि) २५

प्रकाशक—१ वीरायतन, राजगृह (बिहार)
२. जैन विश्व भारती, लाडनूं (राज०)

वर्गः ४-तुलनात्मकमध्ययनम् (जैन-बौद्धदर्शनयोः तुलनात्मकमध्ययनम्)

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) समणसुत्तं (सूत्र १, ७, ९ १२) २५

प्रकाशक—सर्वसेवा संघ, राजघाट, वाराणसी ।

(ख) धम्मपदं (गाथाः १-१००) २५

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) तत्त्वार्थसूत्रम् (१, २, ५ अध्यायाः) २५

(ख) अभिधम्मत्थसंगहो [१-४ परिच्छेदाः] २५

प्रकाशकः—सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ।

आचार्यपरीक्षाद्वितीयखण्डम्

जैनदर्शनम्

अनिवार्यविषये ५०

प्रथमं प्रश्नपत्रम्

(क) प्रवचनसारस्य ज्ञानाधिकारः २५

(ख) सूत्रकृताङ्गप्रथमश्रुतस्कन्धस्य प्रथमाध्ययनम् २५

सहायकग्रन्थः—प्रवचनसारस्य प्रस्तावना—डा० ए. एन. उपाध्ये

ग्रन्थप्राप्तिः—परमश्रुतप्रभावक मण्डल, अगास, पोस्ट बोरिया वाया आनंद (गुजरात)

द्वितीयं प्रश्नपत्रम् ५०

न्यायकुमुदचन्द्रस्य प्रमाणप्रवेशे द्वितीयो परिच्छेदः

सहायकग्रन्थाः— १. सिद्धिविनिश्चयटीकायः प्रस्तावना
—डा० महेन्द्रकुमार जैन
२. न्यायकुमुदचन्द्रस्य प्रस्तावना
—पं० कैलाशचंदशास्त्री

वैकल्पिकविषये

वर्गः १ जैनदर्शनम् (जैन तत्त्वज्ञानम्—जैन मैटाफिजिक्स)

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

पञ्चास्तिकायः—कुन्दकुन्दाचार्यः, प्रकाशकः—परमश्रुत प्रभावक मण्डल, अगास पोस्ट बोरिया (गुजरात) ।

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

गोम्मटसारस्य जीवकाण्डम्

प्रकाशकः— १. परमश्रुत प्रभावक मण्डल, श्रीमद्राजचन्द्र आश्रम, अगास, पोस्ट बोरिया वाया आणंद (गुजरात)।

२. भारतीय ज्ञानपीठ, बी. ४५-४७ कनाटप्लेस, नई दिल्ली-१.

वर्गः २ जैनन्यायः (जैनज्ञान-प्रमाणमीमांसा)

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

प्रमाणसंग्रहः अकलंककृतः

प्रकाशकः—सिंघी जैन ग्रन्थमाला, अहमदाबाद।

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

प्रमेयकमलमार्तण्डः द्वितीयो परिच्छेदः

प्रकाशकः— १. निर्णयसागर प्रेस, २६-२८ आलमट स्ट्रीट, बम्बई

२. लाला मुसद्दीलाल जैन चैरीटेबल ट्रस्ट, २।४ अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली-६.

वर्गः ३ जैन-आचारशास्त्रम् (जैन एथिक्स)

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) आचाराङ्गम् प्रथमश्रुतस्कन्धे अष्टमविमोक्षनामकमध्ययनम् तथा द्वितीयश्रुतस्कन्धे प्रथमपिण्डैषणानामकमध्ययनम्। २५

(ख) मूलाचारः—वट्टकेराचार्यकृतः १, ४, ६, ७, अधिकाराः २५

ग्रन्थप्राप्तिः—

१. माणिकचंद ग्रन्थमाला, हीराबाग, गिरगाँव, बम्बई

२. श्रुतभण्डार एवं ग्रन्थ प्रकाशन समिति, फलटण (महाराष्ट्र)

३. मूलाचार का समीक्षात्मक अध्ययन—डा० फूलचंद जैन पार्श्वनाथ विद्याश्रम, आई० टी० आई० रोड, वाराणसी-५

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) दशवैकालिकम् १-५ अध्ययनानि २५

(ख) प्रवचनसारस्य—चारित्राधिकारः २५

प्रकाशकः—१. परमश्रुत प्रभावक मण्डल, अगास, वाया आणंद (गुजरात)

२. जैन स्वाध्याय मंदिर, ट्रस्ट सोनगढ़ (सौराष्ट्र)

वर्गः ४ तुलनात्मकमध्ययनम् (जैन-बौद्धदर्शनयोः तुलनात्मकमध्ययनम्)

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) दीघनिकायस्य सामञ्ञफलसुत्तं २५

(ख) उत्तराध्ययनसूत्रम् १, ४, ६, ७, अध्ययनानि २५

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) मूलाचारः—आचार्य वट्टकेरकृतः (१, ४, ६, ७, अधिकाराः) २५

(ख) भिक्खु पातिमोक्खं

१. आलोक प्रकाशन, नागपुर

२. बौद्ध भारती, वाराणसी

आचार्यतृतीयखण्डम्

जैनदर्शनम्

अनिवार्यविषये

प्रथमं प्रश्नपत्रम्

षड्दर्शनसमुच्चयः—हरिभद्रसूरिः, प्रकाशकः—भारतीय ज्ञानपीठ, बी. ४५-४७, कनाट-प्लेस, नई दिल्ली-१.

अथवा

सर्वदर्शनसंग्रहस्य आदितः षड्दर्शनानि

द्वितीयं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) अष्टसहस्री-विद्यानन्दकृता तृतीयकारिकावर्जिताअष्टमकारिका-पर्यन्तम् ३०

प्रकाशकः— १. त्रिलोक शोध संस्थान, हस्तिनापुर (उ. प्र.)
२. रामचंद नाथारंग गांधी, अकलूज (सोलापुर)

(ख) आप्तमीमांसा समन्तभद्रकृता मूलमात्रम् २०

प्रकाशकः—वीरसेवामंदिर ट्रस्ट, डुमरावबाग, अस्सी, वाराणसी

सहायकग्रन्थाः—

१. आप्तमीमांसा तावदीपिका-पं० उदयचंद जैन,
प्रकाशक—वर्णी दि० जैन संस्थान, नरिया, वाराणसी-५.

२. आप्तमीमांसा—सं० पं० मूलचंद शास्त्री

वैकल्पिकविषये

वर्गः १ जैनदर्शनम् (जैनतत्त्वज्ञानम्-जैनमेटाफिजिक्स)

तृतीयं प्रश्नपत्रम्

तत्त्वार्थश्लोकवार्तिकम्—विद्यानंदिस्वामिविरचितम्
(प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निकम्)

प्रकाशक—१. आचार्य कुंथुसागर ग्रन्थमाला, सोलापुर (महाराष्ट्र)
२. गांधीनाथारंग जैन ग्रंथालय, पो०मांडवी, बम्बई।

चतुथ प्रश्नपत्रम् ५०

स्वशास्त्रीयेतिहासः

सहायक ग्रन्थाः—

१. स्टेडीज इन जैन फिलासोफी—डा० नथमल भाटिया
२. जैनदर्शन मनन और मीमांसा— मुनि नथमलजी
प्रकाशक—आदर्श साहित्य संघ, चुरू [राजस्थान]
३. जैन दर्शन—डा० महेन्द्रकुमार जैन
४. सिद्धिविनिश्चयटीकायाः प्रस्तावना—डा० महेन्द्रकुमार जैन।
५. दर्शन और चिन्तन—पं० सुखलाल संघवी
६. जैन-धर्म-दर्शन—डा० मोहनलाल मेहता
७. जैन-साहित्य का इतिहास भाग-१ —पं० कैलाशचन्द शास्त्री
८. तीर्थंकर महावीर और उनकी आचार्य परम्परा
—डा० नेमिचन्द्र शास्त्री भाग १-४

पंचमं प्रश्नपत्रम् ५०

स्वशास्त्रीयव्युत्पत्तिः

विशेष—चतुर्थपंचमप्रश्नपत्रयो: स्थाने छात्र: विभागाध्यक्षस्य निर्देशानुसारं टंकितशतपृष्ठान्यूनात्मकम् एकं गवेषणात्मकं निबंधं लेखितुं शक्नोति। निबंधमावृत्य मौखिकपरीक्षापि भविष्यति।

वर्ग: २ जैनन्याय: (जैनज्ञानप्रमाण-मीमांसा)

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

अष्टसहस्री (६–२६ कारिका पर्यन्तम्)

प्रकाशक:—श्री त्रिलोकशोध संस्थान, हस्तिनापुर (मेरठ, उ० प्र०)

२. गांधी नाथारंगजैन ग्रन्थमाला (निर्णयसागर प्रेस) अकलूज (सोलापुर)

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् ५०

स्वशास्त्रीयेतिहास:

सहायक-ग्रन्था:

१. जैन न्याय—पं० कैलाशचन्द शास्त्री
२. जैन तर्कशास्त्र में अनुभाग प्रमाण—डा० दरबारीलाल कोठिया
३. जैनदर्शन और प्रमाणशास्त्र परिशोलन— „
४. दा जैन थ्योरी आफ परसेप्सन—डा० पुष्पा बोथरा
५. भारतीय दर्शन में अनुमान—डा० ब्रजनारायण शर्मा
६. जैन न्याय का विकास—मुनि नथमल
७. हिस्ट्री आफ इण्डियन लाजिक—डा० सतीशचन्द विद्याभूषण
८. नानएवस्यूलूटिज्म सतकारी मुखर्जी
९. स्टेडीज इन जैन फिलासोफी—नथमल टाटिया

पंचम प्रश्नपत्रम् ५०

स्वशास्त्रीयव्युत्पत्ति:

विशेष : चतुर्थपंचमपत्रयो: स्थाने छात्र: विभागाध्यक्षस्य निर्देशानुसारं टंकितशतपृष्ठान्यूनात्मकम् एकं गवेषणात्मकं निबंधं लेखितुं शक्नोति। निबन्धमावृत्य मौखिकपरीक्षापि भविष्यति।

वर्ग: ३ जैन आधारशास्त्रम् (जैन एथिक्स)

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

भगवती—आराधना—शिवार्यकृत: (४४२ गाथा पर्यन्तम्)

प्रकाशक—१. जीवराज जैन ग्रन्थमाला, सोलापुर

२. वीर प्रेस, मनिहारों का रास्ता, जयपुर–३

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् ५०

स्वशास्त्रीयेतिहास:

सहायक ग्रन्था:

१. जैनाचार—डा० मोहनलाल मेहता
२. जैन एथिक्स—डा० दयानन्द भार्गव
३. जैन व्यू आफ लाईफ—डा० टी. जी. कलघटगी
४. एथिकल डाक्ट्रिन्स आफ जैनिज्म—डा० कमलचन्द सोमानी
५. जैन वे आफ प्यूरिफिकेशन– डा० पी. एस. जैना
६. श्रावकाचार संग्रह भाग ४—प्रस्तावना सं० पं० हीरालाल सिद्धान्तशास्त्री प्रकाशक—श्रुत भण्डार एवं ग्रन्थ प्रकाशन, समिति. फलटण (महाराष्ट्र)
७. स्टेडीज इन जैन फिलासोफी—डा० नथमल टाटिया
८. मूलाचार का समीक्षात्मक अध्ययन—डा० फूलचन्द्र जैन

पंचमं प्रश्नपत्रम् ५०

स्वशास्त्रीयव्युत्पत्ति:

विशेष : चतुर्थपंचमप्रश्नपत्रयोः स्थाने छात्रः विभागाध्यक्षस्य निर्देशानुसारं टंकितशतपृष्ठान्यूनात्मकम् एकं गवेषणात्मकं निबंधं लेखितुं श्वनोति । निबंधमाधृत्य मौखिकपरीक्षापि भविष्यति ।

आचार्यतृतीयखण्डम्

वैकल्पिक-विषये

वर्गः ४ तुलनात्मकमध्ययनम् (जैन-बौद्ध दर्शनयोः तुलनात्मकमध्ययनम्)

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) प्रमाणसंग्रहः अकलंककृतः २५

(ख) प्रमाणवार्तिकधर्मकीर्तिकृतः तृतीयपरिच्छेदमात्रम् २५

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

स्वशास्त्रीयेतिहासः

सहायक ग्रन्थाः—

१. आगम और त्रिपिटक एक अनुशीलन—मुनि नागराज

२. जैन न्याय—पं० कैलाश चन्द्र शास्त्री

३. भारतीय संस्कृति के विकास में जैन वाङ्मय का अवदान, भाग १, २—डा० नेमिचन्द शास्त्री

प्रकाशकः—अ० भा० दि० जैन विद्वत् परिषद्, सागर

४. हिस्ट्री आफ इण्डियन लॉजिक-सतकारी मुखर्जी

पंचमं प्रश्नपत्रम् ५०

स्वशास्त्रीयव्युत्पत्तिः

विशेषः चतुर्थपंचमप्रश्नपत्रयोः—स्थाने छात्रः विभागाध्यक्षस्य निर्देशानुसारंटंकित शतपृष्ठान्यूनात्मकं एकं गवेषणात्मकं निबन्धं लेखितुं शक्नोति। निबन्धमाधृत्य मौखिकपरीक्षापि भविष्यति।

पुराणेतिहासः

"क" वर्ग

उत्तरमध्यमा द्वितीयवर्ष

पंचमपत्रम् : (१) पूर्ववत् २५ अंक

(२) प्राचीन भारतस्येतिहास (महाजन-पदकालतः ३२० ई० पूर्व पर्यन्तम्) २५ अंक

शास्त्री प्रथम वर्ष

पंचमपत्रम् : (क) श्रीमद्भागवतस्य द्वितीयस्कन्धः ४० अंक

(ख) मार्कण्डेयपुराणान्तर्गत दुर्गासप्तशती भागः ३० अंक

षष्ठपत्रम् : प्राचीन भारतस्येतिहासः (३२० ई० पूर्वतः ७५० ई० पर्यन्तम्) ५० अंक

सहायकग्रन्था : पूर्ववत्

शास्त्री द्वितीयवर्ष

चतुर्थपत्रम् : श्रीमद्-भागवतस्य तृतीयस्कन्धः ७० अंक

पंचमपत्रम् : (क) कल्कि पुराणम् ७० अंक

(ख) महाभारतस्यादिपर्वणि ६० अध्यायतः अवशिष्ट भागः

षष्ठपत्रम् : प्राचीनभारतस्येतिहासः (७५० ईसवीतः १२५० ई० पर्यन्तम्) ६० अंक

सहायक ग्रन्थ : पूर्ववत्

"ख" वर्ग

शास्त्री प्रथमवर्ष

इतिहास-पुराण

सप्तम् प्रश्नपत्रम् : (क) विष्णुपुराण का प्रथम अंश २५ अंक
(ख) महाभारत का आदिपर्व १–२० अध्याय २५ अंक

अष्टमप्रश्नपत्रम् (क) प्राचीन भारत का सांस्कृतिक इतिहास (३२० ई० पूर्व तक) २५ अंक
(ख) महाभारत के राजनयिक पात्र
(ग) विष्णुपुराण का वंशानुचरित
(घ) पौराणिक कथाएं

सहायकग्रन्थाः—

१. भारतीय संस्कृति—शिवदत्त ज्ञानी
२. भारतीय संस्कृति का इतिहास—रतन प्रकाशन मंदिर, आगरा
३. रामायणकालीन संस्कृति—शान्तिकुमार नानूराम व्यास
४. भारत का सांस्कृतिक इतिहास—हरदत्त वेदालंकार
५. भारतीय संस्कृति और उसका इतिहास—सत्यकेतु विद्यालंकार
६. प्राचीन भारतीय संस्कृति—वी० एम० सूनिया
७. विष्णुपुराण का भारत—सर्वदानन्द पाठक

शास्त्री द्वितीयवर्ष

सप्तम् पत्रम् : प्राचीन भारतीय साहित्य एवं समाज
(क) वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय
(ख) पुराणवाङ्मय का सामान्य परिचय
(ग) प्राचीन भारतीय समाज
(वर्ण एवं जाति, आश्रम, संस्कार, परिवार एवं विवाह)

सहायक ग्रन्थ:

१. वैदिक साहित्य का इतिहास—डा० पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा वाराणसी।
२. प्राचीन भारतीय साहित्य भाग १–२ : विन्टरनिट्ज
३. महाभारतकालीन शिक्षा–डा० नाथूलाल गुप्त
४. पौराणिक धर्म एवं समाज–सिद्धेश्वरी नारायण राय
५. हिन्दू संस्कार–डा० राजबली पाण्डेय
६. हिन्दू परिवार मीमांसा—हरदत्त विद्यालंकार
७. अष्टादशपुराण परिचय–डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी

अष्टम् पत्रम् : प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति एवं दर्शन ५० अंक
(क) प्राचीन भारत का सांस्कृतिक इतिहास ३२० ई० पू० से हर्षकाल तक
(ख) पौराणिक आख्यान
(ग) भारतीय दर्शन
अर्वाचीन दर्शन—राजा राममोहन राय, रामकृष्ण, महर्षि रमन, विवेकानन्द, अरविन्द, कृष्णचन्द्रभट्टाचार्य, महात्मा गांधी, एवं राधाकृष्णन्।

सहायक ग्रन्थः

१. भारतीयकला—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल

२. भारतीय दर्शन—डा० पारसनाथ द्विवेदी—श्रीराम मेहरा एण्ड कं०, आगरा।

३. प्राचीन भारतीय संस्कृति-वी० एम० लूनिया

४. भारत का सांस्कृतिक इतिहास—हरदत्त वेदालंकार

५. भारतीय संस्कृति–शिवदत्त ज्ञानी

आचार्य प्रथम वर्ष

तृतीयप्रश्नपत्रम् गर्ग संहिता ५०

(विशेषः काशी रहस्य उपलब्ध न होने से पाठ्यक्रम से निकाल दिया गया)

चतुर्थप्रश्नपत्रम्: प्राचीनभारतस्य राजनैतिकं सांस्कृतिकश्चेतिहास ५०

(आदितः ५५० ई० पर्यन्तम्)

सहायक-ग्रन्थ :

१. प्राचीन भारत का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास—डा० विमलचन्द पाण्डेय

२. प्राचीन भारतीय संस्कृति का इतिहास—रतन प्रकाशन मंदिर आगरा

३. भारतस्य सांस्कृतिक निधि—डा० रामजी उपाध्याय

४. प्राचीन भारत का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास—हरदत्त वेदालंकार

५. उत्तरी भारत का राजनैतिक इतिहास—विशुद्धानन्द पाठक

आचार्य द्वितीय वर्ष

चतुर्थप्रश्नपत्रम्: प्राचीनभारतस्यराजनैतिक सांस्कृतिकेतिहासः
(५५० ईसवीतः १२०० ई० पर्यन्तम्)

सहायक ग्रन्थः

१. प्राचीन प्रारत का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास—डा० विमलचन्द पाण्डेय

२. राजपूत वंश का इतिहास – अवधबिहारी लाल अवस्थी

३. हर्ष और उनका युग—वी. एन. शर्मा

४. कन्नौज का इतिहास—आर. एस. त्रिपाठी

५. परमार राजवंश का इतिहास—डी. सी. गांगुली

६. वृहत्तर भारत – सत्यकेतु विद्यालकार

७. प्राचीन भारत का राजनैतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास—हरदत्त वेदालंकार

८. भारतस्य सांस्कृतिकनिधिः—डा० रामजी उपाध्याय

९. उत्तर भारत का राजनैतिक इतिहास—विशुद्धानन्द पाठक

आचार्य तृतीय वर्ष

पुराणेतिहासाचार्यपरीक्षायां तृतीयवर्षे अधोलिखितवैकल्पिकवर्गा भविष्यन्ति। परीक्षार्थिभिस्तत्रैको ग्राह्यः।

वैकल्पिक वर्गाः

वर्ग (क)—पुराणम्

वर्ग (ख)—प्राचीनभारतीयेतिहासः

वर्ग (ग)—भारतीय संस्कृतिः पुरातत्त्वञ्च

(क) वर्ग पुराणम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम्: वामनपुराणम् ५०

विशेष--अग्निपुराण और काशीखण्ड अनुपलब्ध होने से पाठ्यक्रम से निकाल दिया गया है।

तृतीयप्रश्नपत्रम्: (क) श्रीमद्भागवतस्य पंचम स्कन्धः ३० अंक

(ख) भारतीयदर्शनशास्त्रस्येतिहासः २० अंक

पाठ्य ग्रन्थाः—

१. श्रीमद्भागवतम्—गीता प्रेस, गोरखपुर

२. भारतीय दर्शनम् (षड्दर्शन)—डा० पारसनाथ द्विवेदी, —श्रीराम मेहरा एण्ड कं०, आगरा

३. भारतीय दर्शन—डा० राधाकृष्णन्

चतुर्थप्रश्नपत्रम्: स्वशास्त्रीयेतिहासः

(क) पुराणवाङ्मयस्य परिचयः

(ख) पौराणिक राजवंशानुकीर्त्तनम्

(ग) रामायणमहाभारतयोरनुशीलनम्

सहायक ग्रन्थाः—

१. पुराणपर्यालोचनम्—डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी

२. पुराण विमर्श—बलदेव उपाध्याय

३. पौराणिकराजवंशानुकीर्त्तनम्—डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी

४. प्राचीन भारतीय साहित्य, भाग—१—विन्टर निट्ज

५. इतिहास-पुराण परिशीलनम्—डा० कुंवरलाल

पंचमप्रश्नपत्रम्: विभागाध्यक्षस्यानुमत्या लघुशोधप्रबन्धलेखनम् शोध-प्रबन्धमाश्रित्य मौखिकपरीक्षापि भविष्यति।

अथवा

स्वशास्त्रीयव्युत्पत्तिः

(ख) वर्ग प्राचीनभारतीयेतिहासः

प्रथमप्रश्नपत्रम्: (क) महाभारत का सामान्य परिचय

(ख) महाभारत का समय

(ग) महाभारत के पात्रों का ऐतिहासिक परिचय

(घ) महाभारत कालीन धर्म, समाज एवं संस्कृति

(ङ) कुरु-पाण्डव युद्ध या भारत युद्ध

(च) महाभारत के ऐतिहासिक आख्यान

(छ) महाभारत का लोक राज्य-व्यवस्था

सहायक ग्रन्थः—

१. प्राचीन भारतीय साहित्य, भाग २—विन्टर नट्ज

२. महाभारत कथा—चक्रवर्ती राजगोपालाचारी

३. महाभारत में धर्म—शकुन्तला शर्मा

४. महाभारत में नारी—वनमाला भवालकर

५. महाभारत की समालोचना—सातवेलकर

६. महाभारत कालीन राज्य-व्यवस्था

७. महाभारत

द्वितीयप्रश्नपत्रम्: (क) रामायण का ऐतिहासिक परिशीलन

(ख) रामायण कालीन संस्कृति

(ग) रामायण कालीन भौगोलिक स्थिति

(घ) रामायण के पात्रों का ऐतिहासिक परिचय

(ङ) राम-रावण युद्ध एवं युद्ध कला

सहायक ग्रन्थः—

१. रामायण कालीन संस्कृति--शान्तिकुमार नानूराम व्यास

२. प्राचीन भारतीय साहित्य, भाग २—विन्टरनिट्ज

३. संस्कृत लिटरेचर--ए. बी. कीथ

४. रामकथा—कामिल बुल्के

५. आन दि रामायण—वेबर

तृतीयप्रश्नपत्रम्: धर्म और दर्शन

(क) वैदिक एवं पौराणिक धर्म

(ख) वैष्णव, शैव एवं शाक्त धर्म

(ग) जैन एवं बौद्ध धर्म

(घ) चार्वाक, जैन एवं बौद्ध दर्शन

(ङ) सांख्य योग, न्याय-वैशेषिक, वेदान्त, वैष्णव एवं शैवदर्शन

सहायक ग्रन्थः

१. वैदिक धर्म और दर्शन—डा० कीथ

२. पौराणिक धर्म एवं समाज—सिद्धेश्वरी नारायण राव

३. भारतीय दर्शन—डा० पारसनाथ द्विवेदी

४. वैष्णव, शैव एवं अन्य धार्मिकमत—आर० डी० भाण्डारघर

चतुर्थपत्रम्: प्राचीन भारत का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन

(क) पुरुषार्थ चतुष्टय, वर्ण एवं जाति, आश्रम व्यवस्था, संस्कार, परिवार, प्राचीन भारत में नारी एवं विवाह, शिक्षा।

(ख) प्राचीन भारत के आर्थिक स्रोत—जीविका के साधन; सम्पत्ति अधिकार एवं स्वामित्व, कृषि, उद्योग, व्यापार एवं वाणिज्य।

सहायक ग्रन्थः

१. धर्मशास्त्र का इतिहास—पी० वी० काणे

२. भारतीय संस्कृति का उत्थान – डा० रामजी उपाध्याय

३. कौटलीय अर्थशास्त्र

४. मनुस्मृति

५. हिन्दू सस्कार—डा० राजबली पाण्डेय

६. भारतवर्ष का सामाजिक इतिहास—डा० विमलचन्द्र पाण्डेय

७. पौराणिक धर्म एवं समाज—सिद्धेश्वरी नारायण राव

८. प्राचीन भारत में शिक्षा--अल्तेकर

९. हिन्दू परिवार मीमांसा--हरदत्त वेदालंकार

१०. मनु की समाज-व्यवस्था—सत्यमित्र दुबे

पंचम पत्रम्:

लघु शोधप्रबन्ध लेखन और मौखिकी परीक्षा

अथवा

स्वशास्त्रीयव्युत्पत्तिः

(ग) वर्ग प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व

प्रथमपत्रम्: **प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति**

(क) प्राचीन भारत का भौगोलिक सर्वेक्षण

(ख) सिन्धुघाटी की सभ्यता

(ग) आर्यों का आदि देश

(घ) वैदिक संस्कृति

(ङ) पौराणिक संस्कृति

(च) प्राचीन एशिया का भारत से सम्बन्ध
(अवेस्तन तथा असीरियन संस्कृति)

सहायक-ग्रन्थः—

१. प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता—कोसाम्बी
२. प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता—डा० सत्यप्रकाश शर्मा
३. प्राचीन भारतीय संस्कृति—वी० एम० लुनिया
४. भारतीय संस्कृति का उत्थान—डा० रामजी उपाध्याय
५. भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का विकास—वी० एम० लूनिया

द्वितीयपत्रम्: **प्राचीन भारतीय कला**

(क) भारतीय कला का इतिहास

(ख) कला का अर्थ और ६४ कलाएं

(ग) प्राचीन भारतीय कला का सर्वेक्षण

(घ) मौर्ययुग-मौर्यकालीन कला—लौरियानन्दगढ़, स्तम्भ, गुफाएं, पाटलिपुर।

(ङ) शुंग एवं सातवाहन युग—भवन, मन्दिर, गुफा, चैत्य व विहार।

(च) कुषाण कला—गान्धार एवं मथुरा शैली, अमरावती एवं नागार्जुनकोण्डा।

(छ) गुप्तकाल—वास्तु एवं शिल्पकला—स्तम्भ, स्तूप, विहार एवं गुफाएं।

सहायक ग्रन्थः

१. भारतीय कला—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल
२. भारत की संस्कृति और कला—डा० राधाकमल मुकर्जी
३. भारतीय कला का विकास—वही
४. प्राचीन भारतीय स्तूप, गुप्त एवं मन्दिर—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल।
५. प्राचीन भारत की कला—डा० गयाचरण त्रिपाठी
६. भारतीय स्थापत्य—द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल

तृतीय पत्रम्: **भारतीय पुरातत्व एवं पुराणेतिहास**

(क) पुरातत्व के सिद्धान्त

(ख) पुरातत्व का इतिहास

(ग) उत्खनन एवं सर्वेक्षण

(घ) ड्राइंग एवं फोटोग्राफी

(ङ) पुरातात्विक भूगोल एवं भूगर्भशास्त्र

(च) भारतीय मुद्राएं एवं मुद्राशास्त्र

सहायक ग्रन्थः

१. भारतीय पुरातत्व—एम० एन० सिंह
२. पुरातत्व विज्ञान—वी० एम० पुरी

३. गुप्तकालीन मुद्राएं—अल्तेकर
४. प्राचीन भारतीय मुद्राशास्त्र—डा० वासुदेव उपाध्याय
५. भारतीय पुरैतिहासिक पुरातत्व—धर्मराज

चतुर्थ पत्रम् पुरालेख शास्त्र

(१) **भारतीय लिपि विज्ञान**

(क) भारतीय लिपि विज्ञान का इतिहास
(ख) भारतीय लेखन कला का इतिहास
(ग) ब्राह्मी एवं खरोष्ट्री लिपि
(घ) लेखन कला एवं पुरालिपि

(२) **अभिलेख—**

(क) अशोक के अभिलेख
(ख) गुप्तकालीन अभिलेख
(ग) अभिलेखों का लिपिपाठ एवं इतिहास

(३) वर्णमाला का इतिहास
(४) मुद्रणकला

सहायक ग्रन्थ:

१. भारतीय प्राचीन लिपिमाला—ओझा
२. भारतीय पुरालिपि शास्त्र—ब्यूलर
३. भारतीय पुरालिपि—राजबली पाण्डेय
४. भारतीय अभिलेख—एम. एस. राणा
५. अशोक के शिलालेख—जनार्दन भट्ट

६. भारतीय पुरैतिहासिक पुरातत्व—धर्मपाल लाल अग्रवाल
७. प्राचीन भारतीय मुद्राशास्त्र—वासुदेव उपाध्याय

पञ्चम पत्रम्: लघुशोध-प्रबन्ध लेखन एवं मौखिक परीक्षा

अथवा

भारतीय पुरातत्व एवं पुरालेखशास्त्र—प्रायोगिक ज्ञान

---

१. स्नातकोत्तर भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व प्रमाणपत्रीय परीक्षा

नियमावली

१. भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व प्रमाणपत्रीय परीक्षा का नाम "भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व प्रमाणपत्री स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र" होगा।

२. भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व प्रमाणपत्रीय परीक्षा का पाठ्यक्रम पुराणेतिहास विभाग के अन्तर्गत होगा।

३. उक्त परीक्षा का पाठ्यक्रम एक वर्ष का होगा।

४. इस परीक्षा के पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए निम्नलिखित अर्हता होगी—

(क) पुराणेतिहास विषय में शास्त्री अथवा आचार्य

(ख) मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय की तत्सम-कक्ष योग्यता

(ग) मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय से प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति में एम० ए० अथवा प्राचीन भारतीय इतिहास के साथ बी० ए० परीक्षा।

५. उक्त प्रमाणपत्रीय परीक्षा में २ रु० प्रति सत्र प्रवेश शुल्क लिया जायेगा।

६. उक्त प्रमाणपत्रीय परीक्षा का परीक्षा शुल्क २० रु० होगा और २ रु० लब्धांक शुल्क अलग से देय होगा।

७. उक्त प्रमाणपत्रीय परीक्षा में ६० प्रतिशत अथवा इससे अधिक अंक पाने वाले परीक्षार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण माने

जायेंगे और ४५ प्रतिशत या इससे अधिक किन्तु ६० प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने पर द्वितीय श्रेणी दी जायेगी।

८. उक्त परीक्षा में १००-१०० अंकों के चार प्रश्न-पत्र होंगे।

पाठ्यक्रम :

प्रथम पत्रम्: प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति

(१) प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का इतिहास

(२) सिन्धु घाटी की सभ्यता

(३) वैदिक सभ्यता एवं संस्कृति

(४) पौराणिक सभ्यता एवं संस्कृति

(५) रामायण तथा महाभारत कालीन सभ्यता एवं संस्कृति

(६) जनपदयुगीन सभ्यता एवं संस्कृति

(७) मौर्यकालीन सभ्यता एवं संस्कृति

(८) गुप्तकालीन सभ्यता एवं संस्कृति

(९) अवेस्तन एवं असीरियन सभ्यता एवं संस्कृति

सहायक ग्रन्थ:

१. भारतीय संस्कृति—शिवदत्त ज्ञानी

२. भारतीय संस्कृति का इतिहास—रतन प्रकाशन मन्दिर, आगरा

३. हिन्दु सभ्यता—डा० राधा कुमुद मुकर्जी

४. गुप्त साम्राज्य का इतिहास—वासुदेव उपाध्याय

५. भारतीय संस्कृति का उत्थान—डा० रामजी उपाध्याय

द्वितीय पत्रः **प्राचीन भारतीय कला**

(१) प्राचीन भारतीय कला का क्षेत्र
(२) कला का अर्थ एवं कला के प्रकार (६४ कला)
(३) प्राचीन भारतीय कला का इतिहास
(४) मूर्त्ति वास्तु एवं चित्रकला
(५) कलादर्शन एवं सौन्दर्यशास्त्र

सहायक ग्रन्थः

१. भारतीय कला—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल
२. भारतीय मूर्तिकला—रामकृष्ण दास
३. भारतीय वास्तुकला—डा० परमेश्वरी लाल गुप्त
४. भारतीय चित्रकला—रामकृष्ण दास
५. विष्णुधर्मोत्तर पुराण—मूर्त्ति-चित्र-रूप-प्रकरण

तृतीय प्रश्नपत्रः **भारतीय अभिलेख, लिपि एवं मुद्राशास्त्र**

(१) अभिलेखों का ऐतिहासिक एवं साहित्यिक अध्ययन
(२) अशोक के शिलालेख
(३) गुप्तकालीन अभिलेख
(४) लिपिविज्ञान उत्पत्ति एवं विकास
(५) लेखन कला या उद्गम एवं विकास
(६) मुद्राशास्त्र
(७) भूगर्भशास्त्र एवं संग्रहालय विज्ञान

सहायक ग्रन्थः

१. भारतीय अभिलेख—एस० एस० राणा
२. अशोक के शिलालेख—जनार्दन भट्ट
३. प्राचीन लिपिमाला—ओझा
४. भारतीय पुरालिपि शास्त्र—ब्यूलर
५. भारतीय पुरालिपि—डा० राजबली पाण्डेय

चतुर्थपत्रः **प्रायोगिक परीक्षा**

(१) उत्खनन एव सर्वेक्षण
(२) उत्खनन का सामान्य ज्ञान
(३) ऐतिहासिक एव भौगोलिक सर्वेक्षण
(४) ड्राइंग एवं फोटोग्राफी
(५) संग्रहालय विज्ञान

२. स्नातकोत्तर-इतिहास पुराण प्रमाणपत्रीय परीक्षा

नियमावली :

१. इतिहास, पुराण प्रमाणपत्रीय परीक्षा का नाम 'पुराण स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र' ( ) होगा।
२. उक्त परीक्षा का पाठ्यक्रम एक वर्ष का होगा।
३. उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिए निम्नलिखित अर्हता अपेक्षित होगी—
   (क) पुराणेतिहास में शास्त्री अथवा आचार्य
   (ख) मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय की तत्सम-कक्ष योग्यता।

४. उक्त परीक्षा में २ रू० प्रति छात्र से प्रवेश शुल्क लिया जायेगा।

५. उक्त प्रमाणपत्रीय परीक्षा का परीक्षा-शुल्क २० रू० होगा। इसके अतिरिक्त लब्धांक शुल्क २ रू० अलग से देय होगा।

६. इस परीक्षा के पाठ्यक्रम में १००-१०० अकों के चार प्रश्नपत्र होगें।

७. उक्त परीक्षा में ६० प्रतिशत अथवा इससे अधिक अंक प्राप्त करने पर प्रथम श्रेणी तथा ४५ प्रतिशत अथवा इससे अधिक और ६० प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करने पर द्वितीय श्रेणी दी जायेगी। परन्तु ४५ प्रशितत से कम अंक प्राप्त करने पर अनुत्तीर्ण समझा जायेगा।

पाठ्यक्रम :

प्रथमप्रश्नपत्र : **पुराण वाङ्मय एवं भारतीय इतिहास**

(१) पुराण वाङ्मय का सामान्य परिचय
(२) भारतीय इतिहास के प्राचीन स्रोत
(३) पुराण वाङ्मय और भारतीय इतिहास
(४) रामायण एवं महाभारत
(५) पौराणिक युग

सहायक ग्रन्थः—

(१) पुराणपर्यालोचन—१-२ भाग—डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
(२) पुराण विमर्श—डा० बलदेव उपाध्याय
(३) इतिहास पुराण परिशीलन—डा० कुंवरलाल
(४) प्राचीन भारतीय साहित्य भाग २—विन्टरनिट्ज

द्वितीयप्रश्नपत्र : **पुराणयुगीन भारत का भौगोलिक सर्वेक्षण**

(१) भुवनकोश वर्णन तथा भारतवर्ष वर्णन, पर्वताः नद्यश्च
(२) प्राकृतिक रचना
(३) जलवायु
(४) कृषि, उद्योग, वाणिज्य
(५) राजनैतिक भूगोल
(६) भौतिक एवं आर्थिक भूगोल
(७) ऐतिहासिक भूगोल

सहायकग्रन्थः—

(१) पुराणपार्यालोचनम् १-८ भाग—डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
(२) पुराणविमर्श—डा० बलदेव उपाध्याय
(३) प्राचीन भारतीय साहित्य भाग २—विन्टारनिट्ज
(४) इतिहास-पुराण परिशीलन—डा० कुंवरलाल
(५) पौराणिक धर्म एवं समाज—डा० सिद्धेश्वरी राय

तृतीयप्रश्नपत्र : पुराणयूगीन, सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक स्थिति का सामान्य सर्वेक्षण—

(१) राजनैतिक इतिहास
(२) पौराणिक धर्म एवं समाज, वर्ण व्यवस्था
(३) राज्य व्यवस्था

(४) शासन व्यवस्था

(५) राजवंश वर्णन

सहायकग्रन्थः—

(१) पुराण पर्यालोचनम् १-२ भाग—डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी

(२) पुराण विमर्श—डा० बलदेव उपाध्याय

(३) पौराणिक धर्म एवं समाज—डा० सिद्धेश्वरी राय

(४) पौराणिक राजवंशानुकीर्त्तनम—डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी

(५) इतिहास-पुराण परिशीलन—डा० कुंवरलाल

(६) प्राचीन भारतीय साहित्य भाग २—विण्टरनिट्ज

चतुर्थप्रश्न पत्र : लघुशोध प्रबन्ध तथा मौखिक परीक्षा

(क) लघु शोध प्रबन्ध लेखन	५० अंक
(ख) शोध प्रबन्धाधित्य मौखिक परीक्षा	५ अंक

"शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्ते"

शास्त्रिपरीक्षाप्रथमखण्डम्

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ७०

शिवाद्वैतपरिभाषा, श्रीनीलकण्ठशिवाचार्यकृता

पंचमं प्रश्नपत्रम् ७०

(क) ईश-केन-कैवल्य-मुण्डक-सिद्धान्तशिखोपनिषदः
श्रीउमचगिशंकरशास्त्रिकृतशांकरी व्याख्या सहिताः ४०

(ख) श्वेताश्वतरोपनिषद्वीरशैवभाष्यम्
डा० टि० जि० सिद्धप्पाराध्यकृतम् । १५

(ग) महानारायणोपनिषद् श्रीवृषभेन्द्रपण्डितकृतशैवभाष्योपेता १५

षष्ठं प्रश्नपत्रम ६०

अनुभवसूत्रम्, श्रीमायिदेवविरचितम् ।

शास्त्रिपरीक्षाद्वितीयखण्डम्

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ७०

ब्रह्मसूत्रश्रीकरभाष्ये प्रथमद्वितीयाध्यायौ ।

पंचमं प्रश्नपत्रम, ७०

ब्रह्मसूत्रश्रीकरभाष्ये तृतीयचतुर्थाध्यायौ ।

षष्ठं प्रश्नपत्रम् ६०

भगवद्गीतावीरशैवभाष्यम्,
डा० टि० जि० सिद्धप्पाराध्यकृतम् ।

आचार्यपरीक्षाप्रथमखण्डम्

प्रथमं प्रश्नपत्रम् ५०

चतुः सूत्र्यन्तं ब्रह्मसूत्रश्रीकण्ठभाष्यम्
अप्पय्यदीक्षितकृतशिवार्कमणिदीपिकासहितम् ।

द्वितीयं प्रश्नपत्रम् ५०

विशेषार्थप्रकाशिका, श्रीमायिदेवकृता ।

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

ब्रह्मसूत्रशांकरीवृत्तिः, श्रीउमचिगिशंकरशास्त्रिकृता
प्रथमाध्यायपर्यन्ता ।

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

क्रियासारः, श्रीनीलकण्ठशिवाचार्यकृतः,
प्रथमोपदेशतश्चतुर्थोपदेशपर्यन्तः ।

आचार्यद्वितीयखण्डम्

प्रथमं प्रश्नपत्रम् ५०

क्रियासारः, श्रीनीलकण्ठशिवाचार्यकृतः,
पञ्चमोपदेशतश्चतुर्दशोपदेशपर्यन्तः ।

द्वितीयं प्रश्नपत्रम् ५०

क्रियासारः, श्रीनीलकण्ठशिवाचार्यकृतः,
पञ्चदशोपदेशत एकत्रिंशोपदेशपर्यन्तः ।

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

सिद्धान्तशिखामणिः, श्रीमरितोष्टदार्यकृततत्त्वप्रदीपिकाख्य-
व्याख्यासहितः,
प्रथमपरिच्छेदात् चतुर्दशपरिच्छेदपर्यन्तः ।

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

सिद्धान्तशिखामणिः, श्रीमरितोष्टदार्यकृततत्त्वप्रदीपिकाख्य-
व्याख्यासहितः,
पञ्चदशपरिच्छेदात् एकविंशतिपरिच्छेदपर्यन्तः ।

आचार्यतृतीयखण्डम

प्रथमं प्रश्नपत्रम् ५०

लिंगधारणचन्द्रिका, श्रीनन्दिकेश्वरविरचिता,
(महामहोपाध्याय पण्डित श्रीशिवकुमारशर्ममिश्रकृतया शरन्ना-
मिकया व्याख्यया समेता) ।

द्वितीयं प्रश्नपत्रम् ५०

(क) शिवाद्वैतमञ्जरी, स्वप्रभानन्दशिवाचार्यकृता २५

(ख) चन्द्रज्ञान–मुकुट-सूक्ष्म–कारणागमाः २५

तृतीयं प्रश्नपत्रम् ५०

वीरशैवानन्दचन्द्रिका श्रीमरितोष्टदार्यकृता
(वादकाण्डे १-१२ प्रकरणपर्यन्ता)

चतुर्थं प्रश्नपत्रम् ५०

वीरशैवानन्दचन्द्रिका, श्रीमरितोष्टदार्यकृता
(वादकाण्डे १३-२४ प्रकरणपर्यन्ता) ।

पंचमं प्रश्नपत्रम् ५०

स्वशास्त्रीयव्युत्पत्तिः

सहायक ग्रन्थौ –

१. शक्तिविशिष्टाद्वैतदर्शनम्, डा० टि० जी० सिद्धयाराध्य-
कृतम् ।
२. श्रीकरभाष्यभूमिका, पं० एम्० जि० नन्जुण्डाराध्यकृता ।

शिक्षाशास्त्र विभागीय अध्ययन बोर्डकी बैठक दि० ८-१-८३ में लिए गए पाठ्यक्रम सम्बन्धी निर्णय

शिक्षाशास्त्रि (बी० एड०)

१. शिक्षाशास्त्री के पाठ्यक्रम में ऐच्छिक विषयों में विज्ञान, संगीत, गृह-विज्ञान एवं अर्थशास्त्र विषयों का भी समावेश किया जाय।

२. शिक्षाशास्त्री प्रयोगाभ्यास पाठ्यक्रम में अध्यापित करने वाले पाठों की संख्या ४५ को बढ़ाकर ५० कर दिया जाय। जिसमें कि १० निरीक्षण पाठ भी सन्निहित हैं।

शिक्षाचार्यः (एम० एड०)

३. शिक्षाचार्य में अष्टम प्रश्नपत्र (भारतीय शिक्षेतिहास) में भाग २ का पूरा अंश हटाकर उसे निम्नवत कर दिया जाय—

भाग–२

१. मध्यकालीन भारतीय शैक्षिक इतिहास

२. आधुनिक भारतीय शैक्षिक इतिहास

दक्षिण भारतीय भाषाओं में द्विवर्षीय डिप्लोमा परीक्षा पाठ्यक्रम (कन्नड़ भाषा)

नियमावली :—

(क) कन्नड़ डिप्लोमा परीक्षा दो वर्षों में पूर्ण होगी। प्रथमवर्ष में १०० अंक का एक लिखित प्रश्नपत्र होगा जो कि तीन घण्टे की अवधि में समाप्त होगा। ५० अंक की एक मौखिक परीक्षा होगी।

(ख) द्वितीय वर्ष में सौ-सौ अंक के दो लिखित प्रश्नपत्र होंगे जो कि तीन-तीन घण्टों की अवधि में समाप्त होंगे। ५० अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

(ग) कन्नड़ डिप्लोमा पाठ्यक्रम अध्ययन हेतु केवल वे ही छात्र प्रवेश प्राप्त करने योग्य माने जायेंगे जो इस विश्वविद्यालय से उत्तरमध्यमा परीक्षा, माध्यमिक शिक्षा परिषद् से इण्टर-मीडिएट परीक्षा अथवा अन्य मान्य समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हों।

(घ) कन्नड़ डिप्लोमा पाठ्यक्रम में उन्हीं छात्रों का प्रवेश होगा जिनकी मातृभाषा कन्नड़ न हो।

(ङ) कन्नड़ डिप्लोमा परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अनिवार्य होगा कि छात्र ने प्रत्येक प्रश्नपत्र में प्रतिवर्ष न्यूनतम ४० प्रतिशत सम्पूर्णांक का ५५ प्रतिशत अंक प्राप्त किया हो। प्रथमवर्ष की परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का परीक्षाफल बिना श्रेणी घोषित होगा तथा द्वितीय वर्ष की परीक्षा का वर्गीकरण प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के संयुक्त प्राप्तांकों के योग के आधार पर किया जायगा।

(च) कन्नड़ डिप्लोमा परीक्षा में श्रेणियों का विभाजन निम्नलिखित प्रकार होगा :—

प्रथम श्रेणी—६० प्रतिशत अथवा इससे अधिक

द्वितीय श्रेणी—४५ प्रतिशत अथवा इससे अधिक किन्तु ६० प्रतिशत से कम।

७५ प्रतिशत अथवा इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को विशिष्ट योग्यता प्राप्त घोषित किया जायेगा।

कन्नड़ भाषा डिप्लोमा परीक्षा पाठ्यक्रम के लिए शुल्क एवं अन्य सभी नियम वही होंगे जो इस विश्वविद्यालय के भाषा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित हैं।

पाठ्यक्रम

प्रथमवर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र (लिखित) १००

(क) पाठ्यग्रन्थ सम्बन्धी प्रश्न ५०

(ख) व्याकरण ३०

(ग) मुहावरे १०

(घ) रिक्त स्थानपूर्ति १०

मौखिक परीक्षा

इसमें श्रुतलेख, पठन, कंठस्थ कविता एवं वार्तालाप होंगे ५०

निर्धारित पुस्तकें :

१. कन्नड़ ओंदनेय पुस्तक (कन्नड़ पहली किताब)

२. कन्नड़ एरडनेय पुस्तक (कन्नड़ दूसरी किताब)

प्रकाशक—सरकारी पठ्यपुस्तक मुद्रणालय, मैसूर

व्याकरण—लिंग वचन पुरुष, सामान्य क्रियापद एवं विशेषण।

सहायक पुस्तक:—

(१) हिन्दी कन्नड़ बाल बोधिनी

प्रकाशक—दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, त्यागराज-नगर मद्रास-१७

द्वितीयवर्ष

प्रथम प्रश्नपत्र (लिखित) १००

(क) पाठ्यग्रन्थ सबंधी प्रश्न ५०

(ख) व्याकरण ३०

(ग) वाक्यशुद्धिकरण १०

(घ) अनुवाद १०

निर्धारित पुस्तक: –

(१) कन्नड़ मूरनेय पुस्तक (कन्नड़ तीसरी किताब)

प्रकाशक—सरकारी पठ्यपुस्तक मुद्रणालय, मैसूर

व्याकरण—सन्धि, विभक्ति प्रत्यय, सकर्मक धातु, अकर्मक धातु, कर्मणि प्रयोग।

अनुवाद—सामान्य रूप से हिन्दी के पांच वाक्यों का तथा कन्नड़ के पांच वाक्यों का अनुवाद क्रमशः कन्नड़ एवं हिन्दी में करना होगा।

सहायक पुस्तक: १—कन्नड़ स्वयं शिक्षक

ले०—पी० मन्दाकिनी बाई० एम० ए०

प्र०—दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, त्याग-राजनगर, मद्रास—१७

द्वितीयप्रश्नपत्र १०० अंक

(क) पाठ्यग्रन्थ सम्बन्धी प्रश्न ५० अंक

(ख) पत्रलेखन १० अंक

(ग) निबन्ध १५ अंक

(घ) अनुवाद २० अंक

(ङ) कण्ठस्थ कविता लेखन ५ अंक

निर्धारित पुस्तक: १—कन्नड़ भारती-४ (नाल्कनेय पुस्तक) कन्नड़ चौथी किताब

प्रकाशक--सरकारी पठ्यपुस्तक मुद्रणालय, मैसूर

(केवल निर्धारित पाठ—१, ३, ४, ६, १०, १२, १३, १५, २१, २४)

अनुवाद—हिन्दी से कन्नड़ तथा कन्नड़ से हिन्दी में।

सहायक पुस्तक:—१—कन्नड़ स्वयं शिक्षक : ले० पी० मन्दाकिनी बाई एम० ए०

प्रकाशक—दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, त्यागराज-नगर, मद्रास—१७

मौखिक परीक्षा ५० अंक

इसमें श्रुतलेख, पठन, कंठस्थ कविता एवं वार्तालाप होंगे।

तमिल भाषा डिप्लोमा परीक्षा

प्रवेश सम्बन्धी सभी नियम वही होंगे जो इस विश्वविद्यालय की अन्य डिप्लोमा परीक्षा के लिए निर्धारित हैं।

पाठ्यक्रम

प्रथमवर्ष

प्रथमप्रश्नपत्र (लिखित) १०० अंक

(क) पाठ्यग्रन्थ सम्बन्धी प्रश्न ५० अंक

(ख) व्याकरण ३० अंक

(ग) मुहावरे १० अंक

(घ) रिक्त स्थान की पूर्ति १० अंक

मौखिक परीक्षा ५०

इसमें श्रुतलेख, पठन, कण्ठस्थ कविता एवं वार्तालाप होंगे।

निर्धारित पुस्तकें—१—तमिल पाठावली (पहली पुस्तक)

२—तमिल पाठावली (दूसरी पुस्तक)

प्रकाशक:—दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा त्यागराज नगर, मद्रास।

व्याकरण:—लिंग, वचन, पुरुष, सामान्य क्रिया।

द्वितीयवर्ष

प्रथमप्रश्नपत्र (लिखित) १०० अंक

(क) पाठ्यग्रन्थ सम्बन्धी प्रश्न ५० अंक

(ख) व्याकरण ३० अंक

(ग) वाक्य शुद्धिकरण १० अंक

(घ) अनुवाद १० अंक

निर्धारित पुस्तक :—

ए कोर्स माडर्न स्टैंडर्ड तमिल—डा० पी० कोदण्ड-रामन, इण्टरनेशनल इन्स्टीच्यूट आफ तमिल स्टडीज—मद्रास-२० इसमें एडवांस लेवल के पाठ १, ५

व्याकरण—विशेषण, क्रिया विशेषण, सन्धि, कारक, वाक्य संघटन।

अनुवाद—सामान्य रूप से हिन्दी के पांच वाक्यों का तथा तमिल के पांच वाक्यों का अनुवाद क्रमशः तमिल एवं हिन्दी में करना होगा।

द्वितीयप्रश्नपत्र लिखित) १०० अंक

(क) पाठ्य ग्रन्थ सम्बन्धी प्रश्न ५० अंक

(ख) पत्रलेखन २० अंक

(ग) निबन्ध १५ अंक

(घ) अनुवाद २० अंक

(ङ) कण्ठस्थ कविता लेखन ५ अंक

निर्धारित पुस्तक :—ए कोर्स माडर्न स्टैण्डर्ड तमिल—डा० पी० कोदण्डरामन इण्टरनेशनल इन्स्टीच्यूट आफ तमिल स्टडीज, मद्रास-२०

मौखिक परीक्षा ५० अंक

कन्नड़ भाषा उच्चतर डिप्लोमा परीक्षा

कन्नड़ भाषा उच्चतर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में केवल वे ही छात्र प्रवेश प्राप्त करने के पात्र होंगे जो इस विश्वविद्यालय से कन्नड़ भाषा में द्विवर्षीय डिप्लोमा परीक्षा अथवा विश्वविद्यालय द्वारा मान्य किसी अन्य विश्वविद्या य अथवा परीक्षा परिषद् से कोई अन्य समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होंगे। ऐसे छात्र को इस पाठ्यक्रम में प्रवेश की अनुमति न होगी जिसको मातृभाषा कन्नड़ हो।

उच्चतर डिप्लोमा परीक्षा में उच्च व्याकरण, समाचारपत्र, साहित्यिक और वैज्ञानिक निबन्धों तथा कहानियों का अनुवाद एवं कन्नड़ साहित्य का इतिहास सम्मिलित है।

यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का होगा जिसमें ५० पूर्णांक के ४ लिखित प्रश्नपत्र होंगे तथा ५० अंक की एक मौखिक परीक्षा होगी। कन्नड़ उच्चतर डिप्लोमा परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिये अनिवार्य होगा कि छात्र ने प्रत्येक प्रश्नपत्र में न्यूनतम ४० प्रतिशत तथा सम्पूर्णांक का ४० प्रतिशत अंक प्राप्त किया हो। उत्तीर्ण छात्रों के परीक्षाफल का वर्गीकरण निम्न प्रकार होगा।

प्रथम श्रेणी—६० प्रतिशत अथवा इससे अधिक।

द्वितीय श्रेणी—४५ प्रतिशत अथवा इससे अधिक,

किन्तु ६० प्रतिशत से कम।

७५ प्रतिशत अथवा इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले उत्तीर्ण छात्रों को विशेष योग्यता प्राप्त घोषित किया जायगा।

कन्नड़ भाषा उच्चतर डिप्लोमा परीक्षा

पाठ्यक्रम

प्रथमप्रश्नपत्र—(अपठित अनुवाद) लिखित ५० अंक

अधिकतम ५०० शब्दों में अपठित कन्नड़ अवतरणों का शब्द-कोष की सहायता से हिन्दी में अनुवाद।

द्वितीयप्रश्नपत्र—(व्याकरण एवं पठित अनुवाद) लिखित ५० अंक

(क) व्याकरण एवं मुहावरे आदि २० अंक

(ख) अनुवाद कन्नड़ भाषा से हिन्दी में तथा १ अंक

हिन्दी भाषा से कन्नड़ में। १५ अंक

तृतीयप्रश्नपत्र—(निबन्ध एवं सारांश) लिखित ५० अंक

(क) न्यूनतम ३०० शब्दों का कन्नड़ भाषा निबन्ध ३० अंक

[ख] साराश [प्रेसी राइटिंग] २० अंक

चतुर्थप्रश्नपत्र—[अनुवाद कार्य] लिखित ५० अंक

प्रत्येक छात्र को हर सत्र में १५ मार्च के पूर्व कन्नड़ भाषा से न्यूनतम ३० पृष्ठों का अनुवाद हिन्दी में प्रस्तुत करना होगा।

विषय निर्धारण विभाग द्वारा किया जायगा।

मौखिक परीक्षा— ५० अंक

निर्देश :—मात्र प्रथमप्रश्नपत्र में कन्नड़ हिन्दीकोष प्रयोग की अनुमति होगी।

संदर्भ ग्रन्थ—[१] विमर्श—मास्ति वेंकटेश अयंगार—
जीवनकार्यालय बसवन गुड़ी, बंगलोर।

[२] गरुड गंबद दासय्य—गोरुरु रामस्वामी अयंगार।
प्रकाशक—सत्यशोधन प्रकटन मंदिर कोटे-बंगलोर।

[३] कन्नड़ व्याकरण—एच० सिद्धलिंगैया,
शरत् प्रकाशन—
६४-६ लेन सरस्वतीपुरम् मैसूर।

[४] कन्नड़ साहित्य चरित्रे
टी० एच० शामराय,
पुस्तकालय प्रकाशक—मैसूर-४

सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालयस्य

सामान्य-नियमाः

१-परीक्षानामानि

सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालयः संस्कृतपालिप्राकृतभाषानिबद्धासु अन्येषु च तदनुबद्धेषु विषयेषु वक्ष्यमाणाः परीक्षाः सम्पादयति ।

(१) प्रथमापरीक्षा
(२) पूर्वमध्यमापरीक्षा
(३) उत्तरमध्यमापरीक्षा
(४) शास्त्रिपरीक्षा
(५) आचार्यपरीक्षा
विशिष्टाचार्यपरीक्षा (एम० फिल०)
आयुर्वेदाचार्यपरीक्षा (बी० ए० एम० एस०)
शिक्षाशास्त्रिपरीक्षा (बी० एड०)
शिक्षाचार्य (एम० एड०)
ग्रन्थालयविज्ञानशास्त्रिपरीक्षा (बी० लिब्० साइन्स)

पुरातत्वसंग्रहालयविज्ञानडिप्लोमा
विद्यावारिधिपरीक्षा (पी-एच० डी०)
वाचस्पतिपरीक्षा (डी० लिट्०)
स्नातकोत्तरभाषाविज्ञानप्रमाणपत्रीयपरीक्षा
संस्कृतप्रमाणपत्रीयपरीक्षा
ग्रीकभाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षा
प्राचीन फारसी (अवेस्ता) प्रमाणपत्रीय परीक्षा
रूसीभाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षा
चीनीभाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षा
तिब्बतीभाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षा
जर्मनभाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षा
फ्रेंचभाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षा
नेपालीभाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षा
पालीभाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षा
अंग्रेजीभाषाप्रमाणपत्रीय
कन्नडडिप्लोमापरीक्षा
तमिलडिप्लोमापरीक्षा

(अनुवाद)

रूसीभाषाउच्चतरडिप्लोमापरीक्षा
चीनीभाषाउच्चतरडिप्लोमापरीक्षा
जर्मनभाषाउच्चतरडिप्लोमापरीक्षा
फ्रेञ्चभाषाउच्चतरडिप्लोमापरीक्षा

तिब्बतीभाषाउच्चतरडिप्लोमापरीक्षा

कन्नडउच्चतरडिप्लोमापरीक्षा

संस्कृतयोग्यतापरीक्षा

संस्कृतयोग्यतापरीक्षा

तिब्बतीभाषायोग्यताप्रमाणपत्रीयपरीक्षा

अनुवादकपाठ्यक्रमपरीक्षा (फ्रेञ्चभाषा)

अनुवादकपाठ्यक्रमपरीक्षा (तिब्बतीभाषा)

सीमान्तप्रदेशीयच्छात्राणां पाठ्यक्रमः

तिब्बतीयशिक्षासंस्थानपाठ्यक्रमः ।

२–परीक्ष्यविषयाः

प्रथमापरीक्षायाः विषयाः

अनिवार्यविषयाः

१—संस्कृतम् २—हिन्दी ३—सामाजिकशास्त्रम् (इतिहासः भूगोलः, नागरिकशास्त्रञ्च) ४—गणितम् ।

वैकल्पिकविषयाः

निम्नलिखितविषयेषु एकस्य विषयस्य ग्रहणमनिवार्यम्—

१—वेदः (क) ऋग्वेदः (ख) शुक्लयजुर्वेदः (ग) कृष्णयजुर्वेदः (घ) सामवेदः (ङ) अथर्ववेदः

२—ज्योतिषम् ३—गणितम् ४– विज्ञानम्

५ – संगीतम् (कण्ठसंगीत-तबलावाद्यसंगीत-सितारवाद्यसंगीतेष्वन्यतम्)

६ – गृहविज्ञानम् ;

(संगीतगृहविज्ञानविषययोः बालिकानामेव प्रवेशाधिकारः)

ऐच्छिकः अतिरिक्तो विषयः

अंग्रेजी

अंग्रेजीभाषायामेकमतिरिक्तं प्रश्नपत्रं भविष्यति यत् स्वेच्छया परीक्षार्थिनः गृहीतुं प्रभवन्ति । एतत्प्रश्नपत्रपरीक्षायामुत्तीर्णत्वे प्रमाणपत्रे तदुल्लेखो भविष्यति ।

पूर्वमध्यमापरीक्षायाः विषयाः

अनिवार्यविषयाः

१. संस्कृतकाव्यम् २. संस्कृतव्याकरणम् ३. हिन्दीभाषा ।

वैकल्पिकविषयाः क वर्गः

निम्नलिखितकवर्गान्तर्गतस्यैकस्य विषयस्य ग्रहणमनिवार्यम्)

१. ऋग्वेदः २. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः) ३. कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः) ४. सामवेदः ५. अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः) ६. प्राचीनव्याकरणम् ७. नव्यव्याकरणम् ८. साहित्यम् ९. न्यायः १०. दर्शनम् ११. थेरवाद-बौद्धदर्शनम् १२. ज्यौतिषम १३. पुराणेतिहासम् ।

वैकल्पिकविषयाः (ख) वर्गः

(निम्नलिखितखवर्गान्तर्गतस्य एकस्य विषयस्य ग्रहणमनिवार्यम्) ।

१. नागरिकशास्त्रम् २. अर्थशास्त्रम् ३. इतिहासः ४. भूगोलः ५. हिन्दीभाषा ६. नेपालीभाषा ७. विज्ञानम् ८. गणितम् ९. पालिभाषा १०. प्राकृतभाषा ११. समाजशास्त्रम् १२. तुलनात्मकदर्शनम् १३. संगीतम् (कण्ठसंगीततबलावाद्यसंगीत-सितारवाद्यसंगीतेष्वन्यतमम्) (केवलं बालिकानां कृते) १४. गृहविज्ञानम् (केवलं बालिकानां कृते) ।

ऐच्छिक अतिरिक्तो विषयः

अंग्रेजी

(अंग्रेजीभाषायां प्रतिखण्डम् एकं प्रश्नपत्रं भविष्यति, यत् स्वेच्छया परीक्षार्थिनः गृहीतुं प्रभवन्ति। उत्तीर्णतायां प्रमाणपत्रे तदुल्लेखो भविष्यति।

उत्तरमध्यमापरीक्षायाः विषयाः

अनिवार्यविषयाः

१. संस्कृतकाव्यम् २. संस्कृतव्याकरणम् ३. हिन्दीभाषा।

वैकल्पिकविषयाः (क) वर्गः

(निम्नलिखितस्यैकस्य कवर्गान्तर्गतविषयस्य ग्रहणमनिवार्यम्)

१. ऋग्वेदः २. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः) ३. कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः) ४. सामवेदः ५. अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः) ६. प्राचीनव्याकरणम् ७. नव्यव्याकरणम् ८. साहित्यम् ९ न्यायः १०. दर्शनम् ११. थेरवाद-बौद्धदर्शनम् १२. ज्यौतिषम् १३. पुराणेतिहासम्।

वैकल्पिकविषयाः (ख) वर्गः

(निम्नलिखितस्यवर्गान्तर्गतस्यैकस्य विषयस्य ग्रहणमनिवार्यम्)

१. नागरिकशास्त्रम् २. अर्थशास्त्रम् ३. इतिहासः ४. भूगोलः ५. हिन्दीभाषा ६ नेपालीभाषा ७. विज्ञानम् ८. गणितम् ९. पालिभाषा (१०) प्राकृतभाषा ११. तुलनात्मकदर्शनम् १२ समाजशास्त्रम् १३. संगीतम् (कण्ठसंगीत-तबलावाद्यसंगीत-सितारवाद्यसंगीतेष्वन्यतमम्) (केवलं बालिकानां कृते) १४. गृहविज्ञानम् (केवलं बालिकानां कृते)।

ऐच्छिकोऽतिरिक्तो विषयः

अंग्रेजी

अंग्रेजीभाषायां प्रतिखण्डम् एकं प्रश्नपत्रं भविष्यति यत् पूर्वमध्यमायां तत्समकक्षपरीक्षायां वा अंग्रेजी विषयं गृहीत्वा उत्तीर्णा एव परीक्षार्थिनः स्वेच्छया ग्रहीतुं प्रभवन्ति, उत्तीर्णतायां प्रमाणपत्रे तदुल्लेखो भविष्यति।

शास्त्रिपरीक्षायाः विषयाः

अनिवार्यविषयौ

१—संस्कृतम् २—हिन्दीभाषा।

वैकल्पिकविषयाः (क) वर्गः

(निम्नलिखितेषु कवर्गान्तर्गतस्यैकस्य विषयस्य ग्रहणमनिवार्यम्)।

१—ऋग्वेदः २—शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः) ३—कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः) ४—सामवेदः ५—अथर्ववेदः शौनकशाखीय) ६—वेदनैरुक्तप्रक्रिया ७—धर्मशास्त्रम् ८. पौरोहित्यम् ९. प्राचीनव्याकरणम् १०. नव्यव्याकरणम् ११. सिद्धान्तज्यौतिषम् १२. फलितज्यौतिषम् १३. गणितम् १४. साहित्यम् १५. पुराणेतिहासम् १६. प्राचीनराजशास्त्रार्थशास्त्रम् १७. प्राचीननायवैशेषिकम् १८. नव्यन्यायः १९. सांख्ययोगम् २०. योगतन्त्रम् २१ आगमः २२. पूर्वमीमांसा २३. वेदान्तः २४. दर्शनम् २५. तुलनात्मकदर्शनम् २६. बौद्धदर्शनम् २७. जैनदर्शनम् २८. जैनागमः २९. शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः ३०. भारतीयविद्यासंस्कृति।

वैकल्पिकविषयाः (ख) वर्गः

(निम्नलिखितेषु खवर्गान्तर्गतस्यैकस्य विषयस्य ग्रहणमनिवार्यम्)

१. राजशास्त्रम् २. अर्थशास्त्रम् ३. इतिहासः ४. प्राचीनभारतीयेति-

हासः संस्कृतिश्च ५. भूगोलः ६. हिन्दीभाषा ७. नेपालीभाषा ८. पालिः ९. प्राकृतम् १०. राजशास्त्रदर्शनम् ११. विज्ञानम् (रसायनविज्ञानम्, भौतिकविज्ञानम्) १२. तुलनात्मकदर्शनम् १३. समाजशास्त्रम् १४. भाषाविज्ञानम् १५. गृह विज्ञानम् (केवलं बालिकानां कृते) १६. तामिलभाषा १७. तेलगुभाषा १८. कन्नडभाषा १९. मलयालम-भाषा ।

ऐच्छिकोऽतिरिक्तविषयाः

अंग्रेजी—जर्मन-रुसी-फ्रेञ्च-चीनी तिब्बती भाषासु

प्रतिविषयं प्रतिखण्डम् एकं प्रश्नपत्रं भविष्यति यद् उत्तरमध्यमायां तत्समकक्षपरीक्षायां वा अंग्रेजी विषयं प्रमाणपत्रीयपरीक्षायां जर्मनादि विषयं वा गृहीत्वा उत्तीर्णाः परीक्षार्थिनः स्वेच्छया ग्रहीतुं प्रभवन्ति । उत्तीर्णतायां प्रमाणपत्रे तदुल्लेखो भविष्यति ।

आचार्यपरीक्षायाः विषयाः

इयं परीक्षा वक्ष्यमाणेषु विषयेषु भविष्यति

१. ऋग्वेदः २. शुक्लयजुर्वेदः (माध्यन्दिनशाखीयः) ३. कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीयः) ४. सामवेदः ५. अथर्ववेदः शौनकशाखीयः ६. वेद-निरुक्तप्रक्रिया ७. धर्मशास्त्रम् ८. प्राचीनव्याकरणम् ९. नव्यव्याकरणम् १०. सिद्धान्तज्यौतिषम् ११. फलितज्यौतिषम् १२. गणितम् १३. साहित्यम् १४. पुराणेतिहासम् १५. प्राचीनराजशास्त्रार्थशास्त्रम् १६. प्राचीन-न्यायवैशेषिकम् १७. नव्यन्यायः १८. सांख्ययोगम् १९. योगतन्त्रम् २०. आगमः २१. पूर्वमीमांसा २२. शाङ्करवेदान्तः २३. मध्ववेदान्तः २४. निम्बार्कवेदान्तः २५. गौडीयवेदान्तः २६. वल्लभवेदान्तः २७. रामानन्दवेदान्तः २८. शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तः २९. दर्शनम् ३०. तुलनात्मक-दर्शनम् ३१. बौद्धदर्शनम् ३२. जैनदर्शनम् ३३. पालि ३४. प्राकृतम् ।

आयुर्वेदाचार्यपरीक्षायाः विषयाः

प्रथमवर्षे—

लिखिता (सैद्धान्तिकी)

१. पदार्थविज्ञानम् २. अष्टाङ्गसङ्ग्रहस्य सूत्रस्थानम् । ३. आयुर्वेद-तिहासः आयुर्वेदपरिचयश्च ।

मौखिकी (मौखिकी)

१. पदार्थविज्ञानम् ।

द्वितीयवर्षे

लिखिता (सैद्धान्तिकी)

१. शरीररचना विज्ञानम् २. शरीरक्रिया विज्ञानम् ३. स्वस्थवृत्तम् ।

प्रायोगिकी (मौखिकी)

१. शरीररचना विज्ञानम् । २. शरीरक्रिया विज्ञानम् । ३. स्वस्थ-वृत्तम् ।

तृतीयवर्षे

लिखिता (सैद्धान्तिकी)

१. द्रव्यगुणविज्ञानम् । २. रसशास्त्रम् भैषज्यकल्पना च ३. रोग-विज्ञान तथा विकृतिविज्ञानम् ४. अगदतन्त्र व्यवहारायुर्वेदः ।

प्रायोगिकी

१. द्रव्यगुणविज्ञानम् । २. रसशास्त्रम् भैषज्यकल्पना च । ३. रोग-विज्ञानम् तथा विकृति विज्ञानम् । ४. अगदतन्त्र व्यवहारायुर्वेदश्च ।

चतुर्थवर्षे

लिखिता (सैद्धान्तिकी)

१. चरक संहिता (पूर्वार्द्धम्) भाग: सूत्रविमानविमानशारीरेन्द्रिय-स्थानानि । २. प्रसूतितन्त्रं स्त्रीरोगाश्च । ३. कौमारभृत्यम् ।

प्रायोगिकी (मौखिकी)

१. प्रसूतितन्त्रम् स्त्रीरोगाश्च २. कौमारभृत्यम् ।

३. चिकित्सा-तृतीयपत्रम् ४ चिकित्स-चतुर्थपत्रम्

पंचमवर्षे

लिखिता (सैद्धान्तिकी)

१. काय चिकित्सा-प्रथमपत्रम् २. चिकित्सा-द्वितीयपत्रम् शालाक्य-तन्त्रम् ३. शल्यतन्त्रम् । (चिकित्साकल्पसिद्धस्थानानि) ४. शालाक्य-तन्त्रम् ।

चरकसंहिता-उत्तरार्द्धभागः

प्रायोगिकी मौखिकी च

१. काय चिकित्सा २. शल्यतन्त्रम् ३. शालाक्यतन्त्रम् ।

शिक्षाशास्त्रिपरीक्षायाः विषयाः

१. मनोविज्ञानम् (शैक्षिकं प्रायोगिकञ्च)

२. शिक्षायाः दार्शनिकाः समाजशास्त्रीयाश्चधाराः

३. प्राच्यपाश्चात्यशिक्षेतिहा

४. शिक्षणस्याधारभूत तत्वानि शिक्षणविषयश्च

५. पाठशालाप्रबन्धः स्वास्थ्यविज्ञानञ्च ।

विशेषविषयः (ऐच्छिकोऽतिरिक्तो विषयः)

१. संस्कृतम् २ हिन्दी ३. भूगोलः ४. गणितम् ५. इतिहासः ।

शिक्षाचार्यपरीक्षायाः विषयाः

अनिवार्यं विषयाः

१. शिक्षादर्शनम् २. उच्चशिक्षा मनोविज्ञानम्

३. तुलनात्मकशिक्षा ४. शैक्षिकशोधविधिः ।

वैकल्पिक विषयाः

१. शैक्षिकं व्यावसायिकं च निर्देशनम् ।

२. शैक्षिक प्रबन्धः निरीक्षणं च ।

३. प्रौढ़शिक्षा ।

४ भारतीय शिक्षेतिहासः

५ प्राचीनभारतीय शिक्षादर्शनम्

ग्रन्थालयविज्ञानशास्त्रिपरीक्षायाः विषयाः

१. वर्गीकरणम्-सैद्धान्तिकम् २. वर्गीकरणम्-प्रायोगिकम् ३. सूची-करणम्-सैद्धान्तिकम् ४. सूचीकरणम-प्रायोगिकम् ५. ग्रन्थालयसंघटनम् ६. ग्रन्थालयप्रबन्धः ७. ग्रन्थचयनं ग्रन्थतन्त्रञ्च ८. सन्दर्भसेवा वाङ्मय-सूची प्रलेखनञ्च ९. पाण्डुलिपिविज्ञानम् ।

३—परीक्षासु प्रयोज्या भाषा

सम्पूर्णानन्द संस्कृतविश्वविद्यालयस्य शास्त्रीयविषयपरीक्षासु समावा-नार्थं संस्कृतभाषैव प्रयोक्तव्या, किन्तु पालिप्राकृतपरीक्षासु तत्तद्भाषा-प्रयोगोऽप्यनुमतः ।

(क) प्रथमापूर्वमध्यमोत्तरमध्यमशास्त्रिपरीक्षाणां संस्कृतप्रश्नपत्राणा मनिवार्यसंस्कृतप्रश्नपत्राणां च समाधानभाषा विशेषोल्लेखमनारा संस्कृतं भविष्यति ।

(ख) प्रथमापरीक्षायाः संस्कृतेतरप्रश्नपत्रेषु पूर्वमध्यमोत्तरमध्यमाशास्त्रिपरीक्षाणां स्व-वर्गीयविषयप्रश्नपत्रेषु च प्रश्नपत्राणां समाधानं संस्कृतभाषया हिन्दीभाषया वा कर्तुं शक्यते ।

(ग) संस्कृत-पालि-प्राकृतेतरभाषा-सम्बद्धप्रश्नपत्राणि निबन्धाश्च तत्तद्भाषयैव समाधेयाः ।

(घ) शिक्षाशास्त्रिग्रन्थालयविज्ञानशास्त्रिप्रमाणपत्रीयपरीक्षासु प्रश्नपत्राणां समाधानं संस्कृतेन हिन्दीभाषया वा भविष्यति किन्तु भाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षासु प्रश्नपत्राणां समाधानं भाषाप्रश्नपत्रनिर्देशानुसारं भावष्यति ।

(ङ) संस्कृतप्रमाणपत्रीय-परीक्षासु प्रश्नपत्राणां समाधानम् आङ्ग्लभाषयाऽपि कर्तुं शक्यते, किन्तु तदर्थं वरिष्ठाध्यापकद्वारा प्रार्थनापत्रं प्रदाय कुलसचिवस्यानुमतिप्राप्तिरावश्यकी ।

४—परीक्षाप्रकारः

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयपरीक्षा मौखिकप्रायोगिकलेखबद्धरूपेण त्रेधा भविष्यन्ति । तत्र मौखिकप्रायोगिकपरीक्षे परीक्षासमितेः नियमानुसारेण नियुक्तैः परीक्षकैः करिष्येते । लेखबद्धपरीक्षा लिखितप्रश्नपत्रद्वारा वा यथानियमं भविष्यति ।

(क) अन्धच्छात्राणां परीक्षा प्रकारः अन्धच्छात्राणां परीक्षा सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालये एव भविष्यति । सा च मौखिकी । इयं च परीक्षारम्भतिथेरारभ्य परीक्षासमाप्तेरन्तराले भविष्यति ।

(ख) विकलाङ्गच्छात्राणां परीक्षा प्रकारः वरिष्ठ-जनपद-चिकित्साधिकारिणा (सिविलसर्जन द्वारा) लेखनासमर्थत्वेन प्रमाणितानामन्धव्यतिरिक्तानां विकलाङ्गानां छात्राणा परीक्षा तत्तत् परीक्षार्थं निर्दिष्टेषु केन्द्रेषु भविष्यति । तदर्थं प्रविविक्षितपरीक्षातो न्यून योग्यताकस्य लेखकस्य नियुक्तिः कुलपति वा करिष्यते ।

२-विकलाङ्गपरीक्षार्थिभिरधोनिर्दिष्टलेखकपारिश्रमिकद्रव्यं द्रव्यप्रेषणनियमानुसारेण (बैंकड्राफ्ट अथवा पोस्टल आर्डर द्वारा) परीक्षावेदनपत्रेण सहैव प्रेषणीयम् । सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालयस्यार्थानुभागे वा देयम् ।

प्रथमापरीक्षातः उत्तरमध्यमापरीक्षां यावत् प्रतिप्रश्नपत्रं रूप्यकत्रयम् (३रु०) । शास्त्र्याचार्यपरीक्षयोश्च प्रतिप्रश्नपत्रं पञ्चरूप्यकाणि (५रु०) ।

५—परीक्षा तिथयः

सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालय-परीक्षाः यथासम्भवं मार्चमासस्य प्रथमसप्ताहात् परं प्रतिवर्षं विश्वविद्यालयेन निर्धारितेषु केन्द्रेषु नियतेषु दिनाङ्केषु कालेषु च भविष्यन्ति ।

परीक्षाप्रवेशनिर्देशः

सम्पूर्णानन्द संस्कृतविश्वविद्यालयपरीक्षासु परीक्षार्थिनः विद्यालयीयच्छात्ररूपेण अभिज्ञाताध्यापकच्छात्ररूपेण च प्रवेशमर्हन्ति ।

(क) विद्यालयच्छात्रः नियमतः सम्पूर्णानन्द-संस्कृतविश्वविद्यालयश्च विभिन्नेषु विभागेषु तत्सम्बद्धेषु महाविद्यालयेषु वा कृताध्ययनः प्रतिशतं (६०) षष्ट्युपस्थितिषु सतीषु परीक्षायां प्रवेशमधिकरोति । अनुपस्थितेः उचितकारणे निर्दिष्टे उपस्थितानां न्यूनतायामपि प्रवेशः उपकुलपतेः अनुमत्या भवितुमर्हन्ति ।

(ख) विशेषस्थितौ कुलपतिः परीक्षासु प्रवेशमाज्ञापयितुं प्रभवति।

(ग) कोऽपि छात्रः पूर्वविद्यालयात् त्यागपत्रं विना विद्यालयान्तरस्य छात्रतया परीक्षायां न प्रवेष्टुमर्हति। एतन्नियमभङ्गे छात्रस्य दोषे प्रमाणिते स परीक्षातो बहिष्क्रियेत, विद्यालयस्य च दोषे प्रमाणिते स यथोचितं दण्ड्येत।

(घ) विश्वविद्यालयाधिनियमस्य पञ्चमधारानुसारेण विश्वविद्यालयेन दत्ताधिकारस्य (अभिज्ञानस्य) अध्यापकस्य सन्निधौ तत्परीक्षानियत-पाठ्यग्रन्थानां कात्स्न्र्येन कृताध्ययनस्तत्परीक्षायामधिकृतो भवितुमर्हति।

(ङ) स्वतन्त्रच्छात्राः वक्ष्यमाणलक्षणसम्पन्नत्वे सम्पूर्णानन्दसंस्कृत-विश्वविद्यालयस्य शास्त्र्याचार्यपरीक्षयोः परीक्ष्यत्वेन प्रवेशमर्हन्ति।

(च) सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालये तत्सम्बद्धेषु महाविद्यालयेषु विद्यालयेषु वा अध्यापकता।

(छ) अन्यस्यापि विधिसम्मतस्य विश्वविद्यालयस्य तत्सम्बद्धमहा-विद्यालयस्य शिक्षाविभागसम्बद्धविद्यालयस्य वा अध्यापकता।

(ज) राजकीयसेवासु शिक्षासंस्थासु वा नियुक्तकर्मचारिता।

(झ) सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालये तत्सम्बद्धेषु महाविद्यालयेषु विद्यालयेषु वा नियमतः अधीत्य तत्परीक्षायामनुत्तीर्णताऽनुपस्थितिर्वा।

(ञ) महिलात्वम्।

विशेषः—

(अ) शिक्षाशास्त्रग्रन्थालयविज्ञानशास्त्र्यायुर्वेदाचार्यप्रमाणपत्रीयपरी-क्षासु नियमतः अधीत्य परीक्षायामनुपस्थिताः अथवा अनुत्तीर्णा एव स्वतन्त्रच्छात्ररूपेण प्रवेशमर्हन्ति।

(आ) प्रथमपूर्वमध्यमोत्तरमध्यमापरीक्षासु स्वतन्त्रच्छात्ररूपेण प्रवेशार्थं कोऽपि निर्दिष्टनियमप्रतिबन्धो नास्ति।

(इ) सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयपरीक्षासु एकस्मिन् वर्षे एकस्या-मेव परीक्षायां परीक्षार्थी प्रवेशमर्हति। किन्तु मुख्यपरीक्षया सह प्रमाण-पत्रीयपरीक्षायाम् एकविषयकपरीक्षायां वा एकस्मिन्नपि वर्षे प्रवेष्टुं शक्नोति।

एकविषयकपरीक्षा पूरकपरीक्षया सह भविष्यति।

(ई) कस्यापि विद्यालयस्याध्यापकः विद्यालयच्छात्ररूपेण परीक्षायां प्रवेष्टुं नाधिकुरुते।

(उ) ये छात्राः पूर्वमध्यमापरीक्षायाम् उत्तरमध्यमापरीक्षायां वा अंग्रेजीविषयं न गृहीतवन्तः स्युः ते उत्तरमध्यमापरीक्षायां शास्त्रिपरीक्षायां वा अंग्रेजीविषयं ग्रहीतुं न प्रभवन्ति। किन्तु उत्तरप्रदेश-माध्यमिकशिक्षा-परिषदा प्रवर्तितायां हाईस्कूलपरीक्षायां तत्समकक्षपरीक्षायां वा अंग्रेजी-विषयं गृहीत्वोत्तीर्णाः उत्तरमध्यमापरीक्षायाम्, इण्टरमीडिएटपरीक्षायां तत्समकक्षपरीक्षायां वा अंग्रेजीविषयं गृहीत्वोत्तीर्णाश्छात्राः शास्त्रिपरीक्षा-याम् अंग्रेजीविषयं ग्रहीतुं प्रभवन्ति।

(ऊ) प्रथमखण्डे अंग्रेजीप्रश्नपत्रपरीक्षायामनुत्तीर्णा द्वितीयखण्डे अंग्रेजी-विषयं गृहीत्वा परीक्षायां प्रवेशं नार्हन्ति।

७—प्रवेशार्हतानियमाः

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयपरीक्षासु निम्ननिर्दिष्टयोग्यताकारा-छात्रास्तत्तत्परीक्षासु तत्तद्विषयेषु च प्रवेशमर्हन्ति। कस्या अपि परीक्षायाः प्रथमखण्डे गृहीतविषयाणां तस्याः परीक्षायाः द्वितीयखण्डे तृतीयखण्डे वा परिवर्तनं नानुमतम्।

(क) प्रथमापरीक्षा

निम्नलिखितपरीक्षासूत्तीर्णा एवास्यां परीक्षायां प्रवेष्टुमर्हन्ति ।

(अ) प्रारम्भिकविद्यालयस्य पञ्चमकक्षा

(आ) तत्समकक्षपरीक्षा

(ख) पूर्वमध्यमापरीक्षा

पूर्वमध्यमापरीक्षायाः प्रथमखण्डे वक्ष्यमाणपरीक्षासूत्तीर्णाः प्रवेशमर्हन्ति ।

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य

(अ) प्रथमापरीक्षा (सर्वा) वाराणसेयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्यवा ।

(आ) प्रथमापरीक्षा काशिकराजकीयसंस्कृतमहाविद्यालयस्य ।

(इ) ज्ञानप्रभापरीक्षा ,, ,, ,,

(ई) प्रवेशिकापरीक्षा काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य

(उ) प्रथमापरीक्षा विहारसंस्कृतसमितेः

(ऊ) प्रथमापरीक्षा कामेश्वरसिंह-दरभंगासंस्कृतविश्वविद्यालयस्य

(ए) जूनियरहाईस्कूलपरीक्षा (संस्कृतसहिता) उत्तरप्रदेश शिक्षाविभागस्य ।

(ऐ) कस्यापि प्रादेशिकशासनस्य शिक्षाविभागद्वारा प्राप्तमान्यताकस्य समितेर्विश्वविद्यालयस्य वा तत्समकक्षपरीक्षा संस्कृतेन सह ।

(ओ) सम्बद्धमहाविद्यालयानां प्रधानाचार्यैः विश्वविद्यालयस्याचार्यैः (विभागाध्यक्षैः) का योग्यतापरीक्षाद्वारा अर्हतायाम् प्रमाणितायाम्

अदत्तप्रथमादिपरीक्षाः छात्राः पूर्वमध्यमापरीक्षायाः प्रथमवर्षे अवेशमर्हन्ति। योग्यतापरीक्षायाः उत्तरपुस्तिकाश्च नूनं संरक्षणीयाः येनापेक्षिते सति तासां निरीक्षणं भवेत् ।

विशेषः—

१. सस्कृतेन सह जूनियरहाईस्कूलपरीक्षां तत्समकक्षपरीक्षां वा उत्तीर्णाः प्राचीनव्याकरणदर्शनसाहित्यज्योतिषपुराणेतिहासथेरवादबौद्धदर्शनविषयेष्वेव पूर्वमध्यमापरीक्षायां प्रवेशमर्हन्ति ।

२. पूर्वमध्यमापरीक्षायाः प्रथमखण्डे उत्तीर्णाः एव छात्राः द्वितीयखण्डे प्रवेशमर्हन्ति ।

(ग) उत्तरमध्यमापरीक्षा

उत्तरमध्यमापरीक्षायाः प्रथमखण्डे वक्ष्यमाणपरीक्षासूत्तीर्णाः प्रवेशमर्हन्ति ।

(अ) पूर्वमध्यमापरीक्षा (सर्वा) सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य ।

(आ) पूर्वमध्यमापरीक्षा-काशिकराजकीयसंस्कृतमहाविद्यालयस्य ।

(इ) ज्ञानश्रीपरीक्षा-काशिकराजकीयसंस्कृतमहाविद्यालयस्य ।

(ई) पूर्वमध्यमापरीक्षा (नवीनपाठ्यक्रमेण) विहारसंस्कृतसमितेः ।

(उ) पूर्वमध्यमापरीक्षा (नवीनपाठ्यक्रमेण) कामेश्वरसिंहदरभङ्गासंस्कृतविश्वविद्यालयस्य ।

(ऊ) हाईस्कूलपरीक्षा (संस्कृतविषयसहिता) उत्तरप्रदेशमाध्यमिकशिक्षापरिषदः किन्तु संस्कृते प्रतिशतं षष्यङ्कानां लाभः १९८२ वर्षीयपरीक्षातोऽनिवार्यः ।

(ए) कस्यापि प्रादेशिकशासनस्य शिक्षाविभागद्वारा प्राप्तमान्यता-कसमितेः विश्वविद्यालयस्य वा तत्समकक्षपरीक्षा संस्कृतेन सह। किन्तु संस्कृते प्रतिशतं षष्ठचङ्कानां लाभः अनिवार्यः।

विशेषः—

१—(क) पूर्वमध्यमापरीक्षायां गृहीतः कवर्गीयो विषयः उत्तरमध्यमा-परीक्षायां कवर्गीयो विषयो भविष्यति, किन्तु कमपि कवर्गीयं विषयं गृहीत्वोत्तीर्णपूर्वमध्यमापरीक्षः संस्कृतेन सह हाईस्कूलपरीक्षां तत्समकक्ष-परीक्षां वा उत्तीर्णः केवलं प्राचीनव्याकरणसाहित्यज्योतिषपुराणेतिहास-थेरवादबौद्धदर्शनविषयेषूत्तरमध्यमापरीक्षायां प्रवेशमर्हति।

(ख) पूर्वमध्यमायां गृहीतः खवर्गीयः विषयः उत्तरमध्यमायां परि-वर्तितो भवितुमर्हति किन्तु कस्यामपि परीक्षायां प्रथमवर्षे गृहीतः कोऽपि विषयः द्वितीयवर्षे परिवर्त्तितो भवितुं नार्हति।

(ग) परन्तु ये छात्राः पूर्वमध्यमायां तत्समकक्षपरीक्षायां वा विज्ञान-विषयं न गृहीतवन्तः स्युः ते उत्तरमध्यमेयां विज्ञानविषयं गृहीत्वा प्रवेशं नार्हन्ति।

२—उत्तरमध्यमापरीक्षायाः प्रथमखण्डे उत्तीर्णा एव छात्रा द्वितीयखण्डे प्रवेशमर्हन्ति।

३—यदिकश्चित् छात्रः निर्धारितपाठ्यक्रममवलम्ब्य प्रथमवर्षपरीक्षो-त्तीर्णानन्तरं द्वादश (१२) वर्षानामवधेः पश्चात् पुनः द्वितीयवर्षस्य परीक्षायां प्रविष्टुमिच्छति तर्हि एतादृशः छात्रः, द्वितीयवर्षस्य पाठ्यक्रमेषु अधिकांशभागस्यपरिवर्तनकारणात् पुनः प्रथमवर्षस्यैव परीक्षायां प्रवेशार्हो भविष्यति।

(घ) शास्त्रिपरीक्षा

१—शास्त्रिपरीक्षायाः प्रथमखण्डे वक्ष्यमाणपरीक्षासूत्तीर्णाः प्रवेश-मर्हन्ति।

(अ) उत्तरमध्यमापरीक्षा (सर्वा) सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य।

(आ) उत्तरमध्यमापरीक्षा-मध्यमापरीक्षा वा काशिकराजकीयसंस्कृत-महाविद्यालयस्य।

(इ) उत्तरमध्यमापरीक्षा (नवीनपाठ्यक्रमेण) विहारसंस्कृतसमितेः।

(ई) उत्तरमध्यमापरीक्षा (नवीनपाठ्यक्रमेण) कामेश्वरसिंहदरभंगा संस्कृतविश्वविद्यालयस्य।

(उ) मध्यमापरीक्षा-काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य।

(ऊ) भारतीपरीक्षा-काशिकराजकीयसंस्कृतमहाविद्यालयस्य।

(ए) शास्त्रिपरीक्षा-जयपुरराजकीयसंस्कृतमहाविद्यालयस्य।

(ऐ) शास्त्रिपरीक्षा-पंजाबविश्वविद्यालयस्य।

(ओ) संस्कृतप्रमाणपत्रीयपरीक्षा - सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य वा वाराणसेयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य।

(औ) तीर्थपरीक्षा-बङ्गीयसंस्कृतशिक्षापरिषदः।

(अं) इण्टरमीडिएट परीक्षा (संस्कृतसहिता) उत्तरप्रदेशमाध्यमिक-शिक्षापरिषदः किन्तु संस्कृते प्रतिशतं षष्ठ्यङ्कानां लाभः १९८२ वर्षीय परीक्षातः अनिवार्यः।

(अः) कस्यापि प्रादेशिकशासनस्य शिक्षाविभागद्वारा प्राप्तमान्यताक-समितेः विश्वविद्यालयस्य वा तत्समकक्षपरीक्षा संस्कृतेन सह किन्तु संस्कृते प्रतिशतं षष्ठ्यङ्कानं लाभ १९८२ वर्षीय परीक्षातः अनिवार्यः।

विशेषः—

२—एते वक्ष्यमाणक्रमेण परीक्षायामन्वेतुमर्हन्ति

उत्तरमध्यमापरीक्षायां गृहीतः कवर्गीया विषयः शास्त्रिपरीक्षायां कवर्गीयो विषयो भविष्यति, किन्तु कमपि कवर्गीयं विषयं गृहीत्वोत्तीर्णोत्तरमध्यमापरीक्षः संस्कृतेन सह इण्टरमीडिएटपरीक्षां तत्समकक्षपरीक्षां वोत्तीर्णो वेदनव्यव्याकरणनव्यन्यायगणितसिद्धान्तज्योतिषातिरिक्तं यमपि कवर्गीयं विषयं गृहीत्वा शास्त्रिपरीक्षायां प्रवेशमर्हति ।

(क) पंजाबविश्वविद्यालयस्य शास्त्रिपरीक्षां न्यायम्, वेदान्तम्, सांख्ययोगम्, मीमांसाम्, व्याकरणम्, अलंकारं वा विकल्परूपेण गृहीत्वोत्तीर्णास्तेषु विषयेषु शास्त्रिपरीक्षायां प्रवेशमर्हन्ति । किन्तु नव्यन्याये नव्यव्याकरणे वा प्रवेशं नार्हन्ति ।

(ख) उत्तरमध्यमायां गृहीतः ख वर्गीयः विषयः शास्त्रिपरीक्षाया परिवर्तितो भवितुमर्हति किन्तु कस्यामपि परीक्षायां प्रथमखण्डगृहीतः कोऽपि विषय द्वितीयखण्डे परिवर्तितो भवितुं नार्हति ।

(ग) ये छात्राः उत्तरमध्यमायां तत्समकक्षपरीक्षायां वा विज्ञानविषयं न गृहीतवन्तः स्युः ते शास्त्रिपरीक्षायां विज्ञानविषयं गृहीत्वा प्रवेशं नार्हति ।

(घ) खवर्गे गणितं गृहीत्वोत्तीर्णोत्तरमध्यमापरीक्षाः उत्तीर्णं तत्समकक्षपरीक्षाः वा छात्राः कवर्गे गणितं गृहीत्वा शास्त्रिपरीक्षायां प्रवेशमर्हन्ति ।

(च) याश्छात्राः उत्तरमध्यमायां तत्समदक्षपरीक्षायां वा गृहविज्ञानविषयं न गृहीतवत्यः ताः शास्त्रिपरीक्षायां गृहविज्ञानविषयं गृहीत्वा प्रवेशं नार्हन्ति ।

(छ) क वर्गीयं प्राचीनराजशास्त्रार्थशास्त्रविषयं गृहीत्वा शास्त्रिपरीक्षायामन्वेतुकामश्छात्रः खवर्गीयेष्वधोलिखितेष्वेव विषयेषु कमप्येकं ग्रहीतुं शक्नोति ।

१. राजशास्त्रम् २. अर्थशास्त्रम् ३. इतिहास ४. प्राचीनभारतीयेतिहासः संस्कृतिश्च ५. राजशास्त्रदर्शनम् ।

(ज) उत्तीर्णभारतीपरीक्षाश्छात्राः शास्त्रिपरीक्षायां कवर्गीयविषयेषु साहित्यम्, पुराणेतिहासम्, आगमम्, थेरवादम्, जैनागमं वा गृहीत्वा प्रवेशमर्हन्ति ।

१—यदि कश्चित् छात्रः निर्धारितपाठ्यक्रममवलम्ब्य प्रथमवर्षं परीक्षोत्तीर्णानन्तरं द्वादश (१२) वर्षाणामवधेः पश्चात् पुनः द्वितीयवर्षस्य परीक्षायां प्रतिष्ठमिच्छति तर्हि एतादृष्टः छात्रः द्वितीयवर्षस्य पाठ्यक्रमेषु अधिकांशभागस्य परिवर्तनकारणात् पुनः प्रथमवर्षस्यैव परीक्षायां प्रवेशार्हो भविष्यति ।

४—शास्त्रिपरीक्षायां प्रथमखण्डे उत्तीर्णा एव छात्रा द्वितीयखण्डे प्रवेशमर्हन्ति ।

(ङ) आचार्यपरीक्षा

(१) आचार्यपरीक्षायाः प्रथमखण्डे वक्ष्यमाणपरीक्षासूत्तीर्णाः प्रवेशमर्हन्ति ।

(अ) शास्त्रिपरीक्षा (सर्वा) सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य वा वाराणसेयसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य ।

(आ) शास्त्रिपरीक्षा-काशिकराजकीयसंस्कृतमहाविद्यालयस्य ।

(इ) शास्त्रिपरीक्षा-काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य ।

(ई) शास्त्रिपरीक्षा-लखनऊ-विश्वविद्यालयस्य ।

(उ) शास्त्रिपरीक्षा (नवीनपाठ्यक्रमेण) विहारसंस्कृतसमितेः, कामेश्वरसिंह-दरभंगासंस्कृतविश्वविद्यालयस्य वा ।

(ऊ) बी० ए० परीक्षा (संस्कृतेन सह) विधिसम्मतविश्वविद्यालयान्तराणाम् ।

(संस्कृते षष्ठि (६०) प्रतिशताङ्कानां) लाभः १९८२ वर्षीय परीक्षातः अनिवार्यः ।

(ए) वेदालङ्कारपरीक्षा गुरुकुलकांगड़ीविश्वविद्यालयस्य ।

(ऐ) विद्यालंकारपरीक्षा ,, ,,

(ओ) शास्त्रिपरीक्षा (संस्कृतेन सह) काशीविद्यापीठस्य ।

(संस्कृते षष्ठि (६०) प्रतिशताङ्कानां) लाभः १९८२ वर्षीय परीक्षातः अनिवार्यः ।

(औ) आयुर्वेदाचार्यपरीक्षा-सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य ।

(२) शास्त्रिपरीक्षायां गृहीतः कवर्गीयो विषयः आचार्यपरीक्षायाः विषयो भविष्यति, किन्तु --

(क) कमपि कवर्गीयं विषयं गृहीत्वोत्तीर्णशास्त्रिपरीक्षः समुत्तीर्णाधुनिकशास्त्रिपरीक्षो विधिसम्मतविश्वविद्यालयान्तराणां संस्कृतेन सह उत्तीर्णो बी० ए० परीक्षः उत्तार्णं तत्समकक्षपरीक्षो वा वेदनव्यव्याकरणनव्यन्यायगणितसिद्धान्तज्यौतिषातिरिक्तं कमपि विषयं गृहीत्वा आचार्यपरीक्षायां प्रवेशमर्हति ।

(ख) वेदालंकारपरीक्षामुत्तीर्णः केवलं वेदनैरुक्तप्रक्रियायाः साहित्यस्य वा आचार्यपरीक्षायां प्रवेशमर्हति ।

(ग) विद्यालंकारपरीक्षामुत्तीर्णः साहित्यस्य दर्शनस्य वा आचार्यपरीक्षायां प्रवेशमर्हति ।

(घ) प्राचीनन्यायवैशेषिकविषये समुत्तीर्णशास्त्रिपरीक्षः नव्यन्यायाचार्यपरीक्षायामपि अन्वेतुमर्हति ।

(ङ) उत्तीर्णः पौरोहित्यशास्त्रिपरीक्षः, कर्मकाण्डशास्त्रिपरीक्षश्च शुक्लयजुर्वेदाचार्यपरीक्षायामपि अन्वेतुमर्हति ।

(च) वेदनैरुक्तप्रक्रियां विहाय कस्मिन्नपि एकस्मिन् वेदविषये आचार्यपरीक्षोत्तीर्णः वेदान्तरस्याचार्यपरीक्षायामन्वेतुमर्हति ।

(छ) अस्यविश्वविद्यालयस्य आयुर्वेदाचार्यपरीक्षोत्तीर्णः साहित्यपुराणेतिहाससांख्ययोगविषयेषु कमपि एकं विषयं गृहीत्वा आचार्यपरीक्षायां प्रवेशमर्हति ।

(ज) दर्शनं पालिविषयं वा गृहीत्वा एम० ए० परीक्षामुत्तीर्णः बौद्धदर्शनविषयस्य आचार्यपरीक्षायां प्रवेशमर्हति, किन्तु यदि तेन भारतीयदर्शनानाम् एको वर्गोऽधिकृतः स्यात्, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्योत्तरमध्यमापरीक्षां तत्समकक्षसंस्कृतमध्यमापरीक्षां वोत्तीर्णो भवेत् ।

(झ) थविरवादे ख वर्गे पालिभाषायां वा समुत्तीर्णशास्त्रिपरीक्षः पालिभाषायां समुत्तीर्णो बी० ए० परीक्षो वा पालिविषयस्य आचार्यपरीक्षायां प्रवेशमर्हति ।

(ञ) जैनागमे खवर्गे प्राकृतभाषायां वा समुत्तीर्णशास्त्रिपरीक्षः प्राकृतविषयस्य आचार्यपरीक्षायां प्रवेशमर्हति ।

(ट) दर्शनविषये संस्कृते वा एम० ए० परीक्षोत्तीर्णः तुलनात्मक दर्शनाचार्यपरीक्षायामन्वेतुमर्हति ।

(ठ) एकस्मिन् विषये समुत्तीर्णाचार्यपरीक्षः वेदनव्यव्याकरणनव्यन्यायगणितसिद्धान्तज्यौतिषेतरविषयेष्वाचार्यपरीक्षायां प्रवेशमर्हति ।

(ङ) एकस्मिन् विषये आचार्यपरीक्षोत्तीर्णः छात्रोऽन्यस्मिन् तस्मिन्नेव विषये विश्वविद्यालयस्य नियमितः छात्रो भवितुमर्हति यस्मिन् विषये छात्राः अल्पसंख्यायामुपलभ्यते।

भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषदा, निर्धारितपाठ्यक्रमानुकूलमभिस्वीकृतस्य विश्वविद्यालयस्य, परिषदो (बोर्डस्य) वा उत्तरमध्यमा (विज्ञानविषयसहितां) परीक्षां अथवा इण्टरमीडिएटपरीक्षां (विज्ञान संस्कृतविषयसहितां) वोत्तीर्णाः मुख्यायुर्वेदपाठ्यक्रमे प्रवेशार्हाः भविष्यन्ति।

(१) शिक्षाशास्त्रिपरीक्षायां वक्ष्यमाणपरीक्षोत्तीर्णाः स्नातकाः सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालये एतदर्थमान्यताप्राप्तसम्बद्धमहाविद्यालयेषु वा शैक्षणिकसत्रं यावत् शिक्षणसिद्धान्तस्य शिक्षणप्रयोगस्य च पाठ्यक्रमं सम्यगधीत्य प्रवेशमर्हति—

(२) आचार्यपरीक्षायाः प्रथमवर्षे यो यं विषयमवलम्ब्योत्तीर्णः स तस्मिन्नेव विषये द्वितीयवर्षपरीक्षायां, तत्रोत्तीर्णः तृतीयवर्षपरीक्षायामन्वेतुमर्हति।

(४) यदि कश्चित् छात्रो निर्धारितपाठ्यक्रममवलम्ब्य प्रथमवर्षपरीक्षोत्तीर्णानन्तरं द्वादश (१२) वर्षाणामवधेः पश्चात् पुनः द्वितीयवर्षस्य परीक्षायां प्रवेष्टुमिच्छति तर्हि एतादृशश्छात्रो द्वितीयवर्षस्य पाठ्यक्रमेषु अधिकांशभागस्य परिवर्तनकारणात् पुनः प्रथमवर्षस्येव परीक्षायां प्रवेशार्हो भविष्यति।

(ज) शिक्षाचार्य परीक्षा

१—वक्ष्यमाणपरीक्षामुत्तीर्णा सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालये एव शैक्षणिकसत्रं यावत् एतदर्थं निर्धारितंपाठ्यक्रमं सम्यगधीत्य शिक्षाचार्यपरीक्षायामन्वेतुमर्हन्ति

(क) शिक्षाशास्त्रि-परीक्षा (बी० एड्०) सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्व-विश्वविद्यालयस्य

(ख) बी० एड्० परीक्षा० विश्वविद्यालयान्तराणाम्

(ग) बी० टी० अथवा एल० टी० (परीक्षा) राजकीय प्रशिक्षण विभागस्य

(ज) ग्रन्थालयविज्ञानशास्त्रिपरीक्षा

ग्रन्थालयविज्ञानशास्त्रिपरीक्षायां वक्ष्यमाणाः स्नातकाः यया नियमं प्रवेशमर्हन्ति।

(अ) सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयस्य वाराणसेयसंस्कृतविश्व-विद्यालयस्य वा शास्त्रिपरीक्षाम् आचार्यपरीक्षां वोत्तीर्णाः।

(आ) काशिकराजकीयसंस्कृतमहाविद्यालयस्य शास्त्रिपरीक्षाम् आचार्य-परीक्षाम् वोत्तीर्णाः।

(इ) बी० ए० (संस्कृतेन सह) विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालयस्य

(ई) एम० ए० (संस्कृते) „ „ „

(झ) संस्कृतप्रमाणपत्रीयपरीक्षा

संस्कृतप्रमाणपत्रीयपरीक्षाया वक्ष्यमाणाश्छात्राः प्रवेशमर्हन्ति। परीक्षेयं विदेशादागतानां छात्राणां कृते निर्धारितास्ति।

(अ) स्वदेशस्य मैट्रिकपरीक्षायां तत्समकक्षयोग्यतायाः कस्मिंश्चित् परीक्षान्तरे वा उत्तीर्णः।

(आ) विभागाध्यक्षेण योग्यतया प्रमाणिताः।

(अ) स्नातकोत्तरभाषाविज्ञानप्रमाणपत्रीयपरीक्षा

स्नातकोत्तरभाषाविज्ञानप्रमाणपत्रीयपरीक्षायां वक्ष्यमाणाः स्नातकाः प्रवेशमर्हन्ति ।

(अ) कस्यामपि भाषायाम् एम० ए० परीक्षोत्तीर्णाः

(आ) साहित्यनव्यव्याकरण-प्राचीनव्याकरण-पालि-विषयेषु आचार्य-परीक्षोत्तीर्णाः ।

(ट) विदेशीभाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षा । रूसी-जर्मन फ्रेञ्च-तिब्बती चीनी-नेपाली-पालि-अंग्रेजीभाषासु विदेशभाषा-प्रमाणपत्रीयपरीक्षासु अंग्रेजीसहितानुत्तरमध्यमापरीक्षा तत्समकक्षपरीक्षां वोत्तीर्णाः प्रवेशमर्हन्ति ।

(ठ) उच्चतर डिप्लोमा (अनुवादकपाठ्यक्रम) परीक्षा [रूसी, फ्रेञ्च-जर्मन-चीनी तिब्बती भाषाणाम् उच्चतर डिप्लोमा अनुवादकपाठ्यक्रम] परीक्षायां त एव छात्राः प्रवेशमर्हन्ति ये यत्तद्भाषाप्रमाणपत्रीय-परीक्षामुत्तीर्णाः ।

(ड) संगीतप्रमाणपत्रीयपरीक्षा

संगीतप्रमाणपत्रीयपरीक्षाया अध्यापकेन योग्यतया प्रमाणितः प्रवेशमर्हति ।

(ढ) संस्कृतयोग्तापरीक्षा

संस्कृतयोग्यतापरीक्षायां त एव छात्राः प्रवेशमर्हन्ति ये हाईस्कूल-परीक्षां तत्समकक्षपरीक्षां वोत्तीर्णाः अथवा यान् कुलपतिः अस्य पाठ्यक्रमस्य योग्यान् मन्येत ।

विशेषः

विषयान्तरेषु एम० ए० परीक्षासूत्तीर्णान् आचार्यपरीक्षासूत्तीर्णानपि कुलपतिः प्रवेशानुमतिं प्रदातु शक्नोति ।

८. परीक्षावेदनपत्रग्रहणपूरणप्रेषणनियमः

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयपरीक्षासु प्रवेशार्थं विश्वविद्यालयेन मुद्रितमावेदनपत्रं परीक्षार्थिभिः वक्ष्यमाणविधिना प्राप्यं पूरणीयं प्रेषणीयं च भविष्यति ।

(क) सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयपरीक्षासु प्रविविक्षूणां विद्यालय-परीक्षार्थिनां कृते विद्यालयप्रधानाचार्यैः स्वतन्त्रपरीक्षार्थिभिश्च स्वयं निर्धारितपरीक्षावेदनपत्रप्राप्त्यर्थं सितम्बरमासस्य द्वयकदिनाङ्कात् परम् उपकुलसचिव सम्पूर्णानन्द संस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी, इति सङ्केतेन प्रार्थनापत्रं प्रेषणीयम् ।

(ख) विश्वविद्यालयसम्बद्धविद्यालयानां प्रधानाचार्याः प्रत्यावेदनपत्रं रुप्यकमेकं (१ रु०) प्रेषणव्ययातिरिक्तं द्रव्यप्रेषणनियमानुसारेण बैंक ड्राफ्ट अथवा पोस्टलआर्डर द्वारा) प्रेष्य विश्वविद्यालयीयार्थानुभागे दत्त्वा वा परीक्षानुभागकार्यालयात् परीक्षावेदनपत्राणि प्राप्तुं शक्नुवन्ति ।

[ग] सम्बद्धविद्यालयाः सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविद्यालयात् प्राप्तमान्यताकपरीक्षा-विषयेष्वेव परीक्षावेदनपत्राणि प्रेषयितुं शक्नुवन्ति ।

[घ] विद्यालयप्रधानाचार्येण परीक्षावेदनपत्रप्राप्त्यर्थं प्रेष्यमाणे प्रार्थनापत्रे प्रार्थितावेदनपत्रकपरीक्षाणां [प्रथमा, पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा-शास्त्री, आचार्य इत्येवं रूपेण] नामानि निर्देष्टव्यानि, परीक्षावेदनपत्राणां संख्या च साङ्कुलेख्या ।

[ङ] स्वतन्त्रपरीक्षार्थिभिस्तु स्वयमावेदनपत्रस्य नियतं मूल्यं द्रव्य-प्रेषणनियमानुसारेण [बैंकड्राफ्ट पोस्टलआर्डर द्वारा वा] प्रेष्य विश्वविद्या-लयास्यार्थानुभागे दत्त्वा वा परीक्षावेदनपत्राणि प्राप्तुं शक्नुवन्ति ।

(च) परीक्षार्थिभिः परीक्षावेदनपत्राणि अनुक्रमाङ्कं वर्जयित्वा स्वयं पूरणीयानि । प्रवेशपत्रं तु विद्यालयप्रधानाचार्येण पूरणीयम्, तत्र

परीक्षार्थिनः हस्ताक्षरं च प्रमाणयितव्यम्। [अन्धच्छात्रैः लेखनासमर्थविकलाङ्गछात्रैश्च परैरितेऽपि स्वीये आवेदनपत्रे हस्ताक्षरस्थाने अङ्गुष्ठाङ्कनं विधेयम्। तच्च तदर्थमधिकृतेन प्रमाणयितव्यम्। विद्यालयीयपरीक्षार्थिभिः आवेदनपत्रस्य नियते स्थाने अव्यवहितपूर्वदत्तोत्तीर्णपरीक्षाविवरणं विद्यालयनाम् चावश्यमुल्लेख्यम्।

(छ) स्वतन्त्रैः परीक्षार्थिभिः परीक्षावेदनपत्रस्य पूरणसये तत्र नियते स्थाने अव्यवहितपूर्वदत्तोत्तीर्णपरीक्षाविवरणमवश्यमुल्लेख्यम्। तैः परीक्षावेदनपत्रेण सह नियताधिकारितः प्राप्तमेकं प्रमाणपत्रमपि प्रेष्यम् यस्मिन्निदमुल्लिखितं स्यात् 'अयं परीक्षार्थी निर्धारितपरीक्षाप्रवेशार्हतासम्पन्नः'।

(ज) विद्यालीयच्छात्रैः स्वीयमावेदपत्रं प्रधानाचार्यस्य सन्निधौ पूरणीयम्। प्रधानाचार्येण च छात्रस्य प्रविविक्षुपरीक्षाप्रवेशार्हता प्रमाणयितव्या।

[झ] सर्वविधैः परीक्षार्थिभिः स्वकीये आदेदनपत्रे परीक्षावेदनपत्राग्रसारकेण प्रमाणितं पारपत्राकारं (पासपार्टसाइज) छायाचित्रद्वयं [दो फोटो] निर्दिष्टस्थानयोः सयोज्य प्रेषणीयम्।

[ञ] परीक्षार्थिभिः अव्यवहितपूर्वोत्तीर्णपरीक्षालब्धाङ्कपत्रस्य प्रमाणिता प्रतिलिपिः परीक्षावेदनपत्रेण सहैव प्रेषणीया।

आचार्यैतृतीयखण्डपरीक्षार्थिभिस्तु प्रथमद्वितीयखण्डयोः प्रमाणिते लब्धाङ्कपत्रप्रतिलिपी अवश्यं प्रेषणीये।

[ट] प्रधानाचार्यैः स्वविद्यालयीयानां परीक्षार्थिनां परीक्षावेदनपत्राणि संगृह्य सम्यक् परीक्ष्य च सर्वथा निर्दोषत्वे प्रमाणितानि कृत्वा सशुल्कं परीक्षानुभागकार्यालये युगपत् प्रेषणीयानि।

[ठ] विज्ञानविषये तैरेव विद्यालयैः परीक्षावेदनपत्राणि प्रेषणीयानि यत्रविज्ञानाध्यापकस्य विज्ञानप्रयोगशालायाश्च व्यवस्था स्यात्। स्वतन्त्रपरीक्षार्थिभिस्तु विज्ञानविषयो ग्रहीतुं न शक्यते।

(ड) संगीत विषये गृहविज्ञानविषये च तैरेव विद्यालयैः परीक्षावेदनपत्राणि प्रेषणीयानि यत्र सम्बद्धविषयाध्यापकस्य सम्बद्धोपकरणयस्य च व्यवस्था स्यात् स्वतन्त्रपरीक्षार्थिभिस्तु संगीत गृहविज्ञानवियौ ग्रहीतुं न शक्येते।

(ढ) स्वतन्त्रपरीक्षार्थिनां परीक्षावेदनपत्राणि तु अग्रसारकाधिकारिभिरेव सशुल्कं प्रेषणीयानि।

(ण) निर्धारितपरीक्षाशुल्कलब्धाङ्कशुल्काभ्यां विना किमपि परीक्षावेदनपत्रं स्वीकृतं न भविष्यति।

(त) परीक्षायां प्रथमप्रवेशार्थिनां छात्राणां परीक्षावेदनपत्रस्वीकृतये निर्धारितप्रवेशशुल्कप्रदानमपि अनिवार्यम्।

(थ) पूरितपरीक्षावेदनपत्रं शुल्कं च युगपत अक्टूबरमासस्य ३१ दिनाङ्कात्पूर्वमेव परीक्षानुभागकार्यालये प्रेषणीये। ततः पश्चात् नवम्बरमासस्य १५ दिनांक यावत् प्रतिच्छात्रं पञ्चरूप्यक (५ रु०) विलम्बशुल्केन सह प्रेषितान्येव परीक्षावेदनपत्राणि स्वीकृतानि भविष्यन्ति। ततः परस्तात् प्रेषितमावेदनपत्रं तु कुलपतेरादेशमन्तरा स्वीकृतं न भविष्यति।

९—अग्रसारकप्रमाणयितृनिर्देशः

(क) विश्वविद्यालयच्छात्राणां परीक्षावेदनपत्राणि तत्तद्विभागाध्यक्षैः प्रमाणयितव्यानि, अग्रेसारणीयानि च।

(ख) विद्यालयच्छात्राणामावेदनपत्राणि तत्तद्विद्यालयप्रधानाचार्यैः प्रमाणयितव्यानि अग्रेसारणीयानि च।

(ग) स्वतन्त्रपरीक्षार्थिनां सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयपरीक्षावेदनपत्रादीनां प्रमाणेऽग्रसारणे च निम्ननिर्दिष्टाः अधिकृताः सन्ति—

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयेन शासनात् प्राप्तमान्यताकेन केनापि विश्वविद्यालयेन वा शास्त्रिपरीक्षां तत्समकक्षपरीक्षां वा यावत् स्थायिरूपेण स्वीकृतमहाविद्यालयस्य प्रधानाचार्यः, अथवा संस्कृतविद्यालयीनिरीक्षकः, संस्कृतविद्यालयसहायकनिरीक्षकः, शिक्षाविभागीय-विद्यालयानां निरीक्षकः, उपनिरीक्षकः, सहायकनिरीक्षकः, उपसहायकनिरीक्षकः शिक्षाविभाग-स्वीकृतयोः पूर्वमाध्यमिकोत्तर-माध्यमिक (हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट) विद्यालययोरन्यतरस्य प्रधानाचार्यः ।

(घ) अभिज्ञाताध्यापकसमीपेऽध्येतृणां परीक्षार्थिनां परीक्षावेदनपत्राणि तु तत्तदभिज्ञाताध्यापकैरेव प्रमाणयितव्यानि अग्रेसारयितव्यानि च ।

१०–विषयपरिवर्तननियमः

(क) परीक्षावेदनपत्रपूर्त्यनन्तरं विषयपरिवर्तनं सर्वथा असम्भवि ।

(ख) पूर्वमध्यमापरीक्षायां गृहीतः ख वर्गीयो विषयः उत्तरमध्यमा-परीक्षायाम् तत्र च गृहीतः शास्त्रिपरीक्षायां परिवर्तितो भवितुमर्हति, किन्तु कस्यामपि परीक्षायां प्रथमखण्डे गृहीतः कोऽपि विषयः द्वितीयखण्डे परिवर्तितो भवितुं नार्हति ।

(ग परन्तु ये छात्राः पूर्वमध्यमापरीक्षायाम् उत्तरमध्यमापरीक्षायाम् तत्समकक्षपरीक्षायां वा विज्ञानविषयं न गृहीतवन्तः स्युः, ते उत्तरमध्यमा-कक्षायां वा विज्ञानविषयं गृहीत्वा प्रवेशं नार्हन्ति ।

११–केन्द्रपरिवर्तननियमः

परीक्षावेदनपत्रप्रेषणावधौ समाप्ते एकमासाभ्यान्तर एव प्रार्थनापत्रे प्रेषिते केन्द्रस्य परिवर्तनं भवितुमर्हति । केन्द्रपरिवर्तनार्थकप्रार्थनापत्रेण सह नियताधिकारि-प्रमाणितं परीक्षार्थिनः छायाचित्रं प्रेषणीयम् ।
विशेषः –

आवश्यकतानुसारं विश्वविद्यालयः केन्द्रं परिवर्तयितुं शक्नोति ।

१२–सर्वविधद्रव्य (शुल्क) प्रेषणनियमः

(क) परीक्षासम्बन्धिसर्वविधं शुल्कं उपकुलसचिव परीक्षा सम्पूर्णानन्द-संस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी' इति सङ्केतेन कोषीयादेशेन (बैङ्कड्राफ्ट पोस्टलआर्डर द्वारा वा) प्रेषणीयम्, अथवा विश्वविद्यालयीयार्थानुभान-कार्यालये स्वयं देयम् । परीक्षाया असम्बद्धं सर्वविधं शुल्कादिकं कुलसचिव सङ्केतेन प्रेषणीयम् । धनादेश (मनीआर्डर द्वारा प्रेषितं द्रव्यं स्वीकृतं न भविष्यति ।

(ख) प्रतिकार्यं कार्यनिर्देशपुरःसरम् पूर्वनिर्दिष्टविधिना द्रव्यं पृथक्-पृथक् प्रेष्यम् ।

(ग) प्रतिकार्यं प्रेषितस्य द्रव्यस्य प्रेषणप्रमापकपत्राणां क्रमाङ्कदिनाङ्क-योरुल्लेखेन सहावेदनपत्रादीनि प्रेषणीयानि ।

१३–प्रवेशशुल्कम्

(क) एतद्विश्वविद्यालयीयपरीक्षासु प्रथमं प्रविविक्षुभिः परीक्षा-शुल्केन सहैव रूप्यकद्वयम् प्रवेशशुल्कं प्रेषणीयम् ।

(ख) लब्धाङ्कपत्रोल्लिखितायाः प्रवेशसंख्यायाः विस्मृतत्वे परीक्षार्थिनां रूप्यकमेकं शुल्कं दत्त्वा प्रवेशसंख्यापत्रस्य प्रतिलिपिः ग्रहीतुं शक्यते ।

१४–लब्धाङ्कशुल्कम्

(क) लब्धाङ्कपत्रप्राप्तये प्रतिच्छात्रं परीक्षावेदनपत्रेण सहावश्यं प्रेषणीयं रूप्यकत्रयम् (३ रु०) ।

(ख) लब्धाङ्कपत्रप्रतिलिपिप्राप्तये प्रार्थनापत्रेण सह प्रेषणव्ययातिरिक्तं रूप्यकचतुष्टयम् (४ रु०) प्रेषणीयम् ।

१५–परीक्षाशुल्कम्

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयपरीक्षासु प्रविविक्षुभिः प्रतिपरीक्षं वक्ष्यमाणशुल्कविवरणानुसारं शुल्कं प्रदेयम्। अन्धपरीक्षार्थिभिस्तु परीक्षा-शुल्कं न प्रदेयम्।

परीक्षानाम	परीक्षाशुल्कम्		
	विद्यालयीयच्छात्रेभ्यः	स्वतन्त्रच्छात्रेभ्यः	विलम्बशुल्कम्
प्रथमा	१५	२५	१० रु०
पूर्वमध्यमा	२५	३५	१० ,,
उत्तरमध्यमा	३०	४०	१० ,,
शास्त्री	४०	६०	१० ,,
आचार्यः	५०	८५	१० ,,
आयुर्वेदाचार्य-प्रथमद्वितीयखण्डयोः	५० प्रतिखण्डम्	३० प्रतिपत्रम्	१०
तृतीयचतुर्थपञ्चम-खण्डेषु	६५ प्रतिखण्डम्	३५ ,,	१० ,,
शिक्षाशास्त्री	६०	३५ ,,	१० ,,
शिक्षाशास्त्रिविशेष-योग्यता	२०	२० ,,	——
शिक्षाचार्यं प्रतिछात्र	१२०		
संस्कृतप्रमाणपत्रीय-परीक्षा	२५	२० ,,	१० ,,
स्नातकोत्तर-भाषाविज्ञान—प्रमाणपत्रीयपरीक्षा	६५	२५ ,,	१० ,,
स्नातकोत्तर-विदेशीयभाषा—			

परीक्षानाम	परीक्षाशुल्कम्		
	विद्यालयीयच्छात्रेभ्यः	स्वतन्त्रच्छात्रेभ्यः	विलम्बशुल्कम्
प्रमाणपत्रीयपरीक्षा	५०	२५ ,,	१० ,,
विदेशीभाषाप्रमाण-पत्रीयपरीक्षा	५०	२५ ,,	१० ,,
संगीतप्रमाणपत्रीय-परीक्षा	३५	२० ,,	१० ,,
संस्कृतयोग्यता-परीक्षा	२५	——	१० ,,
ग्रन्थालयविज्ञान-शास्त्री	७५	३५ प्रतिपत्रम्	१० ,,
पुरातत्त्वसंग्रालय-विज्ञानशास्त्री	५०	१५ ,,	१० ,,
अनुवादकपाठ्यक्रम-परीक्षा	१००	१० ,,	१० ,,
विद्यावारिधि-परीक्षा	२५०	——	——
वाचस्पति-परीक्षा	३००	——	——
एकविषयकपरीक्षा			लब्धाङ्कशुल्कम्
पूर्वमध्यमा	१५		३ रु०
उत्तरमध्यमा	१५		३ ,,
शास्त्री	२५		३ ,,
पूरकपरीक्षा–			
पूर्वमध्यमा	७		३ ,,
उत्तरमध्यमा	८		३ ,,
शास्त्री	१५		३ ,,

परीक्षानाम	परीशुल्कम्		
	विद्यालयीयच्छात्रेभ्यः	स्वतन्त्रच्छात्रेभ्यः	विलम्बशुल्कम्
आयुर्वेदाचार्य–			
प्रथमद्वितीयखण्डयोः	१० प्रतिखण्डम्	३ ,,	
तृतीयचतुर्थपञ्चम-			
खण्डेषु	२५ प्रतिखण्डम्	३ ,,	

१६–शुल्कसंरक्षणपरावर्तनयोर्नियमः

कार्यालये प्राप्त परीक्षाशुल्कं निम्नलिखितहेतुसत्त्वे एव सुरक्षितं परावर्त्तितं वा भवेन्नान्यथा। कार्यालये प्राप्तं प्रवेशशुल्कं लब्धाङ्कशुल्कं शिक्षाशुल्कं च परावर्तितं सुरक्षितं वा न भविष्यति।

(क) परीक्ष्यच्छात्रे पञ्चत्वमुपगते तदीयमृत्युप्रमाणपत्रं प्राप्य परीक्षाशुल्कं तदीयोत्तराधिकारिणे प्रत्यर्पयितुं शक्यते।

(ख) यस्य परीक्षार्थिनः परीक्षावेदनपत्रम् अस्वीकृतं स्यात् तस्य परीक्षाशुल्कं तस्मै प्रत्यावर्तयितुं शक्यते।

(ग) यदि छात्रः अज्ञानात् परीक्षायाः कृते शुल्कादिकं प्रेषितवान् स्यात् उत्तरकाले स्वकीयत्रुटौ ज्ञातायां स अन्यस्याः कस्याश्चित्परीक्षायाः कृते पूर्वोक्तं शुल्कादिकं विनियोक्तुमिच्छेत्, अथवा अग्रिमपरीक्षायाः कृते सुरक्षितं कारयितुमिच्छेत् तर्हि तदीयपरीक्षाशुल्कादीनां प्रार्थितपरीक्षायाः कृते विनियोगः सुरक्षणं वा कर्त्तुं शक्यते।

(घ) परीक्षावेदनपत्रस्य निर्धारिततिथेः समाप्तेः उत्तरकाले प्राप्तं परीक्षाशुल्कं प्रत्यावर्तयितुं शक्यते।

(ङ) परीक्षाकाले छात्रस्य अस्वस्थतायामुपनतायां पञ्जीकृतचिकित्सकप्रमाणपत्रेण सह परीक्षारम्भतिथिं आरभ्य मासाभ्यन्तरे प्राप्तं

प्रार्थनापत्रं हेतुं कृत्वा परीक्षाशुल्कम् अग्रिमवर्षीयतत्परीक्षायाः कृते सुरक्षितं कारयितुं शक्यते।

(च) यदि केनचिच्छात्रेण कस्याश्चित्परीक्षायाः निर्धारितशुल्कादधिकं शुल्कं कार्यालये अर्पितं स्यात्तर्हि सोऽधिकोऽशः परीक्ष्यस्य इच्छानुसारेण तस्मै प्रत्यावर्तयितुमग्रिमवर्षीयपरीक्षायाः कृते सुरक्षितं वा कारयितुं शक्यते।

१७–उत्तीर्णताक्रमनिर्देश

(क) प्रथमापूर्वमध्यमोत्तरमध्यमासंस्कृतप्रमाणपत्रीयसंस्कृतयोग्यता-परीक्षासूत्तीर्णतायै प्रतिविषयं समष्टौ प्रतिशतं न्यूनतमाः त्रयस्त्रिंशदङ्काः अवश्यं लब्धव्याः।

(ख) विदेशीभाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षायामुत्तीर्णतायै प्रति प्रश्नपत्रं प्रतिशतं न्यूनतमाः चत्वारि शदङ्काः प्रश्नपत्राणां योगे च प्रतिशतं न्यूनतमः पञ्च चत्वारिंशदङ्काः लब्धव्याः।

(ग) संगीतप्रमाणपत्रीयपरीक्षायामुत्तीर्णतायै प्रश्नपत्राणां योगे प्रतिशतं न्यूनतमाः चत्वारिंशदङ्काः लब्धव्याः। तत्र सैद्धान्तिके प्रायोगिके च प्रतिप्रश्नपत्रं प्रतिशतं न्यूनतमाः पञ्चविंशतिः अङ्काः अवश्यं लब्धव्याः।

(घ) अनुवादकपाठ्यक्रमपरीक्षायामुत्तीर्णतायै प्रश्नपत्राणां योगे प्रतिशतं न्यूनतमाः पञ्चाशदङ्काः प्रतिप्रश्नपत्रं प्रतिशतं न्यूनतमाः चत्वारिंशदङ्काश्च लब्धव्याः।

(ङ) स्नातकोत्तरभाषाविज्ञान-स्नातकोत्तररूसीभाषा, प्रमाणपत्रीयपरीक्षयोः उत्तीर्णतायै समष्टौ प्रतिशतं न्यूनतमाः अष्टचत्वारिंशदङ्काः अवश्यं लब्धव्याः।

(च) आचार्यपरीक्षायां प्रतिखण्डं समष्टौ प्रतिशतं न्यूनतमाः अष्टचत्वारिंशदङ्का अवश्यं लब्धव्याः।

(छ) आयुर्वेदाचार्यपरीक्षायाम् प्रतिखण्डम् उत्तीर्णतायै सैद्धान्तिक-प्रायोगिकपरीक्षयोः प्रतिविषयं योगे प्रतिशतं न्यूनतमाः पञ्चाशदङ्काः, प्रतिप्रश्नपत्रञ्च प्रतिशतं न्यूनतमाः षट्त्रिंशदङ्का अवश्यं लब्धव्याः।

(ज) शिक्षाशास्त्रिपरीक्षायाः ग्रन्थालयविज्ञानशास्त्रिपरीक्षायाः सैद्धान्तिकपरीक्षा-प्रश्नपत्राणां योगे प्रतिशतं न्यूनतमाः षट्त्रिंशदङ्काः उत्तीर्णता-प्रयोजका भविष्यन्ति। प्रायोगिकपरीक्षायां प्रतिशतं न्यूनतमाः षट्त्रिंशदङ्काः उत्तीर्णता-प्रयोजका भविष्यन्ति। परीक्षार्थिभिः प्रतिप्रश्नपत्रं प्रतिशतं न्यूनतमाः त्रयस्त्रिंशदङ्काः अवश्यं प्राप्तव्याः। तत्र सैद्धान्तिके प्रायोगिके च पृथक् पृथग् उत्तीर्णता आवश्यकी।

(झ) विशेषविषयप्रायोगिक्यां विशेषविषयसैद्धान्तिक्यां च परीक्षायाम् उत्तीर्णताप्रयोजकाः पृथक् पृथक् प्रतिशतं न्यूनतमाः पञ्चाशदङ्काः भविष्यन्ति।

१८–श्रेणीनिर्धारणनिर्देशः

(क) पूर्वमध्यमोत्तरमध्यमाशास्त्रिसंस्कृतप्रमाणपत्रीयपरीक्षाणां प्रतिखण्डं श्रेणीविभागो न भविष्यति, अपितु अन्तिमखण्डोत्तरणे प्रतिखण्डं प्राप्ताङ्कानां योगेन वक्ष्यमाणरीत्या श्रेणीविभागो भविष्यति।

प्रथमापूर्वमध्यमोत्तरमध्यमाशास्त्रिसंस्कृतप्रमाणपत्रीयसंस्कृतयोग्यता - तिब्बतीभाषायोग्यतापरीक्षासूत्तीर्णानां श्रेणीत्रयं भविष्यन्ति। तत्र समष्टौ प्रतिशतं षष्टितोऽन्यूनान् अङ्कान् लब्धवन्तः प्रथमश्रेण्यां निवेशं लप्स्यन्ते। समष्टौ प्रतिशतं षष्टितः न्यूनान् पञ्चचत्वारिंशदङ्कतोऽन्यूनान् लब्धवन्तः द्वितीयश्रेण्यां निवेशं लप्स्यन्ते। समष्टौ प्रतिशतं पञ्चचत्वारिंशतः न्यूनान् त्रयस्त्रिंशतोऽन्यूनान् अङ्कान् लब्धवन्तः तृतीयश्रेण्यां निवेशं लप्स्यन्ते।

(ख) आचार्यपरीक्षायां तृतीयश्रेणी न भविष्यति। किन्तु त्रिषु खण्डेषु प्राप्तानामङ्कानां योगे प्रतिशतं षष्टयङ्कान् तदधिकान् वा लब्धवन्तः प्रथम-

श्रेण्यां निवेशं लप्स्यन्ते। त्रिषु खण्डेषु प्राप्ताङ्कानां योगे प्रतिशतं अष्टचत्वारिंशतोऽन्यूनान् षष्टितश्च न्यूनान् अङ्कान् लब्धवन्तः द्वितीयश्रेण्यां निवेशं लप्स्यन्ते।

(ग) आयुर्वेदाचार्यपरीक्षायां श्रेणीविभागो न भविष्यति।

(घ) शिक्षाचार्य परीक्षायामपि तृतीय श्रेणी न भविष्यति अपि तु आचार्य परीक्षावा श्रेणी द्वव भविष्यति।

(ङ) शिक्षाशास्त्रिपरीक्षायाः ग्रन्थालयनिज्ञानशास्त्रिपरीक्षायाश्च प्रायोगिकपरीक्षायां सैद्धान्तिक्यां लेखपरीक्षायां च उत्तीर्णशिक्षात्राः तस्यां परीक्षायां तिसृषु श्रेणीषु निवेशं लप्स्यन्ते। शिक्षाशास्त्रिपरीक्षायां सैद्धान्तिके प्रायोगिके च पृथक् पृथक् श्रेणीविभागो भविष्यति।

श्रेणी निर्धारणम्

शिक्षाशास्त्रिपरीक्षायाः प्रायोगिकपरीक्षायां सैद्धान्तिक्यां लेखपरीक्षायां च उत्तीर्णशिक्षात्राः तस्यां परीक्षायां तिसृषु श्रेणीषु पृथक्-पृथक् निवेशं लप्स्यन्ते।

१. प्रतिशतं षष्टिं ततोऽधिकान् वा अङ्कान् लब्धवन्तः प्रथम श्रेण्यां निवेशं लप्स्यन्ते।

२. प्रतिशतमष्टचत्वारिंशतः आरभ्य षष्टितो न्यूनान् अङ्कान लब्धवन्तः द्वितीय श्रेण्यां निवेशं लप्स्यन्ते।

३. तिशतं षट्त्रिंशत आरभ्य अष्टचत्वारिंशतो न्यूनान् अङ्कान् लब्धवन्तः तृतीय श्रेण्यां निवेशं लप्स्यन्ते।

(च) विदेशीभाषानुवादकपाठ्यक्रमसंगीतप्रमाणपत्रीय-परीक्षासु श्रेणी-विभागो न भविष्यति।

(छ) स्नातकोत्तरभाषाविज्ञान-स्नातकोत्तररूसीभाषाप्रमाणपत्रीयपरीक्षयोः तृतीयश्रेणी न भविष्यति। प्राप्ताङ्कानां योगे प्रतिशतं षष्टितोऽन्यूनान्

लब्धवन्तः प्रथमश्रेण्यां निवेशं लप्स्यन्ते । प्राप्ताङ्कानां योगे प्रतिशतं पञ्च अष्ट चत्वारिंशत्तोऽन्यूनान् षष्टितो न्यूनान् अङ्कान् लब्धवन्तः द्वितीयश्रेण्यां निवेशं लप्स्यन्ते ।

१९—विशेषयोग्यतानिर्देशः

शास्त्र्याचार्यपरीक्षयोः विशेषयोग्यतानिर्देशो न भविष्यति । प्रथमा-पूर्वमध्यमोत्तरमध्यमाप्रमाणपत्रीयपरीक्षासु एकस्मिन् विषये विशेषयोग्यता-प्राप्तये प्रतिशतं पञ्चसप्ततेरन्यूना अङ्काः लब्धव्याः ।

२०—परीक्षाफलम्

परीक्षाफलं यथावसरं नियतसमाचारपत्रादिषु प्रकाशयिष्यते । एतदर्थं कार्यालये पत्रादिप्रेषणं न कार्यम् । परीक्षाफलप्रकाशनानन्तरं लब्धाङ्कपत्रं विद्यालयच्छात्राणां तद्विद्यालयप्रधानाचार्यसविधे तथा स्वतन्त्रच्छात्राणां तन्निर्दिष्टसङ्केतेन पञ्जीकृत (रजिस्टर्ड) पत्रेण प्रेषयिष्यते । परीक्षा-फलप्रकाशनानन्तरं षण्मासाभ्यन्तरे एकं परीक्षाफलपत्रमपि (गजट) प्रतिवर्षं प्रकाशयिष्यते यस्मिन् तस्य वर्षस्य समस्तपरीक्षाफलविवरणं भविष्यति ।

२१—अङ्कानुसन्धान नियमः

(क) अनुत्तीर्णैः परीक्षार्थिभिः लब्धाङ्कपत्रप्राप्त्यनन्तरमेकमासा-भ्यन्तरे द्रव्यप्रेषणनियमानुसारेण प्रतिप्रश्नपत्रं पञ्चरूप्यकाणि (५) शुल्क-त्वेन प्रेष्य अनुत्तीर्णपत्रे प्राप्ताङ्काना पुनः अनुसन्धनार्थं प्रार्थना कर्तुं शक्यते । पुनरनुसन्धानसन्दर्भे तत्र परीक्षकस्य अनवधाने विदिते यथोचितं संशोधनं करिष्यते ।

(ख) उत्तीर्णपरीक्षार्थिभिरपि लब्धाङ्कपत्रप्राप्त्यनन्तरं मासाभ्यन्तरे द्रव्यप्रेषणनियमानुसारेण प्रतिप्रश्नपत्रं पञ्चविंशतिरूप्यकाणि (२५)

शुल्कत्वेन प्रेष्य स्वप्राप्ताङ्कानां पुनः अनुसन्धानार्थं प्रार्थना कर्तुं शक्यते । पुनरनुसन्धानसन्दर्भे तत्र परीक्षकस्य अनवधाने विदिते यथोचितं संशोधनं करिष्यते ।

(ग) अङ्कानुसन्धानफलं यथाकालं कार्यालयेन सूचयिष्यते ।

२२—उत्तरपुस्तकानां पुनः परीक्षणनियमः

(क) अनुत्तीर्णैः परीक्षार्थिभिः परीक्षाफलप्रकाशनानन्तरं मासाभ्यन्तर एव द्रव्यप्रेषणनियमानुसारेण प्रतिप्रश्नपत्रं पञ्चाशद् (५०) रूप्यकाणि शुल्कत्वेन प्रेष्य अनुत्तीर्णप्रश्नपत्रोत्तरपुस्तकानां पुनः परीक्षणार्थं प्रार्थनां कर्तुं शक्यते । ततः सम्बद्धविषयकविभागाध्यक्षस्य तद्द्वारानुमेलितानां चतुर्णामध्यापकानां च समित्या प्रथमपरीक्षणस्यानियमितायां प्रमाणितायां पुनरुत्तरपुस्तकानां पुनः परीक्षण भविष्यति । यदि विभागाध्यक्ष एव प्रथम-परीक्षकस्तदोक्तविधिकुलपतिः सम्पादयिष्यति । उत्तरपुस्तकानां पुनः परीक्षणे दशप्रतिशतपर्यन्तमङ्कवैषम्ये पूर्वपरीक्षाफलमन्यथा प्रभावितं न भविष्यति ।

(ख) यदिकस्यचिदुत्तीर्णस्य छात्रस्यान्येषु सर्वेषु प्रश्नपत्रेषु प्रथमश्रेण्या अङ्काः सन्ति एकस्मिन् पत्रे तृतीयश्रेण्या अङ्कास्ततो न्यूना वा अङ्कास्तदा ईदृशेन छात्रेण पुनर्मूल्याङ्कनार्थं प्रार्थिते सम्बद्धविषयस्य विशेषज्ञेन तत्सम्बन्धे परामर्शः करिष्यते परामर्शस्यानुकूल्ये पुनः संशोधनं च करिष्यते ।

(ग) कश्चिदनुत्तीर्णछात्रो यदि पुनर्मूल्याङ्कनफलतयोत्तीर्णे भवति तदा तेन विश्वविद्यालयाय तदर्थं समर्पितस्य धनराशेरर्धभागस्तस्मै परावर्तयिष्यते ।

२३—पूरकपरीक्षानियमः

(क) पूर्वमध्यमोत्तरमध्यमासंस्कृतप्रमाणपत्रीयशास्त्रिपरीक्षासु एक-स्मिन् विषये अनुत्तीर्णेन छात्रेण समष्टौ प्रतिशतं चत्वारिंश (४०) अङ्केषु,

अनुत्तीर्णताप्रयोजकविषये प्रतिशतं न्यूनतमेषु पञ्चविंशत्यङ्केषु (२५) लब्धेषु सत्स्वेव एकस्मिन् विषये अनुत्तीर्णेन परीक्षार्थिना पूरकपरीक्षायां प्रवेशाधिकारो लप्स्यते।

(ख) पूर्वमध्यमोत्तरमध्यमासंस्कृतप्रमाणपत्रीयशास्त्रिपरीक्षासु उत्तीर्णा अथवा पूरकपरीक्षार्हाश्छात्राः अंग्रेजीविषये प्रतिशत पञ्चविंशते (२५) अन्यूनान् अङ्कान् लब्धवन्त एव अंग्रेजीविषये पूरकपरीक्षायां प्रवेशाधिकारं लप्स्यन्ते।

(ग) पूरकपरीक्षायाम् उत्तरणार्थं प्रतिशतं चत्वारिंशदङ्काः (४०) अवश्यं लब्धव्याः। अस्यामुत्तीर्णानां प्रमाणपत्रेषु श्रेण्युल्लेखो न भविष्यति। इयं परीक्षा अगस्तमासस्य प्रायः प्रथमे सप्ताहे निर्धारितेषु केन्द्रेषु दिनांकेषु च भविष्यति।

(घ) आयुर्वेदाचार्यपरीक्षायां ये छात्राः अन्यविषयेषूत्तीर्णास्तथा एकस्मिन् विषये विषयद्वये वा सैद्धान्तिके प्रश्नपत्रे प्रायोगिके च योगे प्रतिशत पञ्चविंशतेरन्यूनानङ्कान् प्राप्स्यन्ति ते अनुतीर्णविषये, अनुत्तीर्ण-विषययोर्वा पूरकपरीक्षायै अधिकृता भविष्यन्ति।

२४–एकविषयकपरीक्षानियमः

पूर्वमध्यमामुत्तरमध्यमां शास्त्रिपरीक्षां वोत्तीर्णाः परीक्षार्थिनः यथा-नियमं पूर्वगृहीतविषयादन्यं कमपि एकं कवर्गीयम् अतिरिक्तम् अंग्रेजीविषयं वा गृहीत्वा पुनः पूर्वमध्यमायामुत्तरमध्यमायां शास्त्रिपरीक्षायां वा सम्पूर्ण रूपेणैकास्यनेकवर्षे प्रवेशमर्हन्ति। एभ्य उत्तीर्णत्वे प्रमाणपत्रं दास्यते यस्मिन् श्रेण्युल्लेखो न भविष्यति। एकविषयकपरीक्षा पूरकपरीक्षया सह भविष्यति।

२५–पदकप्रदानम्

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयपरीक्षासु सर्वश्रेष्ठतया उत्तीर्णेभ्यो यथाविश्वविद्यालयव्यवस्थं सौवर्णं राजतं वा पदकं विश्वविद्यालयेन दातृभिर्वा व्यवस्थापितं तत्तदध्यादेशानुसारेण प्रदीयते।

२६–प्रमाणपत्रप्राप्तिनियमः

(क) प्रथमां पूर्वमध्यमामुत्तरमध्यमां प्रमाणपत्रीयपरीक्षां वा कात्स्न्यें-नोत्तीर्णेभ्यश्छात्रेभ्यः विश्वविद्यालयीयमुद्रया कुलसचिवस्य हस्ताक्षरमुद्रया च अङ्कितं प्रमाणपत्रं लप्स्यते।

(ख) शास्त्रिपरीक्षाम्, शिक्षाशास्त्रिपरीक्षाम, ग्रन्थालयविज्ञानशास्त्रि-परीक्षाम, आयुर्वेदाचार्यपरीक्षाम्, आचार्यपरीक्षाम्, विद्यावारिधिपरीक्षाम्, वाचस्पतिपरीक्षाम् वा कात्स्न्यनोत्तीर्णेभ्यः स्नातकेभ्यः कुलपतेः हस्ताक्षरेण अङ्कितम् उपाधिपत्रं प्रतिवर्षं सम्पत्स्यमाने विश्वविद्यालय-दीक्षान्तसमा-रोहावसरे प्राप्स्यते। तत्रानुपस्थितेभ्यः स्नातकेभ्यः द्रव्यप्रेषणनियमानुसारेण रूप्यकदशके (१० रु०) प्रापिते उपाधि पत्रं लप्स्यते। दीक्षान्तसमारोहात् प्राक् प्रार्थनापत्रं प्रदाय अस्थायिप्रमाणपत्रं प्राप्तुं शक्यते।

२७–अस्थायिप्रमाणपत्रम्

प्रमाणपत्रप्रेषणात् पूर्वं सत्यां प्रार्थनायां अस्थायिप्रमाणपत्रं रूप्यकत्रय-शुल्कदानेन (प्रेषणव्ययातिरिक्तेन) प्राप्तुं शक्यते।

२८–निष्क्रमणप्रमाणपत्रम्

प्रार्थनापत्रेण सह पञ्चरूप्यकाणि (प्रेषणव्ययातिरिक्तानि) प्रेष्यं निष्क्रमणप्रमाणपत्रं प्राप्तुं शक्यते। एतदर्थं निम्ननिर्दिष्टमावेदनपत्रं प्रपूर्यप्रेषणीयम्।

निष्क्रमणप्रमाणपत्रप्राप्त्यर्थमावेदनपत्रप्रारूपम्

(१) प्रार्थिनः पूर्णनाम

(२) पितृनाम

(३) स्थायिसङ्केतः

(४) विद्यालयनाम (संस्थागतछात्राणां कृते)

(५) अन्तिमोत्तीर्णपरीक्षानाम

प्रवेशसंख्या

अनुक्रमाङ्कः

विषयः

वत्सरः

(६) परीक्षाकेन्द्रनाम

(७) शुल्कविवरणं कोषोयादेशस्य (बैंकड्राफ्ट अथवा पोस्टलआर्डर)

विश्वविद्यालयीयप्राप्तिपत्रस्य वा संख्या.....दिनाङ्कश्च..... ।

दिनांक.....

प्रार्थिनो हस्ताक्षरम्

आवश्यकम्—अनेन प्रार्थनापत्रेण सह विद्यालयत्यागप्रमाणपत्रम् मूलरूपेण अवश्यं प्रेषणीयम् ।

२९—नष्टप्रमाणपत्रप्रतिलिपिग्रहणनियमः

प्रमाणपत्रे नष्टे तल्लिप्सुना सार्द्धचतूरूप्यकमिति (०४-५०) न्यायालयत्रे (स्टाम्पपत्रे) अयं स एव जनो यस्य प्रमाणपत्रं नष्टमिति प्रमाणयेतः प्रथमवर्गदण्डाधिकारिणः (प्रथम श्रेणी का मजिस्ट्रेट), जिलाधिकारिणः, देशान्तरस्थितच्छात्रैः तद्देशस्थितभारतीयदूतावासाधिकारिणो वा प्रमाण-

पत्रेण सह प्रमाणपत्रनष्टताहेतूल्लेखसहिते प्रार्थनापत्रे रूप्यकपञ्चकमिते (प्रेषणव्ययातिरिक्ते) शुल्के च द्रव्यप्रेषणनियमानुसारेण प्रेषिते सति नष्टप्रमाणपत्रस्य प्रतिलिपिः कार्यालयात् प्राप्येत ।

३०—नामपरिवर्तननियमः

नामपरिवर्तनेऽभीष्टे प्रार्थिना सार्द्धचतूरूप्यक (४-५० रु०) मितन्यायालयपत्रे (स्टाम्पपत्रे) अयं स एव जनो यस्य प्रमाणपत्रमभीष्टमिति नामपरिवर्तनहेतूल्लेखपुरस्सरं प्रमाणयतः जिलाधिकारिणः, देशान्तरस्थितच्छात्रैः तद्देशस्थितभारतीयदूतावासाधिकारिणो वा प्रमाणपत्रेण सह पूर्वनाम्ना प्रदत्तमूलप्रमाणपत्रेण च सह प्रार्थनापत्रे द्रव्यप्रेषणनियमानुसारेण रूप्यकदशमिते (१०-०० रु०) शुल्के (प्रेषणव्ययातिरिक्ते) च प्रेषिते सति परिवर्तितनाम्ना प्रमाणपत्रं प्राप्तुं शक्यते, किन्तु प्रार्थनापत्रप्रेषणात् प्राक् समाचारपत्रेषु नामपरिवर्तनविषये वारत्रयं समाचारप्रकाशनमप्यावश्यकम् । कार्यालये प्रार्थनापत्रेण सहैव तानि त्रीण्यपि समाचारपत्राणि प्रेषणीयानि ।

३१—शिक्षावासशुल्कम्

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालये तत्तत्कक्षासु अध्ययनार्थिभिश्छात्रावासार्थिभिश्च वक्ष्यमाणविवरणानुसारं शुल्कं देयं भविष्यति ।

शिक्षाशुल्कम्—

शिक्षाशास्त्रिकक्षायाम्	१८०	रूप्यकाणि	प्रतिसत्रम्
ग्रन्थालयविज्ञानशास्त्रिकक्षायाम्	१८०	,,	,,
प्रमाणपत्रीयकक्षासु—			
विश्वविद्यालयसम्बद्धेभ्यः	३६	,,	,,
प्रमाणपत्रीयकक्षासु अन्येभ्यः	६०	,,	,,
प्रवेशावेदनपत्रमूल्यम्	३ रु०	,,	प्रतिसत्रम्

प्रवेशशुल्कम्	२ ,,	,,
परिचयपत्रशुल्कम्	२ ,,	,,
क्रीडाशुल्कम्	३ ,,	,,
छात्रसङ्घशुल्कम्	२ ,,	,,
पत्रिकाशुल्कम्	२ ,,	,,
छात्रावासशुल्कम्	५ ,,	,,
छात्रावासप्रतिभूनिधिः	५ ,,	,,

३२—अध्यापकसम्बद्धतानियमः

(क) विश्वविद्यालयः भारतस्य कस्मिंश्चिदपि राज्यक्षेत्रे स्थितान् विदेशस्थितान् अध्यापकान् अभिज्ञातान् (सम्बद्धान्) कर्तुं प्रभवति तथा तेषामभ्यर्थितः परीक्षासु प्रवेशानुमतिं दातुमर्हति, किन्तु तत्र अयं प्रतिबन्धो वर्तते तद् भारतराज्यक्षेत्रे स्थितान् शासनेन संधारितान् अध्यापकान् तावद् अभिज्ञातान् न करिष्यति यावत् सम्बद्धशासनस्य तदर्थं संस्तुतिर्न स्यात् ।

(ख) पञ्चमधारायाः उपबन्धानामाधीन्ये कार्यकारिणी परिषद् विद्वत्परिषदः संस्तुतिमाधृत्य विश्वविद्यालयेन तत्सम्बद्धमहाविद्यालयेन वा अध्यापकरूपेण अनियुक्तं व्यक्तिविशेषम्, विश्वविद्यालयपरीक्षोपाधीनां च कृते अभ्यर्थिनां सन्नद्धीकरणाय प्रस्तुतीकरणाय च तेषु एव विषयेषु अभिज्ञातं करिष्यति येषु तस्य विद्वत्तायाः विशिष्टा ख्यातिः स्यात् ।

विशेष—विद्यालय सम्बद्धतायै शासनादेश प्राप्तानन्तरं नियमादिकं पृथक् प्रकाशयिष्यते ।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रेस वाराणसी। मु० सं० २३०/८३